

(5) सैनिक इंजीनियरी सेवा (आई.डी.एस.ई.), (वैद्युत और यांत्रिक संवर्ग) (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

(6) सहायक कार्यपालक इंजीनियर, ग्रुप "क" (वैद्युत इंजीनियरी पद) ई.एम.ई.कोर, रक्षा मंत्रालय ।

(7) सहायक नौ सेना भंडार अधिकारी, ग्रेड-I (वैद्युत इंजीनियरी पद) भारतीय नौ सेना ।

वर्ग 4—इलैक्ट्रॉनिक और दूर-संचार
ग्रुप "क" सेवाएं/पद

(1) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।

(2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (दूर-संचार/इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।

(3) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।

(4) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।

(5) सहायक कार्यपालक इंजीनियरी, ग्रुप "क" (इलैक्ट्रॉनिकी एवं दूरसंचार इंजीनियरी पद)। ई.एम.ई.कोर, रक्षा मंत्रालय ।

(6) इंजीनियर ग्रुप "क" वायरलैस आयोजन और समन्वय स्कॅन्च अनुकूलण/संगठन ।

(7) सहायक नौ सेना भंडार अधिकारी ग्रेड-I (इलैक्ट्रॉनिकी एवं दूर-संचार इंजीनियरी पद) भारतीय नौ सेना ।

(8) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप "क" (इलैक्ट्रॉनिकी एवं दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित नीति से ली जायेगी । परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा ।

2. उम्मीदवार ऊपर दर्शाई गई सेवाओं/पदों की श्रेणियों जैसे कि सिविल इंजीनियरी या यांत्रिकी इंजीनियरी या वैद्युत इंजीनियरी या इलैक्ट्रॉनिक और दूर-संचार इंजीनियरी के संबंध में किसी एक के लिए प्रतियोगी हो सकता है । परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को विस्तृत आवेदन-पत्र में वरीयता के क्रम में यह स्पष्ट करना होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं । उम्मीदवार को उनकी इच्छानुसार एकाधिक जितनी भी वह चाहे वरीयता क्रम दर्शाने का परामर्श दिया जाता है जिससे कि योग्यता क्रम में उनके रैंक के अनुसार नियुक्त करते समय उनकी वरीयता पर उचित ध्यान दिया जा सके ।

विशेष ध्यान 1 :—उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह अपने विस्तृत आवेदन-पत्र में उन सभी सेवाओं/पदों की वरीयता क्रम में उल्लेख करे जिन सेवाओं/पदों के लिए वह नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र है । यदि वह किसी सेवा/पद की वरीयता क्रम नहीं लिखता है अथवा आवेदन-प्रपत्र में किन्हीं सेवाओं/पदों को सम्मिलित नहीं करता है तो यह मान लिया जाएगा कि उन सेवाओं/पदों के लिए उसकी कोई विशिष्ट वरीयता नहीं है और ऐसी स्थिति में सेवाओं/पदों

के लिए उम्मीदवारों की वरीयताओं के अनुसार आवेदन करने के पश्चात् जिनमें रिक्तियां होंगी उसकी किसी भी शेष सेवाओं/पदों पर अधिसूचना में दिए गए क्रम के आधार पर आबंटन कर दिया जाएगा ।

विशेष ध्यान 2 :—किसी भी उम्मीदवार का अपने विस्तृत आवेदन-पत्र में पहले से निर्दिष्ट वरीयताओं को बद्दाने/परिवर्तन करने के बारे में कोई अनुरोध आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

विशेष ध्यान 3 :—विभागीय उम्मीदवार वे उम्मीदवार हैं जिन्हें नियम 5(ख) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट के अधीन परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी गई है । ऐसे उम्मीदवार अन्य मंत्रालयों/विभागों में नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता दे सकते हैं ।

विशेष ध्यान 4 :—नियम 6 के उपबंध के अंतर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं वरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबंध में निर्दिष्ट पदों के लिए हैं और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयताओं, यदि कोई हैं, पर विचार नहीं किया जाएगा ।

विशेष ध्यान 5 :—उम्मीदवारों को विभिन्न सेवाओं/पदों का आबंटन योग्यता क्रम सूची में उनके स्थान, उनके द्वारा दी गई वरीयता और पदों की संख्या के आधार पर ही किया जाएगा जो उम्मीदवारों के चिकित्सा की दृष्टि से स्वस्थ पाए जाने के अध्यधीन हैं ।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी ।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ी श्रेणियों तथा शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थाई निवास के इरादे से । जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थाई निवास के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देशों, केन्या, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जेरे, इथोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति है ।

किन्तु शर्त यह कि उपयुक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से संबद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया हो ।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो ।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2007 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1977 से पहले और 1 अगस्त, 1986 के बाद न हुआ हो ।

(ख) सरकारी कर्मचारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कॉलम में निर्दिष्ट प्राधिकरणों के नियंत्रणाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियुक्त हैं और कॉलम-2 में निर्दिष्ट सभी अथवा किसी सेवा [सेवाओं/पद (पदों) के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु जिसके लिए वे अन्यथा पात्र हैं, आवेदन करते हैं-ऊपर आयु-सीमा 30 वर्ष के स्थान पर 35 वर्ष होगी ।]

(1) वह उम्मीदवार जो संबद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप से स्थाई पद पर हैं उक्त विभाग/कार्यालय में स्थाई पद पर नियुक्त परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परिवीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी ।

(2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 2007 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थाई सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो ।

कॉलम-1	कॉलम-2
रेल विभाग	आई.आर.एस.ई., आई.आर.एस.एम.ई., आई.आर.एस.ई.ई., आई.आर.एस.एस.ई., आई.आर.एस. ।
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी.ई.एस. ग्रुप "क" सी.ई. एंड एम.ई.एस. ग्रुप "क"
सैनिक इंजीनियरी सेवाएं सेना मुख्यालय	भारतीय इंजीनियर्स रक्षा सेवा (आई.डी.एस.ई.)
आयुध कारखाना	आई.ओ.एफ.एस. ग्रुप "क"
महा-निदेशालय	
केन्द्रीय जल सेवा आयोग	सी.डब्ल्यू. (ग्रुप "क") सेवा
बेतार आयोजन तथा समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन	इंजीनियर (ग्रुप "क")
भारतीय नौ सेना	भारतीय नौ सेना आयुध सेवा, सहायक नौ सेना भंडार अधिकारी, ग्रेड-1
सीमा सङ्क संगठन	सीमा सङ्क इंजीनियरी सेवा
भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण विभाग	यांत्रिकी इंजीनियर (कनिष्ठ)
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय	भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप "क"

टिप्पणी :- प्रशिक्षुता की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यभार पद पर नियुक्त हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोजन के लिए प्रशिक्षुता की अवधि रेल सेवा मानी जाएगी ।

(ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु-सीमा में छूट दी जाएगी:-

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (2) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उन उम्मीदवारों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक जो ऐसे उम्मीदवारों के लिए लागू आरक्षण को पाने के लिए पात्र हैं;
- (3) ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 1 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान साधारणतया जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो अधिकतम 5 वर्ष तक;
- (4) शान्ति देश के साथ संबंध में अशांतिग्रस्त क्षेत्र में कौंजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप नियुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्यक्रमों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष तक;
- (5) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा अपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त, 2007 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचर या अक्षमता के आधार पर बखास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्य मुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 2007 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है, या (2) अल्पकालिक सेवा से हुई शारीरिक अपेक्षा या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं, के मामले से अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (6) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 2007 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तभी जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाणपत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्त प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष तक;
- (7) नेत्रहीन, मुक बधिर तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष तक।

टिप्पणी 1:- अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ी वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उप-नियम

5(ग) के किन्हीं अन्य खंडों अर्थात् जो भूतपूर्व सैनिकों, जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास करने वाले व्यक्तियों की श्रेणी के अंतर्गत आते हैं, दोनों श्रेणियों के अंतर्गत दी जाने वाली संचयी आयु-सीमा छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

टिप्पणी 2:—भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथासंशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में पुनः रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है।

टिप्पणी 3:—आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा के कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित वे भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन अधिकारी, जो स्वयं के अनुरोध पर सेवा मुक्त हुए हैं, उन्हें उपर्युक्त नियम 5(ग) (5) तथा (6) के अधीन आयु-सीमा में छूट नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 4:—उपर्युक्त नियम 5 (ग) (7) के अन्तर्गत आयु में छूट के बावजूद शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार की नियुक्ति हेतु पात्रता पर तभी विचार किया जा सकता है जब वह (सरकार या नियोक्ता प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो, द्वारा निर्धारित शारीरिक परीक्षण के बाद) सरकार द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को आर्बाटिट संबंधित सेवाओं/पदों के लिए निर्धारित शारीरिक एवं चिकित्सा मानकों की अपेक्षाओं को पूरा करता हो।

विशेष ध्यान— जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम (5) (ख) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है, उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर लेने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्याग-पत्र देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उसकी सेवा या पद से छठनी हो जाती है तो परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय में स्थानान्तरित हो जाता है वह विभाग की आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा बशर्ते कि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अग्रेषित कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रीकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाणपत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा

प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष के प्रमाणपत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ-पत्र, नगर नियम तथा सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा अन्य ऐसे प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए “मैट्रीकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र” वाक्यांश के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1:—उम्मीदवार यह ध्यान में रखे कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रीकुलेशन/उच्चतर परीक्षा प्रमाणपत्र में या समकक्ष परीक्षा प्रमाणपत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न ही विचार किया जाएगा और न ही उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2:—उम्मीदवार यह भी नोट कर ले कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या कियी बाद की परीक्षा में किसी भी कारण से परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार—

- (क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए; अथवा
- (ख) इंजीनियरी की संस्था (भारत) की संस्था परीक्षा का भाग के और ख उत्तीर्ण हो; अथवा
- (ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए, सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त हो; अथवा
- (घ) इलैक्ट्रॉनिकी और दूरसंचार इंजीनियरी की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मैम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा
- (ङ) भारतीय वैमानिकी सोसायटी की एसोसिएट मैम्बरशिप परीक्षा भाग 2 और 3/खण्ड क और ख उत्तीर्ण हो; अथवा
- (च) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलैक्ट्रॉनिकी और रेडियो इंजीनियरी की संस्था (लन्दन) की ग्रेजुएट मैम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

किन्तु भारतीय नौसेना आयुध (इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) और बायरलैस समायोजन तथा समन्वय स्कॉल्स/अनुश्रवण संगठन में

इंजीनियर यूप 'क' के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो जैसे:—

वायरलैस संचार, इलैक्ट्रॉनिकी, रेडियो घोटिकी या रेडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ एम. एम. सी. डिग्री या समकक्ष।

टिप्पणी 1:— यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर सके पर वह शैक्षिक इटि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणम की सूचना न मिली हो तो वह इस परीक्षा में प्रवेश याने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की सह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में उनका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अहंता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, साथ प्रस्तुत करना होगा।

टिप्पणी 2:— विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश याने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अहंताओं में से कोई अहंता न हो बश्यते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3:— जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अहंता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है तो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है यह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग के विवेक पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को अयोग के नोटिस में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थाई रूप से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं, उनकी या जो सार्वजनिक उद्यमों में सेवारत हों, उनके इस आशय का परिवर्चन (अण्डरटेकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से संबद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जा सकती है।

9. उम्मीदवार के आवेदन-पत्र और उसकी पात्रता को स्वीकार करने या परीक्षा में प्रवेश आदि के संबंध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्रता की सभी शर्तें पूरी करते हैं। परीक्षा के उन सभी स्तरों, जिनके लिए आयोग ने उन्हें प्रवेश दिया है अर्थात् लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण, में उनका प्रवेश पूर्णतः अनन्तिम होगा तथा उनके निर्धारित पात्रता की शर्तों को पूरा करने पर आधारित होगा। यदि लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण के पहले या बाद में सत्यापन करने पर यह पता चलता है कि पात्रता की किन्हीं शर्तों को पूरा नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. आयोग ने जिस उम्मीदवार को दोषी पाया अथवा घोषित किया हो:—

- (1) किसी भी प्रकार से/अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्यसाधन करा है, अथवा
- (4) जाली प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमात्रपत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तकाओं पर असंगत बातें लिखी हों, जो अश्लील भाषा में अभद्र आशय की हो, या
- (9) परीक्षा-भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटवहर किया हो, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, -या
- (11) परीक्षा के दौरान कोई सेल्यूलर/मोबाइल फोन/पेजर या किसी अन्य प्रकार का इलैक्ट्रॉनिक उपकरण या यंत्र अथवा संचार यंत्र के रूप में प्रयोग किए जा सकने वाला कोई अन्य उपकरण प्रयोग करते हुए या अपने पास रखे पाया गया हो।
- (12) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्र के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा

(13) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अब प्रेरित करने का प्रयत्न किया हो। तो उस पर आपाराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसेक्युशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे:—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, तथा/अथवा

(ख) उसे अस्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है; और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तक नहीं दी जाएगी जब तक:—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, अथवा

(2) उम्मीदवारों द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हों उन्हें आयोग के विवेक पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

यदि आयोग का विचार है कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति अथवा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य मानक के आधार पर इस समुदायों से पर्याप्त संख्या में उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तब आयोग द्वारा मानकों में छूट देकर इस समुदायों के उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. (i) साक्षात्कार के बाद आयोग उम्मीदवारों के नाम परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप से प्रदान किए गए कुल अंकों के आधार पर बने योग्यता क्रम के अनुसार सुव्यवस्थित करेगा। उसके बाद आयोग अनारक्षित रिक्तियों पर उम्मीदवारों की संस्तुति करने के प्रयोजन से, मुख्य परीक्षा के आधार पर भरी जाने वाली अनारक्षित रिक्तियों की संख्या के संबंध में सामान्य अर्हक मानदण्डों में ढील दे सकता है :

बशर्ते कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित अनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवार, जिन्होंने परीक्षा के किसी भी स्तर पर यात्रा अथवा चयन मानदण्ड में रियायत अथवा ढील का उपयोग नहीं किया है और जो आयोग द्वारा सामान्य अर्हक मानदण्ड को ध्यान में रखने हुए संस्तुति के लिए उपर्युक्त पाए गए, उन्हें अनुसूचित

जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए संस्तुत नहीं किया जाएगा।

(ii) सेवा का आबंटन करते समय अनारक्षित रिक्तियों पर संस्तुत किए गए अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों को सरकार द्वारा आरक्षित रिक्तियों पर समायोजित किया जा सकता है, यदि ऐसी प्रक्रिया से उन्हें अपने वरीयता क्रम में बेहतर विकल्प वाली सेवा मिल जाती है,

(iii) आयोग, अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्त हेतु उम्मीदवारों की किसी कमी को ध्यान में रखते हुए अर्हक मानकों को और कम कर सकता है और नियम के प्रावधानों से उद्भूत आरक्षित रिक्तियों पर किसी उम्मीदवार के अधिशेष हो जाने पर आयोग, उप-नियम (iv) और (v) में निर्धारित ढंग से संस्तुति कर सकता है।

(iv) उम्मीदवारों की संस्तुति करते समय आयोग, सबसे पहले सभी श्रेणियों में रिक्तियों की कुल संख्या को ध्यान में रखेगा। संस्तुत उम्मीदवारों की इस कुल संख्या में से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के उन उम्मीदवारों की संख्या घटा दी जाएगी, जो उप नियम (i) के परन्तुक के अनुसार पात्रता अथवा चयन मानदण्डों में किसी रियायत अथवा ढील का उपयोग किए बिना ही निर्धारित सामान्य अर्हक मानदण्डों या अधिक से योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। आयोग, संस्तुत उम्मीदवारों की इस सूची के साथ-साथ उम्मीदवारों की समेकित आरक्षित सूची भी घोषित करेगा जिसमें प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत योग्यता क्रम में अखिली संस्तुत उम्मीदवार से नीचे के सामान्य और आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवार शामिल होंगे। इन प्रत्येक श्रेणियों में उम्मीदवारों की संख्या, आरक्षित श्रेणी के उन उम्मीदवारों की संख्या के बराबर होगी जिन्हें उन नियम (k) के परन्तुक के अनुसार पात्रता अथवा चयन मानदण्डों में किसी प्रकार की रियायत या ढील का लाभ प्राप्त किए बिना प्रथम सूची में शामिल किया गया था। आरक्षित सूची में, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्ग की प्रत्येक आरक्षित श्रेणी में से उम्मीदवारों की संख्या, प्रत्येक श्रेणी में प्रारंभिक स्तर पर कटौती किए गए संबंधित उम्मीदवारों की संख्या के बराबर होगी।

(v) उप-नियम (iv) के प्रावधानों के अनुसार संस्तुत उम्मीदवार, सरकार द्वारा सेवाओं में आवंटित किए जाएंगे और जहां कतिपय पद फिर भी रिक्त रह जाते हैं वहां सरकार आयोग को इस आशय की मांग भेज सकती है कि वह आरक्षित सूची में से प्रत्येक श्रेणी में रिक्त रह गई रिक्तियों को भरने के प्रयोजन से मांग की गई संख्या के बराबर उम्मीदवारों की योग्यता क्रम से संस्तुति करें।

14. शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इस श्रेणी के उम्मीदवारों के संबंध में आयोग द्वारा नियम 12 और 13 में व्याख्यानिर्दिष्ट न्यूनतम अर्हक अंकों में अपने विवेकानुसार ढील दी जा सकती है :

बशर्ते कि जहां शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार, सामान्य अथवा अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षित संख्या में अपने ही योग्यता क्रम में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेता है तो आयोग द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या से

अधिक संख्या में उम्मीदवार, ढील दिए मानकों के आधार पर संस्तुत नहीं किए जाएंगे ।

15. प्रत्येक उम्मीदवार के परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा ।

16. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वाय आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरीयताक्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा ।

17. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकता अनुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है ।

18. नियुक्ति हेतु योग्य के रूप में उत्तीर्ण होने के लिए उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके । सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा, जैसी भी स्थिति हो, निर्धारित चिकित्सा परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाता है कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी ।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा से संबंधित नियमों की ओर आकर्षित किया जाता है । उसमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता मापदण्ड अलग-अलग हैं । अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं जिन सेवाओं के लिए संबंधित सेवा आयोग की वरीयता बताई है उन सेवाओं के विशेष संदर्भ में इन मापदण्डों को ध्यान में रखें ।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उन्हें चिकित्सा परीक्षण के लिए रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा अलग से सूचित किया जाएगा । यदि अंतिम परीक्षण निकलने के 15 दिनों के अंदर उन्हें कोई इस विषय में कोई सूचना न मिले तो उन्हें रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) से संपर्क करना चाहिए ।

(1) प्रत्येक उम्मीदवार, अन्तिम रूप से अर्हक की रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा यथानिर्धारित चिकित्सा परीक्षण की जाएगी, चाहे वह इस प्रकार के चिकित्सा परीक्षण में पहले उपस्थिति हो चुका हो तथा पहले के परीक्षण के आधार पर उपयुक्त या अनुपयुक्त पाया गया हो ।

(2) चिकित्सा परीक्षा विभिन्न रेलवे अस्पतालों में आयोगित की जाएगी जिसकी तारीख तथा स्थल रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के विवेक पर होगा । रेलवे चिकित्सा बोर्ड का निष्कर्ष अन्तिम माना जाएगा तथा आवंटन प्रयोजन हेतु बाध्यक होगा ।

(3) उनको 100 रुपये (एक सौ रुपये मात्र) की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी ।

(4) डाक्टरी जांच के संबंध में कोई गई यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और

(5) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया जाएगा ।

टिप्पणी:- निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपना डाक्टरी परीक्षा करा लें । उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट-2 में दिए गए हैं । विकलांग/भूतपूर्व रक्षा सेवा कार्मिकों हेतु प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में से छूट दी जा सकती है ।

19. शारीरिक रूप में अक्षम व्यक्तियों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों पर विचार किए जाने के लिए उनकी अक्षमता चालीस प्रतिशत (40%) वा उससे अधिक होनी चाहिए । तथापि ऐसे उम्मीदवारों से निम्नलिखित शारीरिक अपेक्षाओं/क्षमताओं में से एक या अधिक जो संबंधित सेवाओं/पदों में कार्य निष्पादन हेतु आवश्यक हो, पूरी करने की अपेक्षा की जाएगी ।

कोड	शारीरिक अपेक्षाएं
एफ (F)	1. हस्तकौशल (अंगुलियों से) द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्य ।
पीपी (PP)	2. खोंच कर तथा धक्के द्वारा किए जाने वाले कार्य ।
एल (L)	3. उठाकर किए जाने वाले कार्य ।
केसी (KC)	4. घुटने के बल बैठकर तथा कैचिंग द्वारा किए जाने वाले कार्य ।
बी (B)	5. झुककर किए जाने वाले कार्य ।
एस (S)	6. बैठकर (बैंच या कुर्सी पर) किए जाने वाले कार्य ।
एस टी (ST)	7. खड़े होकर किए जाने वाले कार्य ।
डब्ल्यू (W)	8. चलते हुए किए जाने वाले कार्य ।
एस ई (SE)	9. देख कर किए जाने वाले कार्य ।
एच (H)	10. सुनकर/बोलकर किए जाने वाले कार्य ।
आर डब्ल्यू (RW)	11. पढ़कर तथा लिखकर किए जाने वाले कार्य ।

संबंधित सेवाओं/पदों की अपेक्षाओं के अनुसूच उनके मामलों में कार्यात्मक वर्गीकरण निम्नलिखित में से एक या अधिक होगा :

कोड	कार्य
बी एल (BL)	1. दोनों पैर खराब लेकिन भुजाएं नहीं
बी ए (BA)	2. दोनों भुजाएं खराब- क. दुर्बल पहुंच ख. पकड़ की दुर्बलता
बी एल ए (BLA)	3. दोनों पैर तथा दोनों भुजाएं खराब
ओ एल (OL)	4. एक पैर खराब (दाया या बाया) क. दुर्बल पहुंच ख. पकड़ की दुर्बलता ग. एट ऐक्सिक
ओ ए (OA)	5. एक भुजा खराब (दाई या बाई) क. दुर्बल पहुंच ख. पकड़ की दुर्बलता ग. एट ऐक्सिक
बी एच (BH)	6. सख्त पीठ तथा कूल्हे (बैठ या झुक नहीं सकते)
एम डब्ल्यू (MW)	7. मांसपेशियां, दुर्बलता तथा सीमित शारीरिक सहनशक्ति
बी (B)	8. नेत्रहीन
पीबी (PB)	9. आर्थिक नेत्रहीन
डी (D)	10. बधिर
पीडी (PD)	11. आर्थिक बधिर

20. जिस व्यक्ति ने —

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है;

तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

21. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जो कि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

22. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

ममता कण्डवाल, उप निदेशक, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट-1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी—

भाग-1—लिखित परीक्षा में दो भाग होंगे । भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग 2 में परम्परागत प्रश्न-पत्र होंगे दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलैक्ट्रॉनिक तथा दूर संचार इंजीनियरी का पूरा पाठ्यक्रम होगा। इन प्रश्न-पत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यक्रम परिशिष्ट की अनुसूची में दिए गए हैं । लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग-2—लिखित परीक्षा के आधार पर अहंता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्ति परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :—

श्रेणी-1—सिविल इंजीनियरी

विषय	अवधि	पूर्णांक
1	2	3
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षा (भाग क: सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख: सामान्य अध्ययन)	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-I	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-II	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र		
सिविल इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-I	3 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-II	3 घंटे	200
	योग	1000

श्रेणी-2—यांत्रिक इंजीनियरी

विषय	अवधि	पूर्णांक
1	2	3
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षा (भाग क: सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख: सामान्य अध्ययन)	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-I	2 घंटे	200
(यांत्रिक) इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-II	2 घंटे	200

1	2	3
खण्ड 2— परम्परागत प्रश्न-पत्र		
योग्यतिक इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-I	3 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-II	3 घंटे	200
	योग	1000
श्रेणी-3— वैद्युत इंजीनियरी		
विषय	अवधि	पूर्णांक
1	2	3
खण्ड 1— वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षा	2 घंटे	200
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी)		
(भाग ख: सामान्य अध्ययन)		
वैद्युत इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-I	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-II	2 घंटे	200
खण्ड 2— परम्परागत प्रश्न-पत्र		
वैद्युत इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-I	3 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-II	3 घंटे	200
	योग	1000
श्रेणी-4— इलैक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी		
विषय	अवधि	पूर्णांक
1	2	3
खण्ड 1— वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षा	2 घंटे	200
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी)		
(भाग ख: सामान्य अध्ययन)		
इलैक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-I	2 घंटे	200
इलैक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-II	2 घंटे	200
खण्ड 2— परम्परागत प्रश्न-पत्र		
इलैक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-I	3 घंटे	200
इलैक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र-II	3 घंटे	200
	योग	1000

टिप्पणी :— उम्मीदवारों को परामर्श दिया जाता है कि वे परम्परागत प्रश्न-पत्रों और वस्तुपरक परीक्षण एवं परीक्षा भवन में

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के उत्तर पत्रक के भरने हेतु संबंधित जानकारी के लिए दिनांक 20 जनवरी, 2007 रोजगार समाचार में प्रकाशित इस परीक्षा के नोटिस के परिशिष्ट 4 में दिए गए “उम्मीदवारों के लिए विशेष निर्देशों” का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें।

3. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवारों की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य समाजिक गुण मानसिक तथा शारीरिक उत्तमता प्रयोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

4. परम्परागत प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएं। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

6. परीक्षा के किसी एक या सभी प्रश्न-पत्रों के लिए न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करने का विवेक अयोग के पास है। परीक्षा की योजना के खण्ड I के वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्र पहले जांचे जाएंगे तथा परीक्षा की योजना के खण्ड-II में दिए गए परम्परागत प्रकार के प्रश्न-पत्र उन्हीं उम्मीदवारों के जांचे जाएंगे जो वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्रों में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. लिखाई खराब होने पर लिखित प्रश्न-पत्र के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को श्रेय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में क्रमबद्ध, प्रभावकारी ढंग की ओर सही है।

10. एस. आई. (SI) इकाइयों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी :— यह भी जरूरी समझा जाएगा उम्मीदवारों को परीक्षा भवन में संदर्भ हेतु भारतीय मानक संस्थान द्वारा संकलित तथा प्रकाशित मीटरी इकाइयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निबन्ध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर भागने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण-पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

12. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों में अंतराल्य रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

परिशिष्ट 1 की अनुसूची

स्तर और पाद्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न-पत्र का स्तर वैसा ही होगा जैसा कि इंजीनियरी विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। अन्य

विषयों के प्रश्न-पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी डिप्लोमा स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय में प्रयोगिक परीक्षा नहीं होगी।

सामान्य योग्यता परीक्षण

भाग (क) सामान्य अंग्रेजी:— अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार को अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन:— सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में सामान्य घटनाओं और ऐसी बार्ताओं की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्प्रिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनको किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्प्रिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे।

सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र 1

1. भवन निर्माण सामग्री :

इमारती लकड़ी: विभिन्न प्रकार की संरचनात्मक इमारती लकड़ी, सघनता नमी सम्बन्ध, विभिन्न दिशाओं में सामर्थ्य, दोष, अनुग्रेय प्रतिबल पर दोषों का प्रभाव, प्रशिक्षण, शुल्क एवं आद्र अपक्षय, डिजाइनों के लिए कोडीय प्रावधान, प्लाईबुड।

ईंटें : किसमें भारतीय मानक वर्गीकरण, अवशोषण, संतप्ति, गंणक, चिनाई की समार्थ्य पर मसाले की सामर्थ्य का प्रभाव।

सीमेंट : विभिन्न प्रकार के मिश्रण, अवस्थापन, काल सामर्थ्य।

सीमाला : मसाले के अवयव, अनुपात, जल मांग, पलस्तर तथा चिनाई का मासाला।

कंक्रीट : जल सीमेंट अनुपात का महत्व, सामर्थ्य, अधिमिश्रण सहित विभिन्न अवयव सकार्यता, सामर्थ्य परीक्षण, प्रत्यास्थता, अविनाशक परीक्षण, मिश्र-अभिकल्पन विधि।

2. ठोस यांत्रिकी :

प्रत्यास्थता नियतांक, प्रतिबल, दिव्विम प्रतिबल का सार वृत्त, विकृति, दिव्विम विकृति, विकृति का मोर वृत्त, संयुक्त प्रतिबल, भंगता सम्बन्धी प्रत्यास्थता सिद्धान्त, साधारण बंधन, अपरूपण पत्तीय और आयताकार खण्ड की एंठन तथा साधारण अवयव।

3. संरचनात्मक विश्लेषण अनिवार्य ढांचों का विश्लेषण :

ग्राफीय विधियों सहित विभिन्न विधियां। अनिवार्य ढांचागत फ्रेमों का विश्लेषण, आधूर्ण बितरण ढाल विक्षेप, दुर्गम्यता तथा बल विधि, उज्जा विधियां, मूलर ब्रेसलों सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग।

अनिवार्य धरनों (बीम्स) तथा साधारण फ्रेमों का परा-प्रत्यास्थ विश्लेषण-आकृति गुणक।

4. इम्पात के ढांचों का अभिकल्पन :

कार्यशील प्रतिबल विधि के सिद्धान्त। संयोजनों का अभिकल्पन,

साधारण अवयव निर्भित खण्ड तथा ढांचे। औद्योगिक ढांचों का अभिकल्पन। चरम भार, अभिकल्पन के सिद्धान्त। साधारण अवयवों तथा ढांचों का अभिकल्पन।

5. कंक्रीट तथा चिनाई ढांचों का अभिकल्पन :

बंकन, अपरूपण, अक्षीय संपीडन और संयुक्त बल के सीमांत अवस्था अभिकल्पन। स्लेबों, धरतों, दीवारों और नींवों के लिए कोडीय प्रावधान। प्रबलित सीमेंट अवयवों के अभिकल्पन की कार्यशील प्रतिबल विधि।

पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट अभिकल्पन के सिद्धान्त, सामग्री, पूर्व प्रतिबल विधि, हानियां। साधारण अवयवों और निर्णय ढांचों की अभिकल्पन। अनिवार्य ढांचों के पूर्व प्रतिबल विधि।

आई. एस. कोडों के अनुसार ईंट चिनाई की अभिकल्पन।

6. निर्माण पद्धति, आयोजना एवं प्रबन्ध :

कंक्रीट उपस्कर :

भार वाले धान मापक, मिक्सर, वाइब्रेटर, धान संयंत्र, कंक्रीट पम्प, क्रोंनें उच्चालक (हास्थट), उत्थापन (लिस्टिंग) उपस्कर।

मृदा कार्य उपस्कर :

बिजली से चलने वाले बेलचे, फावड़े, डोजर, डम्पर, ट्रेलर्स तथा टैक्टर, रोलर्स, शमि फूट रोलर्स, पम्प।

निर्माण, आयोजना तथा प्रबन्ध :

बार चार्ट, संयोजित बार चार्ट, कार्यभंग, संरचनायें, शरारेख क्रियाशीलता। क्रांतिक पथ, प्राथमिकता, सक्रियता अवधि, घटना आधारित नेटवर्क, पी. ई. आर. टी. नेटवर्क, समय लागत अध्ययन, छंस (क्रेसिंग) संसाधन नियतन।

प्रश्न-पत्र 2

1. (क) तरल यांत्रिकी, मुक्तपृष्ठ वाहिका प्रवाह, नलिका प्रवाह :

तरल की विशेषताएं, दाब, प्रणोद, उत्पादकता तरल गतिकी, प्रवाह समीकरणों का समाकलन, प्रवाह मापन, सापेक्ष गति, संवेग का आधूर्ण, विस्कासिता सीमांत परत तथा नियंत्रण, विक्ष, उत्थापक त्रिविम। विश्लेषण, निर्दशन काटरन, प्रवाह दोलन, मुक्तपृष्ठ वहिका प्रवाह में संवेग तथा ऊर्जा सिद्धान्त, प्रवाह नियंत्रण जलोच्चाल, प्रवाह परिच्छेद और विशेषताएं, सामान्य प्रवाह, क्रमशः परिवर्ती प्रवाह, प्रोत्कर्ष नलिका प्रवाह में प्रवाह विकास तथा हानियां मापन; साइफन; प्रोत्कर्ष तथा जलाथात, शक्ति प्रदाय, नलिका नेटवर्क।

(ख) द्रवचालित मशीन और जलशक्ति :

अपकेन्द्री पम्प, किस्में, निष्पादन प्रचल, अनुमापन, समांतर पम्प प्रत्यागामी पम्प वायु भांड, निष्पादन प्राचल, द्रवचालित रेम, द्रवचालित टरबाइन किस्में निष्पादन प्राचल नियंत्रण, वर्यन विद्युत गृह, वर्गीकरण और अभिन्यास भण्डारण, जल संचयन आपूर्ति नियंत्रण।

2. (क) जलविज्ञान :

जल विज्ञानी चक्र, अवक्षेप तथा सम्बन्धित आंकड़ों का विश्लेषण पी.एम.पी. एक तथा सौश्लष्ट जलालेख, वाष्णन और वाष्णोत्सर्जन, बाढ़ एवं उनका प्रबन्ध, पी.एम.एफ., धाराएं एवं उनका

प्रमापन, नदी आकारिकी, बाढ़ की मार्गभिगमन, जलाशयों की क्षमता ।

(ख) जल संसाधन इंजीनियरी :

सर्वाधिक जल संसाधन : जल के बहुउद्देशीय उपयोग, मृदा संयंत्र जल सम्बन्ध, सिंचाई प्रणालियां, जल भागों, मुल्यांकन, भंडारण और उसके लाभ, भूमि जल लाभ और कूप जल इंजीनियरी, जल क्रसन, जल निकास अभिकल्पन, सिंचाई राजस्व, दृढ़ किनारों वाली नहरों का अभिकल्पन, नहर अभिकल्पन के बारे में लेसी तथा कर्षण बल की अवधारणाएं, नहरों की लाइनिंग, नहरों में तलछट परिवहन भारांश्रित बांधों के अनुत्पत्तवी तथा उत्पलावी परिच्छेद और उनका अभिकल्पन, ऊर्जा क्षयकारक और पूच्छजल निर्धारण, मुख्य कमन्ति (हैडवर्क्स), वितरण कार्यों, प्रतापों, पागामी जल विकास निर्माण कार्यों, निर्गम मार्गों का अभिकल्पन, नदी नियंत्रण ।

3. पर्यावरण इंजीनियरी :

(क) जल आपूर्ति इंजीनियरी :

आपूर्ति के स्रोत, प्राप्ति अन्तर्ग्रहियों तथा चालकों का अभिकल्पन, मांग का आंकलन, जल गुणता मानक, जल से उत्पन्न होने वाले रोगों का नियंत्रण, प्रारम्भिक तथा परवर्ती उपचार, एककों का विस्तरण और रख-रखाव, उपचारित जल के परिवहन तथा वितरण की प्रणालियां, क्षरण तथा नियंत्रण, ग्रामी जल आपूर्ति, संस्थागत तथा औद्योगिक जल आपूर्ति ।

(ख) अपशिष्ट जल इंजीनियरी :

शहरों में बरसात के पानी की निकासी, मल जल (सीवेज) के एकत्रीकरण और उसके निपटान की प्रणालियां, सीवरों और मल जल व्यवस्था प्रणाली का अभिकल्पन, पर्याप्त, मल जल की विशेषताएं और इसका उपचार, मल जल उपचार से प्राप्त उत्पादों का निपटान, शीत प्रवाह पुनर्नवीकरण, मल का संस्थागत और औद्योगिक प्रबन्ध, नलकारा प्रणालियां, ग्रामीण एवं उपनगरीय सफाई व्यवस्था ।

(ग) ठोस अपशिष्ट पदार्थ प्रबन्ध :

स्रोत, वर्गीकरण, एकत्रीकरण और निपटान, कल्पा स्थलों का अभिकल्पन और उनका प्रबन्ध ।

(घ) वायु तथा ध्वनि प्रदूषण और परिस्थिति विज्ञान :

वायु प्रदूषण के स्रोत एवं प्रभाव, वायु प्रदूषण पर निगरानी रखना, ध्वनि प्रदूषण एवं मानक पारिस्थितिक शृंखला और संतुलन, पर्यावरण का मूल्यांकन ।

4. (क) मृदा यांत्रिकी :

मृदाओं की विशेषताएं, वर्गीकरण एवं अंतः सम्बन्ध, संहनन व्यवहार, संहनन की विधियां और उनका चयन, विशिष्ट चुम्बकशाला और रिसन, प्रवाह जाल, प्रतिलोमित निस्थयक (फिल्टर), संपीड़यता और संपीड़न, अपरूपण प्रतिरोध, प्रतिबल और भंगत, प्रयोगशालाओं और स्वस्थानों पर मृदा परीक्षण, प्रतिबल पथ और अनुप्रयोग, मृदा दाव सिद्धान्त, मृदा में प्रतिबल वितरण, मृदा अन्वेषण प्रतिदर्श यत्र, भार परीक्षण, अंतवेशन परीक्षण ।

(ख) नींव इंजीनियरी :

नींव के प्रकार, चयन मानदण्ड, बहन क्षमता, निषदन, प्रयोगशाला तथा क्षेत्र परीक्षण, स्थूलों के प्रकार, उनके अभिकल्प, मृदा और अभिविन्यास, प्रसरणशील मृदा पर नींव, प्रसरण और इसकी रोकथाम, प्रसरणशील मृदा पर नींव बनाना ।

5. (क) सर्वेक्षण :

सर्वेक्षणों का वर्गीकरण, पैमाने, परिशुद्धता, दूरियों का मापन-यत्यन एवं परेक्ष पद्धतियां, प्रकाशिक तथा इलेक्ट्रॉनिक युक्तियां, दिशाओं का मापन, समपाश्वीय दिक्सूचक, स्थानीय आकर्षण, थयोडोलाइट— किसमें, कंचाई का मापन—साधनी (स्पिरिट) तथा त्रिकोणमितियां सर्वेक्षण, उभार निरूपण समीच्य— रेखा एवं अंकीय उद्यिक्षेप निदर्शन संकल्पना, त्रिग्रामण तथा चक्रमण द्वारा नियंत्रकों की स्थापना—प्रेक्षणों का मापन और समायोजन, निदेशकों का अभिकल्पन, क्षेत्र सम्बन्धी स्थान विज्ञान, सार्वभौमिक अवस्थानिक प्रणाली की संकल्पना, प्लेन टेबल और फोटोग्राफीटरी द्वारा नक्शे बनाना, मानचित्र बनाना, दूरस्थ संवेदन संकल्पनाएं, नक्शों के विकल्प ।

(ख) परिवहन इंजीनियरी :

महामार्गों की आयोजना, संरक्षण तथा ज्यामितीय अभिकल्प आड़े तथा तिरछे वक्र, ग्रेड पुथकरण, विभिन्न पृष्ठों के लिए निर्माण सामग्री तथा निर्माण पद्धति और उनका रख-रखाव, पेवर्मेट डिजाइन के सिद्धान्त, जलनिकासी ।

आतायात सर्वेक्षण : चौराहे, सिंगल व्यवस्था, व्यापक परिगमन प्रणाली, अभिगम्यता, नेटवर्क तैयार करना, सुरंगें बनाना, सरखण, निर्माण विधियां, गन्दगी का निपटान, जल निकास, प्रकाश व्यवस्था और संवातायन, यातायात नियन्त्रण आपातकालीन प्रबन्ध ।

रेल प्रणाली का आयोजन, गेज, पटरी नियंत्रणों, परिगमन, रोलिंग स्टाक, कर्षण शक्ति तथा रेल मार्गों के आधुनिकीकरण से सम्बद्ध शब्दावली एवं अभिकल्प, रख-रखाव, अनुबद्ध कार्य, डिब्बों की व्यवस्था (कनटवराइजेशन) ।

बंदरगाह— अभिव्यास, नौपरिवहन मार्ग, लंगर डालना, स्थान निर्धारण, अपरदन और निक्षेपण सहित बेलावली परिवहन, गहराई—मापन विधि, शुक्र एवं जल गोदा, विभिन्न अंग और प्रचालन, ज्वारीय अंकड़े एवं उनका विश्लेषण ।

विमान पतन— विन्यास एवं अभिविन्यास, हवाई पट्टी तथा टैक्सी पथ अभिकल्पन एवं जलनिकासी व्यवस्था, मेंडलन नियम, दृष्टिसहायक उपकरण और हवाई यातायात नियंत्रण, हेलीपेड, हेंगर, सेवा (सर्विस) उपस्कर ।

यांत्रिक इंजीनियरी :

(वस्तुपूरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न पत्र-1

क्षमागतिकी, चक्र और आई. सी. इंजन, मूल संकल्पना, संवृत और विकृत तंत्र (क्षमा और कार्य) शून्य कोटि ।

प्रथम तथा द्वितीय नियम, अप्रवाही तथा प्रवाही प्रक्रमों में

अनुप्रयोग/एन्ट्रामी, उपलब्धता, अनुकूलीयता और उत्थागतिक सम्बन्ध। कलपिरान और वास्तविक गैस समीकरण। आदर्श गैसों और वाष्ठों के गुण-धर्म। मानक वाष्ठ, गैस इक्विट तथा प्रशातन चक्र। द्विपद संपीड़ित।

सी. आई. और एस. आई. इंजन। पूर्व ज्वलन, अधिस्फोटन तथा डीजल अवस्फोटन, ईंधन अंतः क्षेपण और कार्बोरेशन, अधिभरण। द्रवी-ग्रोव और राकेट इंजन, इंजन शीतलन, उत्सर्जन तथा नियंत्रण फ्लू गैस विश्लेषण कैलोरी मानों का मापन। पारम्परिक तथा नाभिकीय ईंधन, नाभिकीय विद्युत शक्ति उत्पादन के अवयव।

2. ऊष्मा अन्तरण तथा प्रशीतन और वातानुकूलन ऊष्मा अन्तरण की पद्धतियां। एकविकी अपरिवर्ती तथा परिवर्ती चालन, संयोजित पटिया (स्लैब) तथा तुल्य प्रतिरोध। विस्तरित पृष्ठों से ताप विस्तरण, ऊष्मा विनियमित सबोंग ऊष्मा अन्तरण गुणांक, स्तरीय तथा विक्षुल्य प्रवाहों में तथा मुक्त और प्रशोदित संवहन हेतु ऊष्मा अन्तरण के लिए आनुभविक सहसम्बन्ध, चपटी प्लेट के ऊपर तापीय सीमांत परत। विसरणी तथा संवहनी द्रव्यमान अन्तरण के मूल तत्व। कृष्णिका (ब्लैक ब्राडी) तथा विकिरण की मूल संकल्पनाएं। सवेष्टन सिद्धान्त, आकृति, गुणक, नेटवर्क, विश्लेषण। ऊष्मा पम्प और प्रशोतन चक्र तंत्र प्रशातक। संबनित्र, पार्थित्र तथा यूक्रिया, आर्द्र समिति। चाट तथा वातानुकूलन में अनुप्रयोग, संवेदा, उठमन तथा शीतलन, प्रभावी तापमान, सुखद सूचकांक, भार परिकलन और प्रशीतन नियंत्रण वाहिनी अभिकल्पन।

3. तरल यांत्रिकी

तरलों के गुणधर्म और उनका वर्तीकरण दाबांतरमापनमिति नियमजित पृष्ठों पर बल, दाव का केन्द्र, उत्प्लावकता, प्लावित पिण्डों के स्थायित्व के घटक। शुद्धगतिकी और गतिकी। आघूर्णों तथा असंभीद्य अश्यान, प्रवाह, वेग विभव, नियमजित पिण्डों पर दाब क्षेत्र तथा बल। बरन्हूली समीकरण, पाइपों में से पूर्ण विकसित प्रवाह, दाव पात गणनाएं। प्रवाह दर तथा दाब पात मापन। सीमांत परत सिद्धान्त के अवयव, समाकल उपागम, स्तरीय तथा विक्षुल्य प्रवाह, पृथक्करण। वियर तथा खांचों से प्रवाह, विवृत वाहिका प्रवाह, जलोच्छान। विमाहित संख्याएं विमीय विश्लेषण, समरूपता तथा निदेशन एक विमीय सम-एन्ट्रापी प्रवाह, आभेलंब प्रधात तरंग, अधिसारी उपसारी वाहिनियों में प्रवाह, तियंक प्रधात तरंग, रेले (Raleigh) तथा फेनों (Fanno) रेखाएं।

4. तरल मशीनरी तथा भाष जनित्र

निष्पादन, द्रवचालित पम्प का प्रचालन तथा नियंत्रण और आवेग एवं प्रतिक्रिया टरबाइन, विशिष्ट चालू, वर्गीकरण। ऊर्जा अंतरण, यूग्मन, शक्ति संचरण। भाष जनित्र, अग्निनलिका तथा जल-नलिका बायलर। तुड़ों तथा विसारकों में से भाष प्रवाह आद्रता एवं सघनन। भाष तथा गैस टरबाइनों के विभिन्न प्रकार, वेग आरेख। आशिक प्रवेश। प्रत्यागामी, अपकेन्द्री तथा अक्षीय प्रवाह संपीड़िक, बहुपद संपीड़न, मैक संख्या की भूमिका, पुनः ताप, पुर्णजनन, अधि-नियंत्रण।

प्रश्न पत्र-2

5. मशीनों का सिद्धांत

समतलीय यांत्रिकत्व का शुद्धगतिकी और गतिकी की विश्लेषण क्रम, गियर तथा गियर मालाएं। गतिपालक चक्र, अधिनियंत्रक (गर्वनर्स)। दृढ़, धूर्णकों का संतुलन तथा क्षेत्र संतुलन। एकल तथा बहुसिलिंडर इंजनों का संतुलन। यांत्रिकी तंत्रों का रेखीय कम्पन विश्लेषण, शैफ्टों की क्रांतिक गति और क्रांतिक धूर्णी गति, स्वतः नियंत्रण।

6. मशीनों का अभिकल्पन

जोड़ों का अभिकल्पन: काटर, कुर्जियां, स्प्लाइर्स, बेल्डिंग जोड़, चूड़ीदार बंधक, व्यक्तिकरण आन्त्रायोजन द्वारा निर्मित संधि घर्षण चालन अभिकल्पन: युग्मकं तथा गाम (क्लच), पट्टी-चालन तथा शृंखला चालन, पावर स्क्रू। शक्ति संरचन तंत्र का अभिकल्पन: गियर तथा गियर चाल, शैफ्ट तथा धूरी, तार-रज्जू।

बेयरिंग का अभिकल्पन: द्रवगतिक बेयरिंग तथा रोलिंग एलिमेंट बेयरिंग।

7. द्रव्यों का सामर्थ्य

दो विमाओं में प्रतिबल और विकृति, मुख्य प्रतिबल और विकृति, मोहर निर्माण, रेखीय प्रत्यास्थ पदार्थ, समदशिकता और विषम-दशिकता, प्रतिबल-विकृति सम्बन्ध, एक अक्षीय मारण, तापीय प्रतिबल। घरन: बकन आधूर्ण और अपरूपण: बल आरेख, बकन प्रतिबल और बरन विपेक्ष अपरूपन प्रतिबल वितरण। शैफ्टों का एठन, कुड़लिना सिंगा, संयुक्त प्रतिबल, मोटी व पतली दिवारों वाले दाब पात्र, संपीड़ाग और स्तंभ, विकृति ऊर्जा संकल्पना, सिद्धांत।

8. इंजीनियरी पदार्थ

दोष पदार्थों की संरचना की मूल संकल्पनाएं, क्रिस्टलीय पदार्थ में दोष, प्रिंट्रधातु और द्विअंकी कला आरेख, सामान्य इंजीनियरी पदार्थों की संरचना और गुणधर्म, इस्मात की ऊष्मा उपचार, प्लास्टिक, मृतिका और संयोजित पदार्थ, विभिन्न पदार्थों के सामान्य अनुप्रयोग।

9. उत्पाद इंजीनियरी

धातु प्ररूपण: फोर्जन, कषर्णा और बहिवर्धन के मूल सिद्धांत उच्च ऊर्जा दर प्ररूप, चूर्ण धातुविज्ञान।

धातु ढलाई: उप्पा ढलाई, निवेश ढलाई, कांश गढ़ाई, उपकेन्द्रों ढलाई, गेटिंग एवं आरोही अभिकल्प, गलन भट्टियां।

संवर्चन प्रक्रम: गैस, आर्क, परिस्थित आर्क, बेडन के सिद्धांत, अग्नि बेल्डन प्रक्रम, बेल्डनीयता, बेल्डन के धातुकर्म।

धातु कर्तन: खरादन, पेच उत्पादन की विधियां, बरमाई, बेधन, मिलिंग गियर विनिर्माण, सपाट सतहों का उत्पादन, पेषण और परिष्कृत प्रक्रम। कम्प्यूटर नियंत्रित विनिर्माण पद्धति-सी एन सी, डी एन सी, एफ एम एस, स्वचालन और रोबोटिक्स। कर्तन औजार पदार्थ, औजार ज्यामिति, औजार निवर्षण क्रियाविधि, औजार आयु और मशीनन सुकरता, कर्तन बलों का मापन। मशीनन का आर्थिक विवेचन। अपरंपरागत मशीनन प्रक्रम, जिग्स और अन्वायुक्तियां अन्वायोजन और सहिष्णुता, पृष्ठ गठन का मापन, तुलनित्र, मशीनी औजारों का सरेखण, और पुनर्नवीनयन।

10. औद्योगिक इंजीनियरी :

उत्पादन योजन और नियंत्रण : पूर्यानुगान—गतिमान, भाष्य, चरधातांकी मसूरीकरण, संक्रिया अनुसूचना, संस्कार्योजन रेखा संतुलन, उत्पादन विकास, संतुलन स्तर विश्लेषण, धारिता योजन, पर्ट और सी. पी.एम.।

नियंत्रण संक्रिया : माल सूची नियंत्रण-ए.बी.सी. विश्लेषण ई. ओ.व्यू. निर्दश, पदार्थ आवश्यकता योजन कृत्यक अभिकरण, कृत्यक मानक, कार्य मापन, गुणवत्ता प्रबंध—गुणवत्त विश्लेषण और नियंत्रण।

संक्रिया अनुसंधान : रेखीय प्रोग्रामन—ग्राफीय और सिम्प्लैक्स विधिया, परिवहन और समनुदेशन निर्दश, एक सर्वर पर्वित निर्दश।

मूल्य इंजीनियरी: लागत/लागत मूल्य के लिए मूल्य विश्लेषण।

11. अभिकल्पन (कम्प्यूटर) संगठन, प्रवाह संचित्रण, सामान्य कम्प्यूटर भाषाओं—फोटोन, डी-बेस 3, लैटोस 1-2-3, सी के अभिलक्षण और प्रारम्भिक कमादेशन (प्रोग्रामन)।

विद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र 1

1. विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत :

विद्युत तथा चुम्बकीय क्षेत्र। गाउस नियम और एम्पियर नियम पराविद्युत चालक तथा चुम्बकीय पदार्थों में विद्युत क्षेत्र। मेक्सवेल समीकरण। समय परिवर्ती क्षेत्र, परावैद्युत तथा चालक माध्यम में समतल तरंग। संचरण लाइनें।

2. विद्युत पदार्थ

बैंड सिद्धांत। चालक, सामि-चालक और विद्युत रोधक। अतिचालकात। विद्युत तथा इलैक्ट्रोनिक अनुप्रयोग के लिए विद्युत रोधक। चुम्बकीय पदार्थ। लौह और लघु चुम्बकत्व मृत्तिका गुणधर्म और अनुप्रयोग। हाल प्रभाव इसके अनुप्रयोग। विशेष सामिचालक।

3. विद्युत परिपथ

परिपथ अवयव। किरचाफ-नियम। वाश और बिस्पंद विश्लेषण जाल (नेटवर्क) सिद्धांत और अनुप्रयोग। प्राकृतिक अनुक्रिया बलकृत अनुक्रिया। यादृच्छिक निवेशों के लिए क्षणिक अनुक्रिया और स्थायीदशा अनुक्रिया। ध्रुवों और शून्यों से संबंधित जाल के गुणधर्म। अतिरित फलन। अनुनाद परिपथ। त्रिकला परिपथ। दिव-द्वार जाल। हिव-अवयव जाल। संश्लेषण के अवयव।

4. मापन और मापयंत्र

मात्रक और मानक। त्रुटि विश्लेषण। धारा, बोल्टता, विद्युत-शक्ति, विद्युत-शक्ति गुणक और ऊर्जामापन। सूचक माप यंत्र। प्रतिरोध, प्रेरकत्व, धारिता और आवृत्ति मापन। सेतु मापन। इलैक्ट्रोनिक माप यंत्र/अंकीय बसेल्टमीटर और आवृत्ति गणित। पारांतरित और ताप, दाब, प्रवाह-दर विस्थापन, त्वरण, रव-स्तर आदि जैसी गैर-विद्युत राशियों के माप में उनका अनुप्रयोग। अंकड़े प्राप्त करने की पद्धति। अनुरूप अंकीय और अंकीय अनुरूप रूपांतरित।

5. नियंत्रण तंत्र

भौतिक तंत्रों का गणितीय निर्दशन/खण्ड आरेख और संकेत प्रवाह आरेख और उनका समावयन/रेखीय गतिक तंत्र का समय

प्रक्षेत्र और आवृति प्रक्षेत्र विश्लेषण/पुनः निवेश तंत्रों के लिए विभिन्न किस्म के निवेश और स्थायित्व निकर्ष के लिए त्रुटियां/रात्रध-हरविटज आवृह, नाइकिवस्ट आलेख और बोर्ड आलेह का प्रयोग करते हुए स्थायित्व विश्लेषण/मूल बिन्दुपथ और निकाल चाट तथा लब्ध और कला उंपात का आकलन/प्रतिकारक अभिकल्प की मूल संकल्पना/अवस्था परिवर्ती आवृह तथा तंत्र निदेशन और अभिकल्प में उसका प्रयोग/प्रतिपथित दत्त तंत्र और त्रुटि सरणी में प्रतिदर्श के साथ ऐसे तंत्रों का निष्पादन/प्रतिपथित दत्त तंत्र का स्थायित्व/अरेखीय नियंत्रण विश्लेषण के अवयव/नियंत्रण तंत्र घटक, विद्युत यात्रिक, स्वचालित, वायुचालित घटक।

प्रश्न-पत्र 2

1. विद्युत चंप्र तथा विद्युत परिणामित्र (पावर ट्रांसफार्मर्स) :

चुम्बकीय परिपथ-विद्युत परिणामित्रों का विश्लेषण तथा अभिकल्पन/निर्माण तथा परीक्षण/तुल्य परिपथ, हानियां तथा दक्षता/नियंत्रण/स्वपरिणामित्र/त्रिकला परिणामित्र समांतर धर्णी यंत्रों की मूल संकल्पनाएं/विद्युतवाहक बल (ई.एम.एफ.) बल-आधरण, यंत्रों की कल/किस्में/निर्माण तथा प्रचालन, क्षरण हानियां तथा दक्षता।

दि. घा. यंत्र निर्माण/उत्तेजन की विधियां/परिपथ प्रतिरूप/आमेचर प्रतिक्रिया तथा दिक्परिवर्तन/अभिलक्षण तथा निष्पादन विश्लेषण/जनित्र तथा मोटरें/प्रवर्तन तथा चाल नियंत्रण/परीक्षण/हानियां तथा दक्षता/तुल्यकालिक यंत्र/निर्माण/परिपथ निर्दश/प्रचालन अभिलक्षण तथा निष्पादन विश्लेषण/तुल्यकालिक प्रतिधाता/दक्षता/बोल्टता नियंत्रण समनुत ध्रुव यंत्र/संमांतर प्रचालन/चाल दोलन/लघु परिपथ क्षणिकाएं/प्रेरण यंत्र/निर्माण/प्रचालन के सिद्धांत धर्णी क्षेत्र/अभिलक्षण तथा निष्पादन विश्लेषण/परिपथ निर्दश का निर्धारण/वृत्त आरेख/प्रवर्तन तथा चाल नियंत्रण/भिन्नात्मक कि. वा. मोटरें/एकल प्रावस्था तुल्यकालिक तथा प्रेरण मोटरें।

2. विद्युत तंत्र

विद्युत केन्द्रों की किस्में/जल, तापीय तथा जैविकीय विद्युत केन्द्र/परिपत संचयन संयंत्र/आर्थिक और प्रचालन उपादान।

विद्युत संचरण लाइनें/निर्दशन तथा निष्पादन अभिलक्षण/बोल्टता नियंत्रण/भार प्रवाह अध्ययन/हिष्टतम विद्युत तंत्र प्रचालन/भार आवृति नियंत्रण/सामान्यता लघु परिपथ विश्लेषण/जेड-बस सूचीकरण/सममित घटक/प्रति इकाई निरूपण/दोष विश्लेषण/विद्युत तंत्रों का क्षणिक तथा स्थायी दशा स्थायित्व।

विद्युत तंत्र क्षणिकाएं/विद्युत तंत्र सुरक्षा परिपथ विधोजक/रिले/उच्च बोल्टता दिष्ट धारा (एस बी डी सी) संचरण।

3. अनुरूप और अंकीय इलैक्ट्रोनिकी तथा परिपथ

सामि चालक युक्त भौतिकीय/पी एन सौध तथा ट्रांजिस्टर/परिपथ निर्दश तथा प्राचलक/एफ ई टी, जीनर, टनल, शाटकी, फोटो डायोड तथा उनके अनुप्रयोग/हिष्टकारी परिपथ बोल्टता नियंत्रक तथा बोल्टता परिवर्धक/डायोड तथा ट्रांजिस्टरों का स्विच, ऑचरण/लघु संकेत प्रवर्धक/अभिनीत परिपथ/आवृत्ति अनुक्रिया तथा उसमें सुधार/बहुपद प्रवर्धक तथा पुनः निवेशन प्रवर्धक संक्रियात्मक प्रवर्धक दि. घा. प्रवर्धक दोलित्रा बहुत संकेत प्रवर्धक/युग्मन विधियां/दाब-कर्बण प्रवर्धक/संक्रियात्मक प्रवर्धक, तरंग रूपण परिपथ बहुक्षित्र तथा

फिल्प-फ्लाप और उनके अनुप्रयोग/अंकीय तर्क द्वारा कल/सावर्तिकद्वारा अंकगणितीय तथा तर्क संक्रिया के लिए संयुक्त परिपथ/अनुक्रमिक तर्क परिपथ/गणित, पर्जियां (रजिस्टर्स) यादृच्छित अभिगम स्मृति (आर. ए. एम.) तथा केवल पठन स्मृति (आर.ओ.एम.)।

4. सूक्ष्म संसाधित्र (माईक्रोप्रोसेसर)

सूक्ष्म संसाधित्र वास्तुकला—अनुदेश समुच्च तथा एकल कोडांतरण भाषा क्रमादेशन/स्मृति के लिए अंतर्राष्ट्रीयकरण तथा आदेशसूचक संक्रिया/विद्युत तंत्र में सूक्ष्म संसाधित्र के अनुप्रयोग।

5. संचार तंत्र

माडुलन के प्रकार, ए.एम.एफ. एम. तथा पी. एम.विभाइलक/रब तथा बैंड चौड़ाई का विवेचन/अंकीय संचार तंत्र/स्पंद कोड माडुलन तथा विमाडुलन/ध्वनि तथा दृष्टि प्रसारण के घटक/आवृति विभाजन और काल विभाजन बहुसंकेतन/विद्युत इंजीनियरी में दूरमिति प्रणाली।

6. विद्युत-शक्ति (पावर) इलैक्ट्रॉनिकी

विद्युत-शक्ति समिचालक युक्तियां/थाईरिस्टर/विद्युत-शक्ति ट्रांजिस्टर, जी.टी.ओ. तथा एम.ओ.एस.एफ.इ.टी/अभिलक्षण तथा प्रचालन/प्रत्यावर्ती धारा (ए.सी.) से दिष्ट धारा (डी.सी.) परिवर्तक, एक कला और ट्रिकल्न दिष्ट धारा (डी.सी.) से दिष्ट धारा (डी.सी.) परिवर्तक/प्रत्यावर्ती धारा (ए.सी.) (नियंत्रक/थाईरिस्टर नियंत्रित प्रतिधातक/स्विच संचारित चाल।

प्रदीयक, एकल कला तथा त्रिकलास्पंद चौड़ा, माडुलन/समान प्रतिवर्यन सहित जावकीय माडुलेन/स्विच विद्या विद्युत प्रदाय।

इलैक्ट्रॉनिकी एवं दूर संचार इंजीनियरी

(वास्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र 1

1. पदार्थ एवं घटक

विद्युत इंजीनियरी पदार्थों की संरचना एवं गुणधर्म, चालक समिचालक और विद्युतरोधक, चुम्बकीय, लोह, विद्युत, दाब विद्युत, मतिका, प्रकाशिक और अतिचालक पदार्थ/नियंत्रिय घटक और अभिलक्षण/प्रतिरोधक, संधारित्र, और प्रेरक फैशिलिट क्वार्टर्ज क्रिस्टल, मतिका अनुनादक, विद्युत चुम्बकीय और विद्युत यांत्रिक घटक।

2. भौतिकी इलैक्ट्रॉनिकी, इलैक्ट्रॉन युक्तियां और एकीकृत परिपथ (आई. सी.)

सामिचालकों में इलैक्ट्रॉन और होल, वाहक सार्चियकी, सामिचालक से धारा प्रवाह की क्रियाविधि, हाल प्राव संधि (जंक्शन) सिद्धांत, विभिन्न प्रकार के डायोड एवं उनके अविलक्षण द्विधुवी (वायोपोलर) संधि ट्रांजिस्टर, क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर एस. सी. आर, सी.टी.ओ. और पावर मासफेट जैसा पावर स्विचन युक्तियां, द्विधुवी, मोस और सी-मोस किस्म के एकीकृत परिपथों का आधारभूत ज्ञान, प्रकाश-इलैक्ट्रॉनिकी का आधार-भूत ज्ञान।

3. संकेत एवं तंत्र

संकेतों एवं तंत्रों का वर्गीकरण, अवकल एवं अन्तर सीमकरणों के आधार पर तंत्र-निर्दर्शन, अवस्था पर निरूपण, फोरिए श्रेणी फोरिए समांतर और तंत्र विश्लेषण में उनका अनुप्रयोग लाप्लास

रूपान्तर और तंत्र विश्लेषण में उनका अनुप्रयोग, संचालन एवं अध्यारोपण स्माकल और उनका अनुप्रयोग Z-रूपान्तर और विविक्त काल प्रणाली के विश्लेषण और अभिलक्षणों में उनका अनुप्रयोग, यादृच्छिक संकेत तथा प्रायिकता, सहसंबंध फलन, स्पेक्ट्रमी घनत्व यादृच्छिक निवेशों के प्रति रैखिक तंत्र की अनुक्रिया।

4. जाल (नेटवर्क सिद्धांत)

जाल विश्लेषण तकनीक, विभिन्न जाल सिद्धांत, क्षणिक अनुक्रिया, स्थायी अवस्था ज्यावकीय अनुक्रिया, विभिन्न जाल आलेख और जाल विश्लेषण में उनका अनुप्रयोग/टेलीजेन-सिद्धांत/ट्रिवधार जाल (Two Parts Net Works), : Zyh और संचरण प्रचाल ट्रिवधारों का संयोजन सामान्य दिव द्वारा का विश्लेषण। विभिन्न जाल फलन व जाल फलनों के भाग, दिए गए भाग से जाल फलन प्राप्त करना। संचरण निष्कर्ष : विलंब और उन्नयन काल, एलमोर की ओर अन्य परिभाषाएं, सोपानी प्रभाव/जाल संश्लेषण के अवयव।

5. विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत

स्थिर विद्युत तथा चुम्बकीय स्थिर क्षेत्रों का विश्लेषण : लाप्लास प्यासों की समीकरण, सीमांत मूल्य समस्याएं और उनका समाधान मेक्सवेल-समीकरण : परिबद्ध तथा अपरिबद्ध माध्यम में तरंग संचरण के लिए अनुप्रयोग, संचरण लाईनों के मूल सिद्धांत, आगामी तरंग, प्रतिरूपी अनुप्रयोग, सूक्ष्मपटटी लाईनों/तरंग पथकों और अनुवादकों का पूलभूत ज्ञान, ऐन्टेना सिद्धांत के अवयव।

6. इलैक्ट्रॉनिक मापन और मापयंत्रण

मूल संकल्पना, मानक और नुटि विश्लेषण, मूल विद्युत राशियों और प्राचलों का मापन; इलैक्ट्रॉनिक माप यंत्र तथा उनकी कार्य प्रणाली के सिद्धांत : अनुरूप और अंकीय तुलना अभिलक्षण और अनुप्रयोग/ट्रांसड्यूसर्स : आप, दाब; आर्द्रता आदि जैसी गैर-विद्युत राशियों का इलैक्ट्रॉनिक मापन ; औद्योगिक उपयोग के लिए दूरमिति का मूलभूत ज्ञान।

प्रश्न-पत्र 2

1. अनुरूप इलैक्ट्रॉनिकी परिपथ

ट्रांजिस्टर अभिनतिकरण और स्थायीकरण/लघु संकेत विश्लेषण/शक्ति प्रवर्धक/आवृत्ति अनुक्रिया/विस्तृत बैंड तकनीक/पुनर्भरण (फाईडबैक) प्रवर्धक/समस्वरित प्रवर्धक/दोलित्र दिष्टकारी और विद्युत प्रदाय। ओ.पी.एस्स., पी.एल.एल. (O.P. Amp., P.L.L.), अन्य रैखिक एकीकृत परिपथ और उनके अनुप्रयोग/स्पंद आकृति संशधक परिपथ और तरंगरूप जनित्र।

2. अंकीय इलैक्ट्रॉनिकी परिपथ

स्विचन अवयव के रूप में ट्रांजिस्टर, बूलीय बीज गणित, बूलीय फलनों का सरलीकरण/कारनाफ प्रतिचित्र और अनुप्रयोग; विभिन्न एकीकृत परिपथ (आई.सी.) तर्क द्वारा और उनके अभिलक्षण; एकीकृत परिपथ तर्क परिवार; डीटीएल, टी.टी.एल, सी.एल, एन.मॉस (N MOS) पी.मॉस (P MOS) और सी.मॉस (CMOS) द्वार और उनकी तुलना; संयुक्त तर्क परिपथ; अर्धयोजक, पूर्ण योजक; अंकीय तुलनीव, बहुसंकेतक (मल्टी प्लोक्सर) विबहुसंकेतक (डिमल्टी प्लोक्सर), केवल पठन स्मृति (आर ओ एम) और उनका अनुप्रयोग/विभिन्न फिलप फ्लाप र.स. ई.के. डी और टी.फ्लिप/फ्लाप

विभिन्न प्रकार के गणित और पंजियां/तरंग रूप जनित्र/अनुरूप-अंकीय और अंक-अनुरूप परिवर्तक/सामिचालक स्मृतियां।

3. नियंत्रण तंत्र

नियंत्रण तंत्रों की क्षणिक और स्थाई अवस्था अनुक्रिया; स्थायित्व और संवेदनशीलता पर पुनर्भरण का प्रभाव, मूल विन्दुपथ तकनीक, आवृत्ति अनुक्रिया विश्लेषण लाभिक और प्रावस्था उपांत की संकल्पनाएं, अवर-एम और अचुर-एन निकेल-चार्ट, अचुर-एन निकेल चार्ट के क्षणिक अनुक्रिया का सन्निकटन; संबंध पाश आवृत्ति अनुक्रिया से क्षणिक अनुक्रिया का सन्निकटन; नियंत्रण तंत्रों का अधिकल्पन, प्रतिकारित औच्चोगिक नियंत्रक।

4. संचार तंत्र

आधारभूत सूचना सिद्धांत अनुरूप और तंकीय तंत्रों मान्दुलन और संसूचन प्रतिचयन और पुनर्निर्माण। क्वांक टमीकरण और कूटलेखन, काल विभाजन और आवृत विभाजन बहुसंकेतक, समकरण मुक्त आकाश और तंतु प्रकाशिकीय में प्रकाशक संचार, उच्च आवृत्ति, अति उच्च आवृत्ति, परा आवृत्ति और सूक्ष्मतरंग आवृत्ति पर संकेतों का संचरण; उपग्रह संचार।

5. सूक्ष्मतरंग इंजीनियरी

सूक्ष्मतरंग नलिंकाएं और ठोस अवस्था युक्तियां, सूक्ष्मतरंग जनन और प्रबर्धक, तरंग पथक और अन्य सूक्ष्मतरंग घटक और परिपथ, सूक्ष्मपट्टी परिपथ, सूक्ष्मतरंग ऐन्जेन, सूक्ष्मतरंग मापन, मेजर (MASERS) लेजर सूक्ष्मतरंग संचरण पार्थिव और उपग्रह आधारित सूक्ष्मतरंग संचार तंत्र।

6. कम्प्यूटर इंजीनियरी

संख्या पद्धति, आंकड़ा-निरूपण, क्रमादेशन, उच्च स्तर क्रमादेश भाषा पास्कल/ओ (PASCAL/O) के अवयव आधारभूत आंकड़ा संरचनाओं का प्रयोग। कम्प्यूटर वास्तुकला के मूल अवयव। संसाधित अधिकल्पन : नियंत्रण एकक अधिकल्पन, स्मृति संगठन, निवेश/निर्गम तंत्र संगठन, सूक्ष्मसंसाधित्र (माइक्रोप्रोसेसर) सूक्ष्म संसाधित्र (माइक्रोप्रोसेसर), 8085 और 8086 की वास्तुकला और अनुदेश (समुच्चय, कोडांतरण भाषा क्रमादेशन, सूक्ष्मसंसाधित्र (माइक्रोप्रोसेसर), आधारित तंत्र अधिकल्प : प्रतिरूपी उदाहरण। वैयक्तिक कम्प्यूटर और उनके प्रतिरूपी प्रयोग।

परिशिष्ट-2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। वे विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) का मार्ग-निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों के द्वारा स्वास्थ्य घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित भानक के अनुसार स्वास्थ्य न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार की यह

अनुसंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है, और इसमें सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

नोट :—चिकित्सा बोर्ड शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आवश्यक पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की डॉक्टरी परीक्षा करते समय अशक्तता ग्रस्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण) प्रतिभागिता अधिनियम, 1995 के संगत प्रवधानों को, जिसमें अनुज्ञय शारीरिक विकलांगता की सीमा परिभाषित की गई है, ध्यान में रखेगा।

2. (क) भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

2. (ख) नियुक्ति के लिए स्वस्थ उहराया जाने के लिए यह चुरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में जाधा पड़ने की संभावना हो।

3. (क) भारतीय (एंगलोइण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवार की आयु, कद और छाती के धेरों को परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के कृपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों को परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझें, व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के धेरों में विषमता हो तो जाँच के लिए उम्मीदवारों को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्सरे लेना चाहिए। ऐसे करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा। फिर भी, केवल उन उम्मीदवारों की छाती का एक्सरे किया जाएगा जिन्हें चिकित्सा परीक्षण के भाग-II के लिए मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए जाएंगे।

3. (ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के धेरों के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उत्तरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का धेरा	फैलाव
	1	2	3
स्ल इंजीनियरी सेवा (सिविल विद्युत यांत्रिक और सिग्नल)			
के. लो. नि. वि. में केन्द्रीय इंजीनियर सेवा ग्रुप 'क' केन्द्रीय इंजीनियर सेवा (सड़क) तथा केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'			
सैनिक इंजीनियरी सेवा और केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा			
(क) पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152	84	5
सें. मी.		सें. मी.	सें. मी.
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिए	150	79	5
सें. मी.		सें. मी.	सें. मी.

अनुसूचित जनजातियों और उन जातियों जैसे गोरखा, गढ़वाली, अंसमिया, नागालैण्ड के अदिवासियों आदि जिनका औसत कद स्पष्टः ही कम होता है के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

3. (ग) सेवा इंजीनियरी सेवाओं और भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप 'क' के लिए छाती के नाम में कम से कम 5 सें. मी. के फैलाव की गुंजाइश रखनी होगी।

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा:—

वह अपने जूते उतार देगा और मापदण्ड (स्टैण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका बजन स्थिर एड़ियों के पांवों के अंगूठों या किसी ओर हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ द हैड लेबल) हारिजेन्टल बार (आड़ी छड़ि) के नीचे आए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटर में मापा जाएगा।

5. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों, फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्नकोणों (इन्फीरियर एंगल्स) के पीछे लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेन्टल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उहाँ शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती को अधिक से अधिक फैलाव परं सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 83-89, 86-93.5 आदि माप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटी मीटर से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान दें :— अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापी जानी चाहिए।

6. उम्मीदवार का बजन भी किया जाएगा और उसका बजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा। आधा किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा:—

(1) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी सरेचनाओं (काटिगुअस्स और कूच्चर्स) को कोई ऐसा रोग जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि—तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी) — दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की

नजर के लिए दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नैकेड आई विजन) की कोई अधिकतम सीमा (मैक्सीमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु उम्मीदवारों की चश्मे के बिना आंखों की नजर प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल अधिकारी द्वारा रिकार्ड की जाएगी। क्योंकि इसमें आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा:—

सेवाएं	दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि		
		अच्छी	अच्छी	अच्छी
आंख	आंख	आंख	आंख	आंख
सही	सही	सही	सही	सही
दृष्टि	दृष्टि	दृष्टि	दृष्टि	दृष्टि
1	2	3	4	5
क. तकनीकी				
1. रेल इंजीनियरी	6/6	6/12	जे/I	जे/II
सेवाएं (सिविल; विद्युत तथा यांत्रिकी और सिग्नल)	6/9	6/9	अथवा	
2. केन्द्रीय इंजीनियरी	6/6	6/12	जे/I	जे/II
सेवा ग्रुप 'क', केन्द्रीय विद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क', केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क', केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप 'क', इंजीनियरी ग्रुप 'क', डब्ल्यू. पी. एण्ड सी. स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन तथा भारतीय नौ सेना आयुध सेवा, भारतीय नौसेना भंडार अधिकारी भारतीय आयुधशाला सेवा ग्रुप 'क' सहायक कार्यपालक इंजीनियरी ग्रुप 'क' ई. एम. ई. कोर रक्षा मंत्रालय, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा	अथवा			

1	2	3	4	5
3. सेवा इंजीनियरी 6 सेवा ग्रुप 'क'	6/8	8/18	जे/।	जे/॥
ख. गैर तकनीकी				
4. भारतीय रेल भंडार सेवा तथा भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिकी इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'	6/9	6/12	जे/।	जे/॥

टिप्पणी (1) : (क) उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबन्ध में मायोपिया (सिलैण्डर सहित) का कुल परिणाम - 4.00 डी. से अधिक नहीं होगा । हाइपर मैट्रेपिया (सिलैण्डर) का कुल परिणाम + 4.00 डी. से अधिक नहीं होगा । किन्तु शर्त यह है कि "तकनीकी" रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन सेवाओं के अलावा) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं को उम्मीदवार यदि हाई मायोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नेत्र विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मायोपिया रोगात्मक है या कि नहीं । यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि संबंधी अपेक्षाएं पूरी कर दे ।

(ख) मायोपिया पण्डिस के प्रक्रेक मामलों में जांच करनी चाहिए और उसके नतीजे को रिकार्ड किया जाना चाहिए । यदि उम्मीदवार की रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने की और उसे उम्मीदवार की कार्बकुशलता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए ।

(ग) रेलवे तकनीकी सेवा (सिविल, यांत्रिक, वैद्युत, इलैक्ट्रॉनिकी में नियुक्त हेतु रीडियल केरेटोटोमी/लोजर सुधार आदि अयोग्यता मानी जाएगी । निर्धारित दृष्टि मानदण्डों के अनुरूप केवल चश्मा ही अनुमत सुधार है ।)

टिप्पणी (2) : उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में वर्ण दर्शन की जांच अनिवार्य होगी ।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण-अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लैप्टॉप में द्वारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हो :-

ग्रेड	वर्ण-अवगम वर्ण-अवगम का उच्चतर का निम्नतर	ग्रेड	ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16'	16'	
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3	1.3	मि. मीटर
3. दिखाने का समय	5 सैकेण्ड	5 सैकेण्ड	

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल, वैद्युत, सिग्नल और यांत्रिक) और रेल सुरक्षा संबंधित अन्य सेवाओं के लिए नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना

जाना चाहिए :-

सेवाओं/पदों के बारे जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है, नीचे दिए जा रहे हैं :-

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्चतर ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :-

- (1) रेल इंजीनियरी सेवा ।
- (2) भारतीय रक्षा इंजीनियरिंग सेवा (आई. डी. एस. ई.) ।
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सङ्क) ।
- (4) सीमा सङ्क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' ।
- (5) सहायक कार्यपालक इंजीनियरी ग्रुप "क" ई. एम. ई. कोर, रक्षा मंत्रालय ।
- (6) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप "क"

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्नतर ग्रुप का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :-

- (1) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ।
- (2) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ।
- (3) भारतीय नौसेना आयुध सेवा ।
- (4) भारतीय नौसेना भंडार अधिकारी ।
- (5) भारतीय आयुध कारखाना सेवा ।
- (6) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा ।
- (7) इंजीनियरी ग्रुप "क" बेतार आयोजन और समन्वय स्कॉल/अनुश्रवण संगठन ।
- (8) भारतीय भू विज्ञान सर्वेक्षण के यांत्रिकी इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप "क" सेवा ।

लाल, हरे और पीले रंग के संकेत को आसानी से और बिना हिचकिचाहट के पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है । वर्ण दर्शन की जांच हेतु अच्छे प्रकाश में दिखाई गई इशिहारा प्लेटों तथा एक उपर्युक्त लालटेन यथा एडरिज ग्रीन की लालटेन का प्रयोग पूर्ण विश्वसनीय माना जाएगा । तकनीकी सेवाओं में नियुक्त हेतु उम्मीदवारों के वर्ण दर्शन के परीक्षण के लिए इशिहारा की प्लेटों तथा एडरिज ग्रीन की लालटेन दोनों का प्रयोग किया जाएगा ।

टिप्पणी (3)

दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विज्न)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी । जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र की परिषिक्षण (पैरामीटर) पर अधारित किया जाना चाहिए ।

टिप्पणी (4)

रत्नैधी (नाइट ब्लाइंडनैस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रत्नैधी की जांच नेमा के रूप में जरूरी नहीं है । रत्नैधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड निश्चित नहीं है । मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अन्दर कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवाकर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना । उम्मीदवार के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार कर किया जाना चाहिए ।

टिप्पणी (5)

केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा- केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (राइक) हेतु उम्मीदवार की नियितता जोड़ द्वारा जरूरी समझ जाने पर अर्थात् दर्शन और रस्तोंधी संभवी परीक्षण प्राप्त करना होगा । भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप “क” के लिए उम्मीदवार को “त्रिविम सगलल” परीक्षण प्राप्त करना होगा ।

टिक्कणी (६)

दृष्टि जी दीक्षिणा ये शिव अंतर को दर्शाए (आक्षुभ्र कण्डीरण) :

(क) अंग्रेजों द्वारा संविधान दीपती की बढ़ती हुई अपवर्तन शैली (प्रैलैनिंग) का, जिसके परिणामस्वरूप द्वितीय लोड तीव्रता तक दो कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण तक पहुँचना चाहिए।

(ख) भौगोपन - विवरण: भारतीय संवार्ता में द्वितीयों की (वाइनोवाइन) रूपरूप का नाम अनिवार्य है। यदि दूसरी वर्गी तीव्रताप्राप्ति अवधि के नेत्रमें निर्भासित भारतीय की है तो उसे भौगोपन (वाइनोवाइनिटी के अभाव में) ऐसा भौगोपन कहे अर्थात् वाइन कहिए। यदि दूसरी की विशेषता निर्भासित भारतीय की है तो भौगोपन को है- तकनीकी भौगोपन लिए जायेंगे नहीं वास्तव जाहिर है।

(ग) यदि कोई एक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार है या उसकी एक अंतर्राष्ट्रीय व्यापारी है तथा उसकी अधिक और दृष्टिकोण से उसका एक उपयोग है तो इसका सहज व्यापार यह होता है कि विवरण अवगम के लिए उनके व्यापार व्यापार की जरूरी है। कई गैर-तकनीकी पदों के लिए इन व्यापार की जरूरी नहीं है।

चिकित्सा वाई गैर व्यक्तियों के स्वरूप होने की अनुशंसा गैर तदनुर्की पद्धति के द्वारा कर सकता है, बशर्ते कि उसका समान अंति :

(1) क) उसमें लगाकर या उसमें के बिना दूर दृष्टि
का और निकट दृष्टि जे/। जो वर्षाते कि किसीर्स
संविद्यालय में दूर दृष्टि संबंधी दाप्त .4 डायोप्ट्र
में अधिक हो।

(2) आ इस्ट ऑव पर्ण हो ।

(३) अनुवादकतानसार सामान्य वर्ण दर्शन ।

दिनांक चोड़ संतुष्ट हो कि उम्मीदवार संर्भगत कार्ड विशेष मंचनीयत सभी कार्बाई कर सकते हैं।

“हक्कीनीकी” के रूप में वर्गीकृत पदों/संवाऽं के दम्भोत्तरात् के लिए दृष्टि की तीक्ष्णता का शिथिल
भिन्ना उपर्युक्त मानक लागू नहीं होगा ।

टिप्पणी (7)

कार्टेचट लैंग-फ्रिक्टमा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को आर्टेचट लैंग प्रश्नों का उत्तर भर्नी की जानी चाहिए।

દિલ્લી (8)

यह आवश्यक है कि आंखों का परीक्षण करते समय दूर दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों को प्रदर्शित । ५ फुट कण्डल की प्रदीप्ति जैसी हो।

टिप्पणी (९)

सरकार किसी भी उभ्योदवार के पक्ष में विशेष कारण से किसी भी शर्त में छूट दे सकती है।

8. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रैशर के संबंध में बोर्ड अपने विवेक से काम लेगा । नार्मल, मैक्रिस्म मिस्ट्रिलिक प्रैशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :-

(1) 15 से 25 वर्ष के युवा लोकोंमें औपचारिक ब्लड प्रैशन लक्षण 100% आयु होता है।

(2) 25 में आप की भावुकताएं वर्णित हों में अद्वितीयता के अनुकूल में हैं। यह आपका सामान्य विविधमें विश्वास करने वाले व्यक्ति का है।

विशेष ध्यान- 1. यामाल विषय के रूप में 140 एम.एम. मेरे द्वारा मिस्टर्सिलिक ऐश्वर और 100 एम.एम. मेरे द्वारा डायमन्डिलिक प्रैशर को सम्बिध मान लेना चाहिए, तो उम्मीदवार को अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी याय देने गे पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह यता लगता चाहिए कि घबराहट (एक्सइमेंट) आदि के कारण इलाज प्रैशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई (आर्गेन्क) वीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्सप्रेस और इटीक्स्ट्राक्टार्डियोप्राकी जांच और रक्त यूरिया निकास (किल्यैंस) की जांच भी नेपी नौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने पर या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मैंडिकल बोर्ड ही करेगा।

2. ब्लड प्रैशर (रक्त दाख) नापने का तरीका :

नियमित पारे वाले दायमारी (मरकारी मैनोर्माट) किस्म का उपकरण (इन्व्यूट्रमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए । किसी किस्म का व्यायाम या घबराहट के बाद 15 मिनट तक रुक्त दाय नहीं लेना चाहिए । रोगी बैठा या लैटा हो बशर्ते कि यह और विशेषकर उसकी बांह शिथल और आराम में हो । बांह थोड़ी बहुत हारिजेनटल स्थिति में रोगी के पार्श्व हो तथा उसके कम्बे तक कपड़ा उतार देना चाहिए । कफ में से पूरी तरह हवा निकाला कर बीच की रखड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख दें और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से, एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए । इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई डिस्ट्रा फल कर दायर को न निकले ।

कोहनी के मोड़ पर बांह धमनी (ब्राकिअल आर्टरी) को दबा दबा कर ढूँढ़ा जाता है तब उसके ऊपर बीच-बीच स्टेस्थ्रकोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में जगभग 200 एम.एच.जी. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई

पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है । वह स्टालिक प्रैशर दर्शाता है । जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी । जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएं तो वह डायस्टालिक प्रैशर है । ब्लड प्रैशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दवाब रोगी के लिए शोभकारक होता है और इससे रीडिंग गलत होती है । यदि दोबारा पड़ताल करना जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए । कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं । दब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निन्स्तर पुनः प्रकट हो जाती हैं । इससे "साइलेट गेप" रीडिंग में गलती हो सकती है । परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए । जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबीटीज) के द्वातक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा । यदि उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोस्यूरिया) के सिवाय, अपेक्षित, मेडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाये तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मोही (नानडायबीटीज) नहीं है और बोर्ड इस केस को मेडिकल के किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला सुविधाएं हों । मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शूगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी चिकित्सिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड 'फिट' / 'अफिट' की अंतिम राय अवधारित होगी । दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी होगा, औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख से रखा जाए ।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाये । किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रसूत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आगेर्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए ।

11. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण किया जाना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है । यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए । यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अचोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो । यह उपबन्ध भारतीय रेल भण्डार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेवा इंजीनियरी सेवा, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' और केन्द्रीय

इंजीनियरी सेवा (सड़क), केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी की सेवा ग्रुप "क" तथा सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" पर लागू नहीं है । चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के आवादर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शन जानकारी दी जाती है:

(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा यदि हाल फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य।

(2) दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो यदि 1000 से 4000 डब की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो लक्नीयी तथा गैर-तकनीकी तथा प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।

(3) सेंट्रल या मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्ब्रेन का छिद्र (1) एक कान सामान्य, दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्ब्रेन का छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा रिस्थिति सुधरने पर दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर के उस पर नीचे दिए गए नियम 4 (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।

(2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक बेधन होने पर अयोग्य।

(3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(4) कान के एक ओर (दोनों ओर) (1) किसी एक कान में सामान्य रूप से एक ओर मस्टायड केविटि से सब-नार्मल श्रवण यदि एक ओर मस्टायड केविटि से सुनाई देता हो दूसरे कान में सबनार्मल श्रवण वाले कान से मस्टायड केविटि होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए योग्य।

(2) दोनों ओर से मस्टायड केविटि तकनीकी काम के लिए अयोग्य। किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य।

(5) बहते रहने वाले कान, आपरेशन किया गया, बिना आपरेशन वाला तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य।

(6) नासा पट्ट को हड्डी संबंधी विषमताओं (1) प्रत्येक मामले में परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

(बोनी डिफर्मिटी)

सहित अथवा इससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/ एलर्जिक दशा (2) लक्षणों सहित नासा पट्ट विचल विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(7) टोसिल और/या कण्ड की जीर्ण प्रवाहक दशाएं (1) टोसिल और/या कण्ड जीर्ण प्रवाहक दशा योग्य।

(2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

(8) कान, नाक, गला (ई. एन. बी.) (1) हल्का द्यूमर अस्थायी रूप के हल्के अथवा अपने स्थान पर मलिगनेट द्यूमर से अयोग्य।

(2) मलिगनेट द्यूमर अयोग्य।

(9) आटोसाकिलरोसिस (1) आपरेशन के बाद या श्रवण यंत्र की सहायता से अथवा 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य।

(10) कान, नाक, अथवा गले के जन्मजात दोष। (1) यदि काम-काज में बाधक न हो-योग्य।

(2) यदि भारी मात्रा में हकलाहट हो-अयोग्य।

(11) नेसलपोली (अ) वह विना हकलाहट बोल लेता/लेती है।

(ब) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जायेगा।)

(च) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और लातों का फुलाव पर्याप्त है तथा उसका दिल व केफड़े बैल।

(ड) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रपचर नहीं है।

(छ) उसे हास्ट्रोसिल, स्फैक्ट शिरा या बवासीर तो नहीं है।

(ज) उसके आंतों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उसकी ग्रन्थियां अली-शार्ति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं।

(झ) उसको कोई चिरस्थाई त्वचा की बीमारी नहीं है।

(ज) कोई जन्मजात कुरचना या दोष नहीं है।

(ट) उसके किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं हैं जिनसे कमज़ोर गठन का पता लगते।

(ठ) उसके शरीर पर टीके के निशान हैं।

(ड) कोई संचारी (कम्यूनिकेशन) रोग नहीं है।

12. हृदय तथा फेफड़ों की इन्डी ऐसी असमान्यताओं का यथा लगाने, जिन्हें सामान्य शारीरिक पर्याप्ति के आधार पर नहीं देखा जा सकता है, के लिए छाती का रेडियोग्राफी परीक्षण केवल उन्हीं

उम्मीदवारों का किया जायेगा जिन्हें सम्बन्धित इंजीनियरी परीक्षा में अन्तिम रूप से सफल घोषित किया जाता है।

अभ्यर्थी के स्वास्थ्य के बारे में केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा मंडल (संबंधित अभ्यर्थी की चिकित्सा परीक्षा का संचालन करने वाले) के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

13. उम्मीदवारों के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी नौकरी करने के लिए उम्मीदवार के योग्य स्वास्थ्यता या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपयुक्त विशेषज्ञ की सलाह ले सकते हैं जैसे यदि संदेह हो कि उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकार से पीड़ित है, तब बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोविकार विज्ञान/मनोविज्ञानी आदि की सलाह ले सकते हैं।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय देनी चाहिये कि उम्मीदवार द्वारा इयूटी के अपेक्षित दक्षतापूर्वक निष्पादन में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

14. उन उम्मीदवारों को जो मेडिकल बोर्ड के किसी निर्णय के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा निर्धारित रूप से 100 रुपये का अपील शुल्क जमा करना होगा। यह शुल्क उन उम्मीदवारों को वापस कर दिया जायेगा (जिनमें अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किया जायेगा)। जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जब्त कर लिया जाएगा। उम्मीदवार को अपनी अपील के साथ किसी रजिस्टर्ड डाक्टर का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र जिसमें विशेष तौर पर यह उल्लेख करना चाहिए कि उम्मीदवार को चिकित्सा बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित किये जाने की उसे जानकारी है, प्रस्तुत करना होगा। उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रथम चिकित्सा बोर्ड के निष्कर्षों के विरुद्ध अपील करने के लिए मात्र एक पूर्वाधेश है। जब उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड के समने उपस्थित हो तो उसके पास इस प्रमाण-पत्र की प्रति अवश्य होनी चाहिये।

उम्मीदवार को पहले मेडिकल बोर्ड के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर अपील प्रस्तुत कर देनी चाहिए अन्यथा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिये किये गये अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय मेडिकल बोर्ड की व्यवस्था उम्मीदवार के खर्च पर की जायेगी। अपीलीय मेडिकल बोर्ड के द्वारा की जाने वाली चिकित्सा परीक्षा के सम्बन्ध में किसी प्रकार का यात्रा भत्ता नहीं दिया जायेगा। रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही तभी की जायेगी जब निर्धारित शुल्क के साथ निश्चित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।

15. अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा और इसके विरुद्ध कोई अपील नहीं की जायेगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती हैः

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने वाले स्टेप्पण्डर्ड से संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा यदि कोई हो, के लिये उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्यता प्राप्त नहीं समझा जायेगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टमेंटिंग अथारिटी) को यह तसल्ली नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कोई बीमारी, रचना संबंधी दोष या शारीरिक दुर्बलता (बाड़िली इन्फर्मिटी) नहीं है जिसमें वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो गया हो/उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिये कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से उतना ही सम्बद्ध है जितना चर्तवान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थानीय नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर भी समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह नोट कर लिया जाये कि यह प्रश्न केवल निरन्तर कारबर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिये जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थिति में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक माना गया है।

महिला उम्मीदवार को परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर के मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जायेगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखा जायेगा।

ऐसे मेडिकल में जब कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार उम्मीदवार को बताये जा सकते हैं किन्तु मेडिकल बोर्ड में जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यौगा दिया जा सकता है।

ऐसे मामले में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बताने में छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिये। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जबकि यह खराबी दूर हो जाये तो सम्बद्ध प्राधिकारी एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अयोग्य करार दिया जाये तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया छः महीने से कम नहीं होनी चाहिये। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिये अस्थाई तौर पर अयोग्य

घोषित न करें, नियुक्ति के लिये अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

यह नोट किया जाए की यदि कोई उम्मीदवार किसी साध्य रोग से पीड़ित हो, तो उसके प्रथम चिकित्सा बोर्ड द्वारा ही अस्थाई रूप से अनुपयुक्त घोषित किया जाएगा। चिकित्सा पुनर्जीक्षण, प्रथम चिकित्सा परीक्षण का भाग होगा तथा उम्मीदवार यदि चाहें तो इसके निर्णय के विरुद्ध अपील कर सकते हैं। अपीलीय चिकित्सा बोर्ड को कोई अंतिम निर्णय लेना होगा तथा किसी उम्मीदवार के उपयुक्त या अनुपयुक्त होने को स्पष्ट करना होगा। किसी उम्मीदवार को अपीलीय चिकित्सा परीक्षा के आधार पर अस्थाई रूप से अनुपयुक्त घोषित नहीं किया जा सकता है।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देना चाहिये और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहियें। नीचे दिये नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया जाता हैः

1. अपना पूरा नाम लिखें
(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें

2. (क) क्या आप ऐसी जाति से गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिवासी आदि में से किसी से संबंधित हैं,

जिनका औसत कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है? 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिये—

यदि उत्तर 'हाँ' तो उस जाति का नाम बतोइए।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रूक-रूक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रन्थियां (ग्लेनड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फैफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरान रिह्यूमोटिज्म, एपैंडिसाइट्स हुआ है?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिसके कारण शैव्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो।

(ग) क्या कभी निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) का सुधार रीडियल केरेटोटोमी/लेसिक/एकिजमर इत्यादि, करवाया है? यदि हाँ/तो उसका विवरण :

यदि पिता जीवित मृत्यु के समय हों तो उनकी पिता की आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने गाई जीवित हैं उनकी कारण	यदि माता जीवित भाइयों की मृत्यु हो तो उनकी हो चुकी है, आयु और मृत्यु की अवस्था	यदि माता जीवित मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु की अवस्था	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और मृत्यु की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, आयु और मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
1	2	3	4	5	6

4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किरण की अधिगता (नक्सनेस) हुई ?

5. अपने परिवार के समाज में निम्नलिखित ब्यौरे दें ।
6. क्या इससे पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की ?

7. यदि ऊपर के प्रश्न के उत्तर 'हाँ' में हो तो बतलाइए किसी सेवा/किन सेवाओं में पद (पदों) के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?
8. परीक्षा सेवे वाला प्राधिकारी कौन था ?
9. मेडिकल बोर्ड कब और कहाँ था ?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ?

11. उपर्युक्त सभी उत्तर मेरी सबोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही हैं तथा मैं अपने द्वारा दी गई किसी सूचना में वीर्य गई विकृति या किसी संगत जानकारी को छुपाने के लिए कानून के अन्तर्गत किसी भी कार्रवाई का भागी हुंगा। ज्ञानी सूचनाएं देने व किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाना अयोग्यता मानी जाएगी और मुझे सरकार के

अन्तर्गत नियुक्ति के लिए अयोग्य माना जाएगा। मेरे सेवाकाल के दौरान किसी भी समय ऐसी कोई जानकारी मिलती है कि मैंने कोई गलत सूचना दी है या किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाया है तो मेरी सेवाएं रद्द कर दी जाएंगी।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर
उपस्थिति में हस्ताक्षर
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर
प्रोफार्मा—1

(ख) उम्मीदवार की शारीरिक परीक्षा से सम्बद्ध मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट :

(उम्मीदवार का नाम)

1. सामान्य विकास : अच्छा साधारण कम

पोषण : पतला औसत मोटा

कद (जूते उतार कर)

बजन

उत्युतम बजन

कब था

बजन में काई हाल ही में हुआ परिवर्तन

तापमान

छाती का घेर :

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा

कोई प्रत्यक्ष बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रत्नेधी

(3) वर्ण दर्शन सम्बन्धी दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुएल एक्विटी)	11. चलन तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) : कोई असामान्यता		
(6) फण्डूम की जांच	12. जनन मूत्र तंत्र (जेनिटों यूरीनरी सिस्टम) : हाईड्रोसील बरिक्सील आदि का कोई संकेत। मूत्र विश्लेषण		
दृष्टि तीक्ष्णता के चश्मे के बिना साथ दूर की नजर पास की नजर हाईपरमेट्रोपिया (प्रकट)	चश्मे की प्रबलता सफे, सिल, एक्विसस दा. ने. बा. ने. दा. ने. बा. ने.	(क) कैसा दिखाई पड़ता है?	
चश्मे की प्रबलता सफे, सिल, एक्विसस दा. ने. बा. ने. दा. ने. बा. ने.		(ख) विशिष्ट घनत्व (स्पेसिफिक) ग्रेविटी	
सुनना बायां कान बायां कान थायाराईड थायाराईड		(ग) एल्ब्यूमेन	
.....		(घ) शक्कर	
.....		(ङ) कास्ट	
.....		(च) कोशिकाएं (सेल्स)	
.....		13. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा से सम्बद्ध जिसका वह उम्मीदवार है, इयूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।	
.....		नोट: यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा।	
.....		14. निम्नलिखित 5 श्रेणियों में से उम्मीदवार का किस सेवा के लिए परीक्षण किया गया है तथा अपने कर्तव्यों को बिना बाधा के भली-भांति निभाने के लिए उहें किस सेवा के लिए पूरी तरह से सक्षम पाया गया है तथा उनमें से किन सेवाओं के लिए सक्षम नहीं पाया गया है:-	
.....		(1) रेलवे इंजीनियरी सेवा, ग्रेड ए (सिविल, विद्युत, यांत्रिक तथा सिंसाल) सी ई एस (ग्रेड-ए) सी ई एण्ड एम ई एस (ग्रेड-ए) सीडब्ल्यू ईएस ग्रेड-ए सीईएस (सड़क) ग्रेड-ए तथा एम.ई एस-ग्रेड-ए।	
.....		(2) आई.एन.ए.एस. ग्रेड-ए, आई.एन.एस.ओ., इंजीनियर युप 'क' (डब्ल्यू.पी.एण्ड सी.स्कन्थ/अनुश्रवण संगठन)।	
.....		(3) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (युप ए), ई एम ई कोर, रक्षा मंत्रालय भारतीय सर्वेक्षण	
.....		(4) आई ओ एफ एस-ग्रेड-ए	
.....		(5) आई आर एस एस ग्रेड-ए, भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिकी इंजीनियर (कनिष्ठ) युप 'क'	
.....		क्या उम्मीदवार क्षेत्रीय (फील्ड) सेवा के लिए योग्य है ?	
.....		टिप्पणी 1:- बोर्ड को अपने जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।	
.....		(i) स्वस्थ	
.....		(ii) के कारण अस्वस्थ	
.....		(iii) के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ	
.....		(iv) केवल शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवारों हेतु विनिर्दिष्ट रिक्तियों के लिए योग्य।	

11. चलन तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) : कोई असामान्यता

12. जनन मूत्र तंत्र (जेनिटों यूरीनरी सिस्टम) : हाईड्रोसील बरिक्सील

(क) कैसा दिखाई पड़ता है?

(ख) विशिष्ट घनत्व (स्पेसिफिक) ग्रेविटी

(ग) एल्ब्यूमेन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा से सम्बद्ध जिसका वह उम्मीदवार है, इयूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट: यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा।

14. निम्नलिखित 5 श्रेणियों में से उम्मीदवार का किस सेवा के लिए परीक्षण किया गया है तथा अपने कर्तव्यों को बिना बाधा के भली-भांति निभाने के लिए उहें किस सेवा के लिए पूरी तरह से सक्षम पाया गया है तथा उनमें से किन सेवाओं के लिए सक्षम नहीं पाया गया है:-

(1) रेलवे इंजीनियरी सेवा, ग्रेड ए (सिविल, विद्युत, यांत्रिक तथा सिंसाल) सी ई एस (ग्रेड-ए) सी ई एण्ड एम ई एस (ग्रेड-ए) सीडब्ल्यू ईएस ग्रेड-ए सीईएस (सड़क) ग्रेड-ए तथा एम.ई एस-ग्रेड-ए।

(2) आई.एन.ए.एस. ग्रेड-ए, आई.एन.एस.ओ., इंजीनियर युप 'क' (डब्ल्यू.पी.एण्ड सी.स्कन्थ/अनुश्रवण संगठन)।

(3) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (युप ए), ई एम ई कोर, रक्षा मंत्रालय भारतीय सर्वेक्षण

(4) आई ओ एफ एस-ग्रेड-ए

(5) आई आर एस एस ग्रेड-ए, भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिकी इंजीनियर (कनिष्ठ) युप 'क'

क्या उम्मीदवार क्षेत्रीय (फील्ड) सेवा के लिए योग्य है ?

टिप्पणी 1:- बोर्ड को अपने जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) स्वस्थ

(ii) के कारण अस्वस्थ

(iii) के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ

(iv) केवल शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवारों हेतु विनिर्दिष्ट रिक्तियों के लिए योग्य।

टिप्पणी 2:— उम्मीदवार की छाती के एक्स-रे परीक्षण नहीं किया गया है, इस कारण उपर्युक्त निष्कर्ष अन्तिम नहीं है और छाती के एक्स-रे परीक्षण की रिपोर्ट के अध्यधीन है।

स्थान	हस्ताक्षर	: अध्यक्ष
		: सदस्य
		: सदस्य

दिनांक :

मेडिकल बोर्ड की मुहर

प्रपत्र-II

उम्मीदवार का कथन/घोषणा

1. अपना नाम लिखें :

(बड़े अक्षरों में)

2. रोल नम्बर :

उम्मीदवार के हस्ताक्षर
मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

मेडिकल बोर्ड द्वारा भरे जाने के लिए

टिप्पणी : बोर्ड उम्मीदवार की छाती के एक्स-रे परीक्षण की जांच रिपोर्ट निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग के अन्तर्गत अपने निष्कर्ष रिकार्ड करने चाहिए।

उम्मीदवार का नाम
(i) स्वस्थ
(ii) के कारण अस्वस्थ
(iii) के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ

: अध्यक्ष

स्थान	हस्ताक्षर	: सदस्य
		: सदस्य

दिनांक :

परिशिष्ट-3

उन सेवाओं/पदों का संक्षेप विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है।

1. भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरी सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा।

(क) **परिवीक्षा:**— इन सेवाओं के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहना होगा। यदि उक्त प्रशिक्षण को संतोषजनक रूप में पूरा न करने के कारण किसी स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़ा तो तदनुसार परिवीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी। परिवीक्षा की अवधि के दौरान यदि कार्यकारी पद का काम संतोषजनक नहीं पाया गया तो सरकार द्वारा परिवीक्षा की कुल अवधि को

आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) **प्रशिक्षण:**— समस्त परिवीक्षाधीन अधिकारियों के सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण लेना होगा। उन्हें इस अवधि के लिए उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए।

(ग) **नियुक्ति की समाप्ति:**— परिवीक्षा की अवधि के दौरान दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का सिविल नोटिस देकर परिवीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (2) के उपबंधों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा से बर्खास्तगी और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप अनिवार्य सेवानिवृति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा किन्तु सरकार को तत्काल सेवाएं समाप्त करने का अधिकार है।

(1) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक रहे या उसके कार्यकुशल बनने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

(2) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। परिवीक्षा की अवधि के दौरान अनुगोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(घ) **स्थायीकरण**— परिवीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिए सभी दृष्टियों से योग्य समझे जाने पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थाइं कर दिया जाएगा।

(ङ) **वेतनमान :**

(1) कनिष्ठ वेतनमान :— रुपए 8000-275-13500

(2) वरिष्ठ वेतनमान :— रुपए 10000-325-15200

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-2 :— रुपए 12000-375-16500

(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-2 :— रुपए 18400-500-22400

इसके अतिरिक्त रुपए 18400 तथा 26000 के वेतन के बीच के सुपरटाइम वेतनमान वाले पद भी जिनके लिए उपर्युक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परिवीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन से प्रारम्भ करेगा तथा उस समय वेतनमान में अवकाश, फैशन तथा वेतन वृद्धियों के लिए परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को गिनने की अनुमति होगी।

मंहगाई तथा अन्य भत्ते सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगी।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतनवृद्धियों को रोका या स्थगित किया जा सकता है।

(च) प्रशिक्षण व्यवस्था :— यदि किसी कारणवश जो सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी के नियंत्रण से बाहर नहीं है, कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण, अथवा परिवीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परिवीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य भरणारियों को वापस करना होगा। इस प्रयोजन के लिए परिवीक्षकों से एक बंध-पत्र की अपेक्षा की जाएगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्ति प्रस्ताव के साथ संलग्न की जाएगी। किन्तु जिन परिवीक्षा अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्त होते परीक्षा के लिए आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना होगा।

(छ) छुट्टी :— उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी के पात्र हैं।

(ज) चिकित्सा सुविधा :— अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट :— अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे।

(अ) भविष्य निधि तथा पेंशन :— उक्त सेवा के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा शासित होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि नियमों के अन्तर्गत राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर अंशदाती) में अंशदान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परियोजना पर कार्य करना पड़ सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का दायित्व :— यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्त किए गए परिवीक्षाधीन अधिकारियों के भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा जिसमें प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई हो) भी शामिल है;

किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

और

केन्द्रीय विष्वेत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परिवीक्षा संतोषजनक रूप से पूरी कर लेने पर उनके स्थायी करने/कार्य करते रहने पर विचार किया जाएगा। परिवीक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बढ़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थायी/नियोजन/बरकरारी के उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बढ़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति बरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) जैसी कि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' में नियुक्त सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद अगले ठांचे ग्रेड अर्थात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे बताते कि रिक्तियां उपलब्ध हों और वे ऐसी पदोन्नति के अन्यथा योग्य पाए जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा के सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्ति दरें निम्न प्रकार से हैं:-

क्रम सं	पद	वेतनमात्रा
1	2	3
(1)	कनिष्ठ समय वेतनमात्रा (सहायक कार्यपालक इंजीनियर)	रु. 8000-275-13500
(2)	वरिष्ठ समय वेतनमात्रा (कार्यपालक इंजीनियर)	रु. 10000-325-15200
	नई पौर्वोक्त वेतनमात्रा ग्रेड	रु. 12000-375-16500
(3)	वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अधिकारी इंजीनियर)	रु. 14300-400-18300
(4)	वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चीफ इंजीनियर)	रु. 18400-500-22400
(5)	सुपर टाइम स्केल अपर महानिदेशक अपर महानिदेशक (बकर्स-स्पेशल) महानिदेशक (डब्ल्यू)	रु. 22400-525-24500 रु. 24050-26000 रु. 26000 नियंत्र

ये पद सभी तीन विषयों अर्थात् सिविल, इलैक्ट्रिकल और यांत्रिक तथा वास्तु इंजीनियरों के लिए समान हैं।

नोट:- जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले अवधिक पद के अथवा किसी स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ.आर. 22 (बी) (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ड) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप ('क') और केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप ('क') के पदों से सम्बन्धित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप:-

(1) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप 'क')

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार की सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, सबन संस्था तथा अनुसंधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे, महारार्ग तथा पुल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के रूप में शुरू करते हैं, और अपनी सेवा करते-करते पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

2. केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (ग्रुप 'क')

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार की सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के विद्युत घटकों के जिसमें विद्युत संस्थान, इलैक्ट्रिकल सब-स्टेशन तथा पावरहाउस, वातानुकूलन तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाईटिंग, यांत्रिक कर्मशाला का परिचालन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और रख-रखाव में कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के रूप में शुरू करते हैं, और अपनी सेवा करते-करते वे पदोन्नत होकर विभाग में विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

3. भारतीय रक्षा इंजीनियरी सेवा (आई डी एस ई)

चयनित उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान परिवीक्षाधीन को सरकार द्वारा निर्धारित किए जाने वाले विभागीय तथा भाषा परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे। यदि सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण संतोषजनक नहीं पाया जाता या उसके कार्यकुशल होने में संदेह हो अथवा उस अवधि के दौरान वह निर्धारित परीक्षण उत्तीर्ण करने में असफल रहता है तो सरकार उन्हें पदमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार अधिकारी की नियुक्ति की पुष्टि कर सकती है अथवा यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो सरकार

उसे या तो पदमुक्त करती है अथवा सरकार उसकी परिवीक्षा को उतनी अवधि के लिए बढ़ा सकती है जितनी सरकार द्वारा उचित समझी जाए।

(क) परिवीक्षा अवधि के दो वर्षों के दौरान परिवीक्षाधीनों को विभागीय "यंग आफीसस बेसिक वर्क्स" कोर्स करना अपेक्षित है। हिन्दी परीक्षण प्राप्त के स्तर का (मेट्रिक्युलेशन स्तर के समकक्ष) होगा।

(ख) चयनित उम्मीदवारों को, यदि अपेक्षित हुआ तो सशस्त्र सेना में कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए, जिसमें प्रशिक्षण की अवधि, यदि कोई हो, भी शमिल है कमीशन अधिकारी की हैसियत से कार्य करना होगा।

बशर्ते कि उस उम्मीदवार को :-

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के पश्चात् उपरोक्त हैसियत से कार्य नहीं करना पड़ेगा।
(ii) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात् उपरोक्त हैसियत से कार्य नहीं करना पड़ेगा।
(iii) उम्मीदवारों पर संख्या एस आर ओ 92, दिनांक 9 मार्च, 1957 के अंतर्गत प्रकाशित सिविलियन, रक्षा सेवा (फौल्ड दायित्व) नियमावली, 1957 लागू होगी। उम्मीदवारों की चिकित्सा जांच उसमें दिए गए चिकित्सा मानकों के अनुरूप की जाएगी।

(ग) वेतन की दरें नीचे दी गई हैं :

"(क) सहायक कार्यपालक इंजीनियर-रु.

8000-275-13500

(ख) कार्यपालक इंजीनियर-रु. 10000-325-15200

(ग) कार्यपालक इंजीनियर-(एन एफ एस जी)
रु. 12000-375-16500

(घ) अधीक्षक इंजीनियर-रु. 14300-400-18300

(ङ) अपर मुख्य इंजीनियर-रु. 16400-450-20000

(च) मुख्य इंजीनियर रु. 18400-500-22400

(छ) अपर महानिदेशक-रु. 22400-525-24500

(ज) महानिदेशक (कार्मिक)-रु. 22400-525-24500"

4. भारतीय आयुध कारखाना सेवा (ग्रुप 'क')

(क) चुने हुए उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे। सरकार महानिदेशक, आयुध कारखाना अध्यक्ष, आयुध कारखाना बोर्ड की सिफारिश पर परिवीक्षा अवधि घटा या बढ़ा सकती है। परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सरकार द्वारा यथाविहित विभागीय तथा भाषा परीक्षण उत्तीर्ण करनी होगी। भाषा का परीक्षण हिन्दी में लिया जाएगा।

सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा। किन्तु परिवीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में

उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यपुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

(ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी परीक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) उम्मीदवार एस.आर.ओ. नं. 92, दिनांक 9 मार्च, 1957 के अंतर्गत प्रकाशित, 1957 सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइब्रिलिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान देय हैं:-

कनिष्ठ समय वेतनमान-रु. 8000-275-13500

वरिष्ठ समय वेतनमान-रु. 10000-325-15200

वरिष्ठ समय वेतनमान-रु. 12000-375-16500

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (फैक्शनल) :

रु. 14300-400-18300

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-रु. 18400-500-22400

वरिष्ठ जनरल मैनेजर-रु. 22400-525-24500

अतिरिक्त भानिदेशक आयुध कारखाना/सदस्य आयुध कारखाना ग्रेड-रु. 25400-650-26000

महानिदेशक आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड रुपए 26000 (निर्धारित)

टिप्पणी—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्रावधानिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका है उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का.ज्ञा. सं. 15(6)/64/डी (अपाइंटमेंट्स)/1051/डी (सी. 41) दिनांक 25 नवम्बर, 1965 के उपबंधों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को आयुध कारखाना स्टॉफ कॉलेज अव्वज़र, नागपुर में फाउण्डेशन प्रशिक्षण कोसे करना होगा।

(ङ) यदि कोई परिवीक्षाधीन उम्मीदवार प्रशिक्षण/परीक्षा की समाप्ति की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के अंदर सेवा से इस्तीफा देने का इच्छुक हो या प्रशिक्षण/परिवीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता हो, तो उसे अपने प्रशिक्षण की संपूर्ण लागत तथा प्रशिक्षण/परिवीक्षा की अवधि के दौरान उसे अदा हुए कोई अन्य भुगतान वापस लौटाने होंगे। इस आशय का एक बंधपत्र परिवीक्षाधीन उम्मीदवार को अपनी नियुक्ति के समय प्रस्तुत करना होगा।

5. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (मुफ 'क') सेवा

(1) केन्द्रीय जल इंजीनियरिंग मुफ 'क' सेवा में सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर मर्ती हुए व्यक्ति की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार, आवश्यक होने पर दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परिवीक्षा की उपर्युक्त या बढ़ी हुई अवधि, जैसी भी स्थिति हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थाई नियोजन हेतु उपर्युक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह स्थाई नियुक्ति हेतु उपर्युक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उसका उसके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशिक्षण का ऐसा कोई कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परिवीक्षा की सफल पूर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(2) इस सेवा में नियुक्त अधिकारी भारत में या भारत से बाहर कहीं भी सेवा करने के बाब्त छाँगे।

(3) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :-

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की अवधि के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(4) सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त अधिकारी निर्धारित शर्तों पूरी करने के बाद के विभिन्न उच्चतर ग्रेडों में पदान्वति की उम्मीद कर सकते हैं।

(5) ग्राह वेतनमान निम्न प्रकार है :-

1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर रु. 8000-275-13500 सी.डब्ल्यू.सी./सी.डब्ल्यू.आर.उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर, जी.एफ.सी.सी.सहायक सचिव, एस.एस.सी.ए.सी.उप-निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर, सी.ई.ए.
2. उपनिदेशक/कार्यकारी इंजीनियर रु. 10000-325-15200 सी.डब्ल्यू.सी./डप.आयुक्त, एम.ओ.डब्ल्यू.आर.उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर, जी.एफ.सी.सी.सहायक सचिव, एस.एस.सी.ए.सी.उप-निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर, सी.ई.ए.

3. निदेशक/ अधीक्षक इंजीनियर, रु. 14300-400-18300
सी.डब्ल्यू. सी. वरिष्ठ संयुक्त
आयुक्त, एम.ओ.डब्ल्यू.आर.
निदेशक, जी.एफ.सी.सी.
निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर-
एस.एस.सी.ए.सी. निदेशक/
अधीक्षक इंजीनियर, सी.ई.ए.
4. मुख्य इंजीनियर, सी.डब्ल्यू.सी रु. 18400-500-22400
आयुक्त, एम.ओ.डब्ल्यू.आर.
सदस्य, जी.एफ.सी.सी.
सचिव, एस.एस.सी.ए.सी.
महाप्रबंधक, एफ.बी.पी.
मुख्य इंजीनियर, सी.ई.ए.
5. सदस्य, केन्द्रीय जल आयुक्त रु. 22400-525-24500
अध्यक्ष, जी.एफ.सी.सी.
6. अध्यक्ष, सी.डब्ल्यू.सी. रु. 26000 नियत

(6) केन्द्रीय जल इंजीनियरिंग (ग्रुप 'क') सेवा के पदों से संबद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप।

(क) मुख्यालय में

केन्द्रीय जल आयोग (के.ज.आ.) मुख्यतः जल संसाधन विकास के लगभग सभी पहलुओं के लिए उत्तरदायी है। मुख्यालय के अधिकारी देश में विभिन्न जल संसाधन परियोजनाओं की योजना, अभिकल्पन, मूल्यांकन तथा निगरानी से प्रत्यक्षतः संबद्ध हैं। (के.ज.आ.) अपने विभिन्न विशिष्टता प्राप्त निदेशालयों के माध्यम से इन पहलुओं के प्रति अपने दायित्व को पूरा करता है। अभिकल्पन एककों के विभिन्न स्तरों के अधिकारी कार्यान्वयन के विभिन्न स्तरों के अंतर्गत जल संसाधन परियोजनाओं के विभिन्न घटकों की अधिकल्पन के संबंध में विस्तृत अध्ययन से संबद्ध है। हाइड्रो सिविल डिजाइन, कंकरीट व चिनाई बांध तथा डिजाइन, मृदा व पाषाण भरित बांध डिजाइन, बैरेज तथा कैनाल डिजाइन, तथा जलीय संरचनाओं पर द्वारों के डिजाइन से संबंधित विशिष्ट निदेशालय हैं। जल संसाधन निर्धारण, अभिकल्पन बाढ़ आकलन तथा अवसाद विश्लेषण से संबंधित कार्यकलाप केन्द्रीय जल आयोग के जलीय अध्ययन संगठन के द्वारा निष्पादित किए जाते हैं। परियोजना मूल्यांकन, परियोजना पर्यवेक्षण निगरानी तथा पर्यावरणीय प्रबंधन हेतु केन्द्रीय जल आयोग के विशिष्ट एकक हैं। केन्द्रीय जल आयोग का केन्द्रीय योग्यत्रिक संगठन लगभग सभी प्रमुख जल संसाधन विकास परियोजनाओं की निर्माण उपस्कर योजना तथा संविदा प्रबंधन से संबंध है। केन्द्रीय जल आयोग के मुख्यालय पर इसके कार्यकलापों में इसके योजना व विकास संगठनों के माध्यम से बाढ़ पूर्वानुमान निर्देशों का विकास तथा इसके बाढ़ प्रबन्धन संगठन के माध्यम से विभिन्न बाढ़ प्रबन्ध पद्धतियों का नियोजन व अभिकल्पन भी सम्मिलित हैं।

(ख) केन्द्रीय जल आयोग के क्षेत्र गठन में

केन्द्रीय जल आयोग के क्षेत्र-संगठन जलीय अवलोकन, परियोजना अन्वेषण, मध्य सिचाई परियोजनाओं मूल्यांकन, पहचानी

गई परियोजनाओं की निगरानी तथा देश की लगभग प्रमुख नदियों के संबंध में बाढ़ पूर्वानुमान में प्रत्यक्षतः कार्यरत हैं। ये कार्यकलाप/कार्यालयों के अध्यक्ष, मुख्य अभियंता के अधीन क्षेत्रीय कार्यालयों तथा अधीक्षण अभियंता/निदेशक के अधीन परिमण्डलों/निदेशालयों तथा कार्यपालक अभियंताओं के अधीन मंडलों के एक पूरे तंत्र (नेटवर्क) के तहत निष्पादित किए जाते हैं। सहायक कार्यपालक अभियंताओं की शीर्षस्थता में उप-मंडल/नियंत्रण कक्ष होते हैं जो जल संसाधन विकास परियोजनाओं, जलीय अवलोकन तथा बाढ़ पूर्वानुमान के अन्वेषण से प्रत्यक्षतः संबंधित हैं।

6. केन्द्रीय इंजीनियर सेवा (सड़क) (ग्रुप 'क')

(क) चुने हुए उम्मीदवार सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर दो वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थाई रिक्तियां उपलब्ध हुईं और वे स्थाई नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किए जाएंगा। सरकार दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परिवीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थाई नियोजक के योग्य नहीं है या ऐसी परिवीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थाई नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर की सेवा विस्तृत कर सकती है। अथवा ऐसे आदेश पास कर सकती है जो वह उनके समझे।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति का भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान देय हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—रु. 8,000-275-13,500

कार्यकारी इंजीनियर—रु. 10,000-325-15,200

अधीक्षक इंजीनियर रु. 12,000-375-15,500

अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)—रु. 14,300-400-18,300

मुख्य इंजीनियर—रु. 18,400-500-22,400

अतिरिक्त महानिदेशक—रु. 22,400-525-24,500

महानिदेशक सहायक (सड़क विकास) एवं अतिरिक्त सचिव—रु. 26,000 (नियत)

टिप्पणी :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' ग्रुप 'ख' में परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर है (एफ.आर. 22ख-1) के उपबन्धों के अधीन विविधित किया जाएगा।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) पूल ग्रुप 'क' के पद से सम्बद्ध कर्तव्यों और वायित्वों का स्वरूप।

(1) सिविल इंजीनियरी पद

सड़कों/पुलों के निर्माण के डिजाइनों की योजना बना उसके आंकलन तैयार करने में भूतल परिवहन मंत्रालय से सड़क स्कंध के मुकाबले में तथा क्षेत्रीय कार्यालयों आदि में वरिष्ठ अधिकारियों आदि की सहायता करना और राज्यों से ऐसे निर्माणों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करना।

(2) यांत्रिक इंजीनियरी पद

सड़कों/पुलों के निर्माण उपस्कर्तों के आयोजन प्राप्ति, प्रचालन और अनुशङ्खण में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध से मुख्यालयों में तथा क्षेत्रीय कार्यालयों आदि में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करना, इस प्रकार के उपस्कर्तों की मरम्मत तथा रख-रखाव के लिए आंकलन तैयार करना और राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करना।

7. भारतीय नौसेना आयुष्म सेवा

(क) पद पर नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्षों की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन नियुक्ति किया जाएगा और यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर बढ़ाई जा सकती है। सक्षम प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवा मुक्त किया जा सकेगा।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मायले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मायले में तीन महीने) देकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु सरकार को नियुक्ति उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके समाप्त न हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान करके तत्काल नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।

(ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कलन से प्रदत्त सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सेवा शर्तों के अधीन रहेंगे। वे समय-समय पर संतोषित

फौल्ड सर्विस दायित्व नियमावली, 1957 के अधीन होंगे।

(घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा।

(ङ) वेतनमान तथा वर्गीकरण—ग्रुप—राजपत्रित।

(i) कनिष्ठ समय वेतनमान

ग्रेड (नौसेना आयुष्म का सहायक प्रबंधक/सहायक) रु. 8,000-275-13,500 निदेशक)

(ii) वरिष्ठ समय वेतनमान

ग्रेड (नौसेना आयुष्म का प्रबंधक/उप निदेशक/ रु. 10,000-325-15,200 निदेशक)

(iii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

(नौन फंक्शनल) (नौसेना आयुष्म का महाप्रबंधक/अपर महाप्रबंधक/प्रधान निदेशक/निदेशक) रु. 12,000-375-16,500 संयुक्त निदेशक)

(iv) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

(फंक्शनल) ग्रेड (नौसेना आयुष्म का महाप्रबंधक/अपर महाप्रबंधक/प्रधान निदेशक/निदेशक) रु. 14,300-400-18,400

(v) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

(फंक्शनल) (नौसेना आयुष्म का मुख्य महाप्रबंधक/अपर महानिदेशक) रु. 22,400-525-24,500

(घ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्तति के अवसर—

(i) वरिष्ठ समय वेतनमान ग्रेड (नौसेना आयुष्म का प्रबंधक/उप निदेशक) : संबद्ध ग्रेड में चार वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले कनिष्ठ समय वेतनमान ग्रेड (सहायक पैनेजर/सहायक निदेशक) में भारतीय नौसेना आयुष्म विभागीय पदोन्तति समिति द्वारा चयन के आधार पर वरिष्ठ समय वेतनमान में पदोन्तति हेतु पात्र हैं याते कि पदोन्तति हेतु केवल उन्हीं अधिकारियों पर विचार किया जाएगा जिन्होंने आयुष्म ग्रौमोगिकी संस्थान पुणे से नौसेना तकनीकी स्वाफ पाद्यक्रम अध्यवा तकनीकी प्रशिक्षण पाद्यक्रम के बाद विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

(ii) कमिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (नौन फंक्शनल) (नौसेना आयुष्म का उप महाप्रबंधक/संयुक्त निदेशक) भारतीय नौसेना आयुष्म सेवा संबंध के वरिष्ठ समय वेतनमान

ग्रेड में पांच वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने वाले भारतीय नौसेना आयुध सेवा संवर्ग के अधिकारी कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (नॉन फंक्शनल) में नियुक्त होते पात्र हैं।

(iii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (फंक्शनल) ग्रेड (नौसेना आयुध के महाप्रबंधक/अपर महाप्रबंधक/प्रधान निदेशक/निदेशक) : संबद्ध ग्रेड में नौ वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने वाले, जिसमें कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (नॉन फंक्शनल) में की गई सेवा, यदि कोई हो भी शामिल है, कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (फंक्शनल) रु. 14,300-18,300 के वेतनमान में पदोन्तति होते पात्र हैं, ऐसा न होने पर, संबद्ध ग्रेड में पांच वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर लेने पर वरिष्ठ समय वेतनमान ग्रेड में भारतीय नौसेना आयुध सेवा संवर्ग के अधिकारी कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (फंक्शनल) के पद पर पदोन्तति के पात्र हैं। बासें कि ऐसे पदोन्तति अधिकारी रु. 12,000-16,500 के वेतनमान में ही रहेंगे जब तक कि वे ऊपर निर्दिष्ट रु. 14,300-18,300 के वेतनमान के लिए पात्र नहीं हो जाते।

(iv) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड नौसेना आयुध के मुख्य महा-प्रबन्धक/अपर निदेशक: संबद्ध ग्रेड में तीन वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले कनिष्ठ प्रशासनिक फंक्शनल ग्रेड में भारतीय नौसेना आयुध सेवा संवर्ग के अधिकारी उपयुक्त विभागीय पदोन्तति समिति द्वारा चयन के आधार पर नौसेना आयुध के मुख्य प्रबंधक/अपर महानिदेशक के पद पर पदोन्तति होते पात्र हैं।

(v) उच्चतर प्रशासनिक ग्रेड (नौसेना आयुध का महा-निदेशक): वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में भारतीय नौसेना आयुध संवर्ग के अधिकारी उपयुक्त विभागीय पदोन्तति समिति द्वारा चयन के आधार पर महानिदेशक, आयुध आपूर्ति के पद पर पदोन्तति होते पात्र हैं।

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्तति होते या पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की है और संबद्ध ग्रेड में पदोन्तति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

नोट : उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी आवधिक पद के अतिरिक्त मूल रूप से अस्थायी पद धारण किए हुए थे एफ. आर. 22ख (1) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी. एस. के. और तदनुरूपी अनुच्छेद के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(छ) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में (कनिष्ठ समय वेतनमान ग्रेड) के पद से संबद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप।

(1) विविध यांत्रिक, इलैक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध सामग्री

की मरम्मत, आशोधन तथा अनुरक्षण से संबद्ध कार्य का प्रस्तुतीकरण, आयोजन तथा निर्देशन।

(2) मरम्मत, अनुरक्षण और ओवरहाल के लिए इलैक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत उपस्करणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।

(3) आयात प्रतिस्थापना से संबद्ध विकासीय कार्य स्वदेशी अभिकल्पना, विशिष्टियां तैयार करना।

(4) आयुध के लिए यांत्रिकी, इलैक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत अतिरिक्त पार्ट्स का उपलब्ध कराना।

(5) आयुध (मिसाइल्स टार्पेटीज माइन्स तथा गन) मापने वाले यंत्रों आदि के यांत्रिकी इलैक्ट्रॉनिक वैद्युत प्रदानों के उप-समुच्चय तथा समुच्चयों का आवधिक अंशाकान परीक्षण/जांच।

(6) फ्लीट तथा नौसेना प्रतिष्ठानों को आयुध भण्डारण सम्बन्धी संयंत्र सहायता प्रदान करना।

(7) आयुधों के बारे में यांत्रिक, इलैक्ट्रॉनिक वैद्युत इंजीनियर से संबद्ध सभी मामलों में संबद्ध सेवा की तकनीकी सलाह देना।

8. **ई.एम.ई. कोर, रक्षा मंत्रालय में सहायक कार्यपालक इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के पद**

(i) ई.एम.ई. के द्वारा इन पदों पर भर्ती किए गए उम्मीदवारों को कैप्टन/लेफ्टिनेंट के रैंक के सैनिक अधिकारियों की एवज में नियोजित किया जाता है। उनकी नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा के आधार पर होगी। परिवीक्षा के संतोषजनक रूप से पूरा होने पर उनके नियुक्ति पर बने रहने पर विचार किया जाएगा। संरकार के विचार से यदि उनका कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक रहा तो सरकार या तो उनकी परिवीक्षा अवधि को दो वर्ष के लिए और बढ़ा सकती है अथवा उन्हें कार्ययुक्त कर सकती है।

(ii) नियुक्त किए गए अधिकारियों को भारत तथा विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(iii) नियुक्त किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णय के अनुसार भारत व विदेश में शिक्षण पाठ्यक्रमों में भी जाना पड़ सकता है।

(iv) नियुक्त किए गए अधिकारियों को यदि अपेक्षित हुआ तो कम से कम 4 वर्ष की अवधि, जिसमें प्रशिक्षण की अवधि यदि कोई हो, भी समिलित है, के लिए सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में कार्य करना होगा किन्तु ऐसे व्यक्तियों को :-

(कक) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(कख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु होने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(v) उम्मीदवारों पर एस. आर. ओ. नं. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अंतर्गत प्रकाशित 1957 सिविलियन इन डिफेन्स सर्विस (फील्ड लाइब्रिली) रूल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(vi) उक्त विभाग में उम्मीदवार सहायक कार्यपालक इंजीनियर अथवा सहायक इंजीनियर, जैसा भी मापला हो, के रूप में अपनी सेवा आरंभ करते हैं और अपने सेवाकाल में उन्हें विभाग में विभिन्न वरिष्ठ ग्रेडों में पदोन्नत किया जाता है बश्यत कि पद रिक्त हों और उम्मीदवार निर्धारित शर्तों को पूरा करते हों। क्रमबार पदोन्नतियां और वेतनमान निम्न प्रकार से हैं :—

(क) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (8,000-275-13,500 रु.)

(ख) कार्यपालक इंजीनियर (10,000-325-15,200 रु.)

(ग) अधीक्षक इंजीनियर—ग्रुप 'क' पद (12,000-375-16,500 रु.)

(घ) अपर मुख्य इंजीनियर (14,300-400-18,300 रु.)

(ङ) मुख्य इंजीनियर (16,400-450-20,000 रु.)

(vii) कर्य तथा दायित्व: सहायक कार्यपालक/सहायक इंजीनियर के पदों से सम्बद्ध दायित्वों का स्वरूप निम्नलिखित है :—

(कक) ई.एस.ई. के द्वारा विद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियर्स कोर में भर्ती किए गए उम्मीदवार विभिन्न अमीर बेस/स्टेशन वर्कशॉपों में उत्पादन, योजना तथा नियंत्रण और प्रशासन के कार्यों में लगाए जाते हैं।

(कख) वे सेना उपकरणों के लिए अतिरिक्त पुर्जों के निर्माण, पूर्ण मरम्मत/मरम्मत, उनके अपने नियंत्रणाधीन अनुभागों की तकनीकी कार्यकुशलता संवर्तनों तथा मशीनरियों का निवारक रख-रखाव, पांगसूची प्रबन्ध आदि जैसे दिए गए उत्पादन लक्षणों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार हैं।

(कग) सेना उपकरणों की मरम्मत रख-रखाव, के विभिन्न पाद्यक्रमों में भाग लेने वाले सभी ईंकों के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने हेतु उपयुक्त रूप से अर्हता प्राप्त अधिकारियों को सिकन्द्राबाद, बड़ौदा तथा भोपाल स्थित ई.एम.ई. के प्रशिक्षण स्थापनाओं में अनुदेशीय स्टाफ के रूप में तैनात किए जाते हैं।

9. भारतीय नौसेना में सहायक नौसेना भंडार अधिकारी ग्रेड-I पद

(i) इंजीनियर सेवा परीक्षा के द्वारा इन पदों पद नियुक्त हेतु चयनित उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। परिवीक्षा अवधि संतोषजनक पूर्ण करने पर, उन्हें उनकी नियुक्ति में जारी रहने पर विचार किया जाएगा। सरकार की सय में यदि उनका कार्य या आचरण असंतोषजनक है तो सरकार परिवीक्षा की अवधि को दो वर्ष बढ़ा सकती है या उन्हें सेवा से मुक्त कर सकती है।

(ii) वे समय-समय पर, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कलन से प्रदत्त सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सेवा शर्तों के अध्यधीन होंगे।

(iii) नियुक्त किए गए अधिकारियों को भारत में या भारत से बाहर (विदेशों में) कभी भी कार्य करना पड़ सकता है।

(iv) नियुक्त किए गए अधिकारियों को (समय-समय पर) सरकार द्वारा लिए गए नियायों के अनुसार भारत या विदेशों में शिक्षण पाद्यक्रमों में भी भाग लेना पड़ सकता है।

(v) उम्मीदवारों पर सं. एस. आर. ओ. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अंतर्गत प्रकाशित रक्षा सेवा में सिविलियन (फील्ड लाइब्रिली) नियमावली, 1957 लागू होंगी। उनमें निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार उम्मीदवारों का चिकित्सा प्रोत्साहन किया जाएगा।

(vi) उम्मीदवार विभाग में सहायक नौसेना भंडार अधिकारी ग्रेड-I के रूप में अपनी सेवा आरंभ करते हैं और अपने सेवा काल के दौरान उन्हें विभाग में विभिन्न ग्रेडों में प्रोन्नत किया जाता है जो रिक्तियों की उपलब्धता और निर्धारित शर्तों की पूर्णता के अध्यधीन होगा। क्रमिक पदोन्नतियां तथा वेतनमान निम्नलिखित हैं :—

(कक) सहायक नौसेना भंडार अधिकारी, ग्रेड-ग्रुप 'क' पद रु. (8000-275-13500)

(खख) नौसेना भंडार अधिकारी, रु. (10000-325-15200)

(गग) वरिष्ठ नौसेना भंडार अधिकारी, रु. (12000-375-16500)

(घघ) निदेशक, रु. (14300-400-18300)

(ङङ) वरिष्ठ निदेशक, रु. (18400-500-22400)

(vii) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में सहायक नौसेना भंडार ग्रेड-I पद से सम्बद्ध कर्तव्यों एवं दायित्वों का स्वरूप :—

(क) सभी प्रकार के भंडारों का प्रबंध करना।

(ख)	निविदाओं की जांच करना, तुलनात्मक विवरणी तैयार करना, मांग प्रस्तुत करना तथा एकीकृत संचार तंत्र प्रबंध प्रणाली (आई.एल.एम.एस.) द्वारा उनके विकास की निगरानी करना।	मुख्य इंजीनियर (सिविल) 18400-500-22400 रुपए अपर महानिदेशक सीमा सड़क 22400-525-24500 रुपए
(ग)	आई.एल.एम.एस. द्वारा सभी सामग्री नियोजन कार्यों को सुनिश्चित करना।	(ख) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (ई.एण्ड एम.) 8000-275-13,500 रुपए कार्यकारी इंजीनियर (ई.एण्ड एम.) 10000-325-15200 रुपए अधीक्षक इंजीनियर (ई.एण्ड एम.) 12000-375-16500 रुपए अधीक्षक इंजीनियर (ई.एण्ड एम.) (चयन ग्रेड) 14300-400-18300 रुपए मुख्य इंजीनियर (ई.एण्ड एम.) 18400-500-22400 रुपए
(घ)	आई.एल.एम.एस. परीक्षण द्वारा डिपो में स्टाक किए गए सभी मर्दों की समुचित वेयरहाउसिंग तथा माल सूची नियंत्रण, जहाजरानी तथा परिवहन मर्दों का स्थानीय क्रय सुनिश्चित करना।	
(ङ)	जहाजों में ईधन भरना/ईधन निकालना, उन्हें भंडार में रखना तथा निकालना।	
(च)	अपने नियंत्रणाधीन प्राप्ति तथा लेखा निर्गत करना, परिरक्षण पैकिंग तथा भंडार गृह का स्थाक लेना।	
(छ)	स्टाक/मालसूची नियंत्रण तथा डिपो प्रबंध।	
(ज)	अतिरिक्त रद्दी माल, साइलेज तेल का निपटान करना।	

10. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

- (1) चुना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन व्यक्ति की परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निहित विभागीय परीक्षणों को उत्तीर्ण करना होगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और आचरण असन्तोषजनक रहा है, तो हो सकता है कि सरकार या तो उसे कार्यमुक्त कर दे या उसकी परिवीक्षा अवधि यथा अपेक्षित समय के लिए बढ़ा दे।
- (2) चुने हुए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शान्ति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए नियारित मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।
- (3) उन्हें निम्नलिखित वेतनमान देय हैं:—

(क)	सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल) 8000-275-13,500 रुपए कार्यकारी इंजीनियर (सिविल) 10000-325-15200 रुपए अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) 12000-375-16500 रुपए अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) 14300-400-18300 रुपए (चयन ग्रेड)
-----	---

- (4) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी नियारित शतों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षक इंजीनियर तथा मुख्य इंजीनियर उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रतीक्षा कर सकते हैं। अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की है और सम्बन्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।
- (5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होने पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों की यथा ग्राह्य अन्य सामान्य भत्तों जैसे मकान किराया भत्ता तथा नगर प्रतिपूरक भत्ता आदि के अलावा विहित दर पर विशेष प्रतिपूरक भत्ता और मुफ्त राशन के हकदार हैं। वे वर्दी के वास्ते परिसरज्ञ भत्तों के भी हकदार हैं।
- (6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" के पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर अनुशासन के मामले में थल सेना अधिनियम, 1950 लागू होगा।

11. इंजीनियर ग्रुप-क वायरलैस योजना और समन्वय स्कॅम/अनुश्रवण संगठन, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (दूरसंचार विभाग)।

- (क) वेतनमान रुपए 8,000-275-13,500
- (ख) ग्रेड में पांच वर्ष को सेवा के बाद इंजीनियरी के पदभारी सहायक वायरलैस सलाहकार, वायरलैस स्कॅम्स इंजीनियरी प्रभारी अनुश्रवण संगठन (वेतनमान रुपए 10,000-325-15,200 तथा सहायक वायरलैस सलाहकार के पद के लिए रु. 400/ प्रतिमास विशेष वेतन) के ग्रेड में रिक्तियों पर 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र हैं। सहायक वायरलैस इंजीनियर प्रभार के ग्रेड में उनका पदोन्नति ग्रुप के पदों के

लिए संगठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति के अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की जाएगी।

सहायक वायरलैस सलाहकार इंजीनियर प्रभारी ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलैस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप-वायरलैस सलाहकार उप-निदेशक वेतनमान रुपए 12,000-375-16,500 के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किए जाने के पात्र हैं। उप-वायरलैस सलाहकार उप-निदेशक के ग्रेड में रिक्तियां ग्रुप के सदों के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती हैं।

संयुक्त वायरलैस सलाहकार निदेशक डब्ल्यू एम (वेतनमान 18,400-500-22,400) प्रतिमाह और भारत सरकार के वायरलैस सलाहकार (वेतनमान रु. 22,400-525-24,500 प्रतिमाह) के अगले ग्रेडों में रिक्तियां ग्रुप 'क' के पदों के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती हैं।

अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं अनुत्तम आवश्यकता की है और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति के बावजूद रिक्ति की उपलब्धता घर होगी।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई हो सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समीक्षा के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) पदों से सम्बन्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—

(1) डब्ल्यू पी सी स्कन्ध वायरलैस मानिटरिंग संगठन के विभिन्न एककों के कर्मचारियों का पर्यवेक्षण, निदेशन तथा प्रशिक्षण।

(2) सम्बन्ध रेडियो आवृत्ति वर्ग कमों तथा विभिन्न प्रकार के इत्सर्जन को आवृत्त करने वाली रेडियो आवृत्ति मानीटर में प्रयुक्त इलैक्ट्रोनिकीकरण के विभिन्न वर्गों पर्टिना तथा सहायक उपकरणों को प्रतिष्ठापन, अंशालोधन, परीक्षण तथा अनुरक्षण।

(3) भिन्न-भिन्न प्रकार की रेडियो संचार सेवाओं के लिए

विभिन्न प्रायोजन विधानों/संगठनों में वायरलैस प्रतिष्ठानों का अनुज्ञान सहित विरीक्षण।

- (4) रेडियो आवृत्त वर्णकम तथा तुरंतकाली उपचार कक्षा के उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध सभी पहलू विधानों नियतन योजना का विभाग, संगत तकनीकी मानकों की स्थापना-उपचार का प्रकार-अनुमोदन वैश्वत चम्पकीय व्यवधान/संसंगति आदि का अध्ययन सम्मिलित हो।
- (5) सम्बद्ध राष्ट्रीय नियमों तथा विनियोगों की प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन सहित अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियोगों का प्रवर्तन।
- (6) प्रवीणता/रेडियो अव्यवसायी प्रभाग-घर आदि के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उसके लिए लाइसेंस जारी करना।
- (7) रेडियो आवृत्ति प्रबन्ध तथा चानीटरण से सम्बद्ध अनुसंधान तथा विकास कार्य करना।
- (8) अन्तर्राष्ट्रीय दूर इंतजार से संबंधित अन्य सम्बोधित अन्तर्राष्ट्रीय/व्हेट्रीय संगठनों की वैद्युतों तथा सम्बोधितों के लिए राष्ट्रीय संसद घर प्रत्यंध करना।

12. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण की सदृश्यता

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) और यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) (ग्रुप का घर) पदों पर अस्थायी औधार रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिए सेवा में उनका रखना परिवीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विवीक्षा पर यह अवधि बढ़ाव जा सकती है। उन्हें क्रमशः रुपए 8,000-375-13,500 के समय वेतनमान में वेतन मिलेगा। संतोषजनक रूप से उनकी परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के बोग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके व्यावधीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता हुई तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिकी इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई जाई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि की लिए किसी रक्षा सेवा द्वा भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होता।

किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिकी इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्त की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति तक बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाए जाते हैं उनके लिए पदोन्नति का क्षेत्र निम्नलिखित है :—	
(क) यात्रिकी इंजीनियर (कनिष्ठ) के लिए	रु. 8,000-275-13,500
(1) यात्रिकी इंजीनियर (वरिष्ठ)	रु. 10,000-325-15,200
(2) निदेशक यात्रिकी	रु. 12,000-375-16,500
(3) उप-महानिदेशक	रु. 18,400-500-22,400
यात्रिकी इंजीनियरिंग	
(4) वरिष्ठ उप-महानिदेशक (एस.टी.एस.एस.)	रु. 22,400-525-24,500

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण यात्रिकी इंजीनियर (कनिष्ठ) में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्व का स्वरूप ।

जी. एस. आई. में यात्रिक अधिवेशन (कनिष्ठ) के कर्तव्यों एवं दायित्वों का स्वरूप होगा : (क) लगभग 300 वाहनों की क्षमता का बाहन-समूह प्रबंधन, रोड, परिवहन प्राधिकरण तथा वाहनों की सही हालत आदि के अधिलेखों के रख-रखाव से जुड़े हुए सारे कार्यों के साथ कार्य क्षेत्रों में वाहनों की तैनाती, (ख) वाहनों/बरमा मशीन उपस्कर्तों तथा अन्य यात्रिक मशीन उपकरणों का उनके सर्वोत्तम प्रदर्शन/निवारक तथा मुख्य मरम्मतों हेतु रख-रखाव का दायित्व, (ग) (बरमा उपसाधनों प्रयोगशाला उपस्कर्तों के निर्माण कार्यों का प्रबंधन, विशेष वैज्ञानिक उपस्कर्तों आदि की अधिकल्पना तथा संविरचन रूपांतरण तथा सामान्य उद्देश्य के मशीन उपकरणों को रखने वाली मशीन शाखा (मशीन शाप) का रख-रखाव, (घ) इंजीनियरी शाखा में विभिन्न शिल्पों (ट्रेड्स) के तकनीशियनों, पर्यवेक्षकों का वैयक्तिक प्रबंधन, (ङ) उपस्कर्तों/वाहनों/मशीनरियों के अधिलेखों का अद्यतन तथा स्थापना का प्रबंधन, (च) वाहन उपस्कर्तों की अधिप्राप्ति हेतु तकनीकी विनिर्देशन को अंतिम रूप देना तथा उपस्कर्तों के निपटान का भी उत्तराधिकृत, (छ) अतिरिक्त पुरुजों/सामग्री सूचियों का प्रबंध न सहित, मांग पत्र (इंडेन्ट), प्राप्ति स्टाक अनुरक्षण सहित प्राप्ति ।

नोट

फ्लैक्सीबल कौमजीमेंटिंग स्कीम (एफसीएस) के भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में शीघ्र ही लागू होने की संभावना है ।

2. जीएसआई में अधियात्रिक संवगों अर्थात् ड्रिलिंग और मैक्रोनिकल इंजीनियर के ग्रुप ए सेवा अर्थात् उप-महानिदेशक और इसके नीचे के ग्रेड के विलय जीएसआई में एफसीएस के तहत भर्ती नियमों के अधिसूचित होने के बाद लागू किया जाएगा ।

13. भारतीय सर्वेक्षण युप 'क' सेवा :

नियुक्तियां दो वर्ष की अवधि के लिए, परिवीक्षा आधार पर होंगी ।

किन्तु शर्त यह है कि इस सम्बन्ध में नियंत्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार बढ़ा सकता है ।

आगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के समाप्ति के बाद सामान्यतः आठ

सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सूचित कर दिया जाएगा ।

परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समाप्ति पर जैसी भी स्थिति हो, यदि सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी स्थाई नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो इसके कारण लिखित रूप में रिकार्ड किए जाएं और सरकार उस अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उस पद पर वापस भेज सकती है जिसे वह उक्त सेवा में, जैसी भी स्थिति हो, नियुक्त से पहले धारण कर रहा था । परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण कोर्स पास करना होगा और अनुदेशों का पालन करना होगा तथा परीक्षाएं और परीक्षण पास (इसमें हिन्दी की परीक्षा भी शामिल है) करने होंगे जो सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि को सन्तोषजनक ढंग से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित किए जाएंगे ।

2. नियुक्त किए गए अधिकारियों को भारत और विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है ।

3. नियुक्त किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्णयों के अनुसार भारत और विदेश में ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेशों के विस्तृत पाठ्यक्रमों में जाना पड़ सकता है ।

4. इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए अधिकारी को आवश्यकता पड़ने पर भारत की रक्षा से संबद्ध किसी भी रक्षा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि भी शामिल है ।

किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोत्तर रूप से कार्य नहीं करना होगा ।

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोत्तर रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

5. याहू वेतनमान निम्न प्रकार है :—

कनिष्ठ वेतनमान 8000-275-13500 रु. ।

वरिष्ठ वेतनमान 10000-325-15200 रु. ।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 12000-375-16500 रु. ।

चयन ग्रेड 14300-400-18300 रु. ।

(कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) ।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 18400-500-22400 रु. ।

भारत का महासर्वेक्षक 22400-525-24500 रु. ।

6. पद से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप :

उप अधीक्षक सर्वेक्षण—भूगणित फोटोग्राफित मानचित्र कला और अंकीय मानचित्र के क्षेत्रों में अनुभागों/कैम्पों का पर्यवेक्षण करने के लिये सर्वेक्षण का कार्य अलग-अलग कार्यकर्ता के रूप में करने के साथ-साथ अनुभाग अधिकारी ऊपरी रूप में भी करना । यूनिट के तकनीकी तथा प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों में प्रभारी अधिकारी (अधीक्षक सर्वेक्षण की भी सहायता करना) ।

अधीक्षक सर्वेक्षण— पार्टी के प्रबन्ध करना और अनुशासन रखना, घण्डारों की अधिक्षका करना, रख-रखाव और परिशुद्ध लेखा-जोखा रखना, अपने अधिकार में होने वाली विधि की किफायत से व्यय करना, अपने सभी अधिकारियों और तैनात व्यक्तियों के अपने कार्यों (इयूटियों) और कार्यों के लिए सर्वोत्तम उपयुक्त सर्वेक्षण विधि में उचित प्रशिक्षण देना, समस्त तकनीकी कार्यों का निष्पादन और पर्यवेक्षण करना फिरुड प्रभाग, फेयर मानवित्र फोटोग्राफित और मानवित्रण आदि करना ।

उपनिदेशक— निदेशालय का सुचारू और कुशल संभालन करने में क्रियाशील निदेशक की सहायता करना, व्यावसायिक परीक्षणों, सर्किल की विधानीय पदोन्नति, समितियों की बैठकों का आयोजन करने हेतु सभी तकनीकी प्रशासनिक तथा विशेष प्रतिबेदनों तथा विवरणियों की समीक्षा करने, उनको पूरा करने और उन पर निगरानी रखने आदि का दायित्व संभालना, वस्तुली बोडी की बैठकों की अध्यक्षता करना, निविदाओं तथा सविदाओं को अंतिम रूप देना और निदेशक द्वारा सौंपे गये अन्य सभी कार्यों को सम्पन्न करना ।

निदेशक उपनिदेशक अध्यक्ष ग्रेड— सभी दायित्वों को संभालना, ग्रुप 'ग' के सभी कर्मचारियों की नियुक्ति अनुशासनिक अधिकारी के रूप में कार्य करना, सर्वेक्षण तथा मानवित्रण कार्यों से संबंधित तकनीकी समन्वय करना, निदेशन करना, उनकी देख-रेख करना और उन पर निगरानी रखना जिसमें राज्य सरकार, केन्द्रीय परियोजना प्राधिकारियों आदि को सलाह देना भी शामिल है, विशेष प्रबन्ध करना, बजट कार्य करना निदेशालय के समस्त व्यय पर निगरानी और नियंत्रण करना ।

अपर महा सर्वेक्षक— अपने प्रभार के अधीन आने वाले सर्किलों के तकनीकी, वैज्ञानिक, प्रशासनिक, मानव संसाधन विकास, वित्त एवं सेखा कार्य को दक्षतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु समग्र दायित्व संभालना । अपने प्रभार के अधीन आने वाले सभी सर्किलों के प्रशिक्षण क्षेत्रों और फेयर मानवित्रण आंगुलिकमानवित्रण और रैपरोग्राफी कार्यक्रमों तथा मुद्रण कार्य को अनिमाम रूप देना, निर्भारित मानवों के अनुसार तकनीकी कार्य की प्रगति पर निगरानी रखना तथा प्रत्येक अवस्था पर परिशुद्धि के स्तर को सुनिश्चित करना, कार्य की नवीन तकनीकी विधि को विकास करने/उसको अपनाने का दायित्व संभालना, अपने जोन में आने वाले सभी सर्वेक्षण मामलों पर, राज्य सरकार को परामर्श देना ।

बी. के. मिज, संयुक्त सचिव

“MINISTRY OF RAILWAYS (RAIL BOARD)

New Delhi, the 20th January, 2007

RULES

No. 2006/E(GR)I/18/2.—The Rules for a Combined Competitive Engineering Services Examination to be held by the Union Public Service Commission in 2007 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information.

CATEGORY I—CIVIL ENGINEERING

Group-A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts).
- (iii) Central Engineering Service.
- (iv) Military Engineer Service (IDSE) (Building and Roads Cadre).
- (v) Central Water Engineering Gr. 'A' (Civil Engineering Posts).
- (vi) Central Engineering Service (Roads), Group-A (Civil Engineering Posts).
- (vii) Assistant Executive Engineer (Civil Engg. Posts) (in Border Roads Engineering Service, Gr. 'A')
- (viii) Survey of India Service Gr. A (Civil Engg. Post)

CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING

Group-A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iii) Central Water Engineering Gr. 'A' (Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts).
- (v) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts).
- (vi) Assistant Executive Engineer Group 'A' (Mechanical Engineering Posts.) In the Corps of EME, M/o Defence.
- (vii) Assistant Naval Store Officer Grade-I (Mechanical Engineering Posts) in Indian Navy.
- (viii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (ix) Assistant Executive Engineer (Electrical and Mechanical) (Mechanical Engineering Posts) in Border Roads Engineering Service, Group 'A'.
- (x) Mechanical Engineer (Jr.) Group A in the Geological Survey of India.

CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING

Group-A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts).
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts).
- (iv) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts).

- (v) Military Engineer Service (IDSE) (Electrical and Mechanical Cadre) (Electrical Engineering Posts).
- (vi) Assistant Executive Engineer Group 'A' (Electrical Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.
- (vii) Assistant Naval Store Officer Grade-I (Electrical Engineering Posts) in Indian Navy.

CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

Group-A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts).
- (iii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts).
- (iv) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts).
- (v) Assistant Executive Engineer Group 'A' (Electronics and Telecommunication Engineering Posts) in the Corps of E.M.E. Ministry of Defence.
- (vi) Engineer GCS Group 'A' in the Wireless Planning Coordination Wing/Monitoring Organisation (M/o Communications & IT, Department of Telecommunications).
- (vii) Assistant Naval Store Officer Grade-I (Electronics & Telecom Engineering Posts) in Indian Navy.
- (viii) Survey of India Service Gr. A (Electronic and Telecommunication Engg. posts).

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one of the categories of Services/Posts viz. Civil Engineering or Mechanical Engineering or Electrical Engineering or Electronics & Telecommunication Engineering. A candidate who qualifies on the result of the written part of the examination will be required to indicate clearly in the detailed application form the Services/Posts for which he/she wishes to be considered in the order of preference. The candidate is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointment.

N.B. (i) Candidates are advised to indicate all the Services/Posts for which they are eligible in terms of the Rules in the order of preference in their detailed application form. In case a candidate does not give any preference for any Service/Post or does not include certain Services/Posts in his application form, it will be assumed that he has no

specific preference for those Services/Posts and in that event he shall be allocated to any of the remaining Services/Posts in the order as appearing in the notification and in which there are vacancies after allocation of candidates according to the Services/Posts of their preference.

(ii) No request for addition/alteration in the preferences indicated by a candidate in his detailed application form will be entertained by the Commission.

(iii) Departmental candidates are the candidates admitted to the examination under age relaxation [Vide Rule 5(b)]. Such candidates may give their preferences for the Services/Posts in other Ministries/Departments also.

(iv) Candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso and their preference for other Services and Posts, if any, will be ignored.

(v) The candidates will be allotted to various Services/Posts strictly in accordance with their merit position, preferences exercised by them and number of vacancies, subject to their medical fitness.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, the Other Backward Classes and physically disabled categories in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either:—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or Vietnam with the intention of permanently settling in India:

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary, may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on the 1st August, 2007 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1977 and not later than the 1st August, 1986.

(b) The upper age-limit of 30 years will be relaxable upto 35 years in the case of Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column 1 below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in column 2, for which they are otherwise eligible.

(i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.

(ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 2007.

Column 1	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.M.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.F I.R.S.S.
Central Public Works Department	C.P.W.S. Group 'A' C.E. & M.E.S. Group 'A'
Military Engineer Services Army Headquarters	Indian Defence Service of Engineers (IDSE)
Directorate General Ordnance Factories	I.O.F.S. Group 'A'
Central Water Commission	C.W.E. Service (Group 'A')
Wireless Planning and Coordination Wing/ Monitoring Organisation	Engineer Gr. 'A'
Indian Navy	Indian Naval Armament Service, Assistant Naval Store Officer Grade-I
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service
Geological Survey of India	Mechanical Engineer (Jr.) Gr. 'A'
Mechanical Service and Technology	Survey of India Service Group 'A'

Note.—The period of apprenticeship if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

- (c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable:
 - (i) Upto maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.
 - (ii) Upto maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.
 - (iii) Upto maximum of five years if a candidate had ordinarily been domiciled in the State of Jammu and Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
 - (iv) Upto maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence hereof.
 - (v) Upto maximum of five years in the case of Ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs, who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 2007 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 2007) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment.
 - (vi) Upto maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 2007 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
 - (vii) Upto a maximum of 10 years in the case of blind, deaf-mute and Orthopaedically handicapped persons.

NOTE I: Candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of Rule (5)(c) above, viz., those coming under the category of Ex-Servicemen, persons domiciled in the State of J&K, blind, deaf-mute and orthopaedically handicapped etc. will be eligible for grant of cumulative relaxation under both the categories.

NOTE II: The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Reemployment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

NOTE III : The age concession under Rule 5(c)(v) and (vi) will not be admissible to Ex-Servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs, who are released on own request.

NOTE IV : Notwithstanding the provision of age relaxation under Rule 5(c)(vii) above, a physically handicapped candidate will be considered to be eligible for appointment only if he/she (after such physical examination as the Government or appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found to satisfy the requirements of physical and medical standards for the concerned Service/Posts to be allocated to the physically handicapped candidate by the Government.

N.B. -The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS

PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by the Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from Register or Matriculates maintained by a University and that extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate.

No other document relating to age like horoscope affidavits, birth extracts from Municipal Corporation Service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction include the alternative certificates mentioned above.

NOTE 1: Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission and no subsequent request for its change will be considered or granted.

NOTE 2 : Candidate should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently (or at any other Examination

of the Commission) on any ground whatsoever.

6. A candidate must have—

- (a) obtained a Degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) passed Sections A and B of the Institution Examinations (of the Institution of Engineers (India); or
- (c) obtained a Degree/Diploma in Engineering, from such foreign University/College/ Institution and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or
- (d) passed Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Telecommunication Engineers (India); or
- (e) passed Associate Membership Examination Parts II and III/Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or
- (f) passed Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959 :

Provided that a candidate for the posts of Indian Naval Armament Service (Electronics Engg. Posts) and Engineer group A in may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below, namely:

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication Electronics, Radio Physics or Radio Engineering as a special subject.

NOTE 1.- A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the requisite qualifying examination alongwith the detailed application which will be required to be submitted by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination.

NOTE 2.—In exceptional cases the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 3—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All Candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as work charged employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application will be liable to be rejected/candidature will be liable to be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz., written Examination and Interview Test will be purely provisional, subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the written Examination or Interview Test it is found that they do not fulfil any of the eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A Candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene

language or pornographic matter in the script(s); or

- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) being in possession of or using any cellular/mobile phone/pager or any electronic equipment or device or any, other equipment capable of being used as a communication device during the examination; or
- (xii) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their admission certificate permitting them to take the examination; or
- (xiii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

May in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under the Government, to disciplinary action under the appropriate rules;

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test:

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may be summoned for an interview for a Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13 (i) After interview, the candidates will be

arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate. Thereafter, the Commission shall for the purpose of recommending candidates against unreserved vacancies, fix a qualifying mark (hereinafter referred to as general qualifying standard) with reference to the number of unreserved vacancies to be filled up on the basis of the examination. For the purpose of recommending reserved category candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes, against reserved vacancies the Commission may relax the general qualifying standard with reference to number of reserved vacancies to be filled up in each of these categories on the basis of the examination:

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have not availed themselves of any of the concessions or relaxations in the eligibility or the selection criteria at any stage of the examination and who after taking into account the general qualifying standards are found fit for recommendation by the Commission shall not be recommended against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes.

(ii) While making service allocation, the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes recommended against unreserved vacancies may be adjusted against reserved vacancies by the Government if by this process they get a service of higher choice in the order of their preference.

(iii) The Commission may further lower the qualifying standards to take care of any shortfall of candidates for appointment against unreserved vacancies and any surplus of candidates against reserved vacancies arising out of the provisions of this rule, the Commission may make the recommendation in the manner prescribed in sub-rule (iv) and (v).

(iv) While recommending the candidates, the Commission shall, in the first instance, take into account the total number of vacancies in all categories. This total number of recommended candidates shall be reduced by the number of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who acquire the merit at or above the fixed general qualifying standard without availing themselves of any concession or relaxation in the eligibility or selection criteria in terms of the proviso to sub-rule (i). Along with this list of recommended candidates, the Commission shall also declare a consolidated reserve list of candidates, which will include candidates from general and reserved categories ranking in order of merit below the last recommended candidate under each category. The number of candidates in each of these categories will be equal to the number of reserved category candidates who were included in the first list without availing of any relaxation or concession in eligibility or selection criteria as per proviso

to sub-rule (i). Amongst the reserved categories, the number of candidates from each of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes categories in the reserve list will be equal to the respective number of vacancies reduced initially in each category.

(v) The candidates recommended in terms of the provisions of sub-rule (iv), shall be allocated by the Government to the services and where certain vacancies still remain to be filled up, the Government may forward a requisition to the Commission requiring it to recommend, in order of merit, from the reserve list, the same number of candidates as requisitioned for the purpose of filling up the unfilled vacancies in each category.

14. The minimum qualifying marks as specified under rules 12 and 13 may be relaxable at the discretion of the Commission in favour of physically handicapped candidates in order to fill up the vacancies reserved for them:

Provided that where a physically handicapped candidate obtains the minimum qualifying marks in his own merit in the requisite number for General or the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes category candidates, then, the extra physically handicapped candidates, i.e., more than the number of vacancies reserved for them, shall not be recommended by the Commission on the relaxed standards.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/Posts at the time of their application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such an enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

18. To be passed as fit for appointment, a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be prescribe is found not to satisfy these requirements will not be appointed.

THE ATTENTION OF THE CANDIDATES IS INVITED TO THE REGULATION RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION PUBLISHED HEREWIT. IT WILL BE SEEN THEREFROM THAT THE PHYSICAL

STANDARDS PRESCRIBED VARY FOR DIFFERENT SERVICES. THE CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED TO KEEP THESE STANDARDS IN VIEW WITH SPECIFIC REFERENCE TO SERVICES FOR WHICH THEY HAVE COMPETED/EXPRESSED PREFERENCES TO THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL RECEIVE SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD). IF NO COMMUNICATION IS RECEIVED WITHIN 15 DAYS OF THE DECLARATION OF THE FINAL RESULT, PLEASE CONTACT MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD).

The candidates may also please note that:

- (i) Every candidate, finally qualified, will have to undergo a medical examination as and when decided by Ministry of Railways (Railways Board) irrespective, of the fact that he/she has appeared for such medical examination in the past and found fit or unfit on the basis of earlier examination.
- (ii) The medical examination will be conducted at various Railway Hospitals, the date and place will be at the discretion of the Ministry of Railways (Railway Board). The findings of the Railway Medical Board will be taken as final and binding for all allotment purposes.
- (iii) A sum of Rs. 100/- Rupees (One Hundred Only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (iv) No travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination, and
- (v) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

Note.—In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination.

Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled/Ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of each service.

19. For being considered against the vacancies reserved for them, the physically disabled persons should have disability of Forty per cent (40%) or more. However, such candidates shall be required to meet one or more of the following physically requirements/abilities which may be necessary for performing the duties in the concerned

Services/Posts :—

CODE PHYSICAL REQUIREMENTS

F	1.	Work performed by manipulating (with Fingers).
PP	2.	Work performed by pulling and pushing.
L	3.	Work performed by lifting.
KC	4.	Work performed by kneeling and Crouching.
B	5.	Work performed by bending.
S	6.	Work performed by sitting (on bench or chair).
ST	7.	Work performed by standing.
W	8.	Work performed by walking.
SE	9.	Work performed by seeing.
H	10.	Work performed by hearing/speaking.
RW	11.	Work performed by reading and writing.

The functional classification in their case shall be, one or more of the following, consistent with the requirements of the concerned Services/Posts:

FUNCTIONAL CLASSIFICATION

CODE FUNCTIONS

BL	1.	both legs affected but not arms.	
BA	2.	both arms affected	a. impaired reach
			b. weakness of grip.
BLA	3.	both legs and both arms affected.	
OL	4.	one leg affected	
		(R or L)	a. impaired reach
			b. weakness of grip.
			c. at axic
OA	5.	one arm affected	a. impaired reach
		(R or L)	b. weakness of grip
			c. at axic.
BH	6.	stiff back and hips (cannot sit or stoop)	
MW	7.	muscular weakness and limited physical endurance.	
B	8.	the blind.	
PB	9.	partially blind.	
D	10.	the deaf.	
PD	11.	partially deaf.	
	20.	No person :—	
		(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or	
		(b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service:	

Provided that Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the

personal law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to pass after entry into service.

22. Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made, through this examination are given in Appendix III.

MAMTA KANDWAL, Dy. Director, Railway Board
APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan:—

Part I. The written examination will comprise two sections Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Telecommunications Engineering. The Standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details of the written examination i.e. subject are given in para 2 below.

Part II Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination:—

Subject	Duration	Maximum Marks
(1)	(2)	(3)
Category-I CIVIL ENGINEERING		
Section-I Objective Papers—		
General Ability Test	2 hrs.	200
(Part A : General English)		
(Part B : General Studies)		
Civil Engineering Paper-I	2 hrs.	200
Civil Engineering Paper-II	2 hrs.	200
Section II—Conventional Papers		
Civil Engineering Paper-I	3 hrs.	200
Civil Engineering Paper-II	3 hrs.	200
TOTAL		1000

Subject	Duration	Maximum Marks
(1)	(2)	(3)
Category-II MECHANICAL ENGINEERING		
Section-I Objective Papers—		
General Ability Test	2 hrs.	200
(Part A : General English)		
(Part B: General Studies)		
Mechanical Engineering	2 hrs.	200
Paper-I		
Paper-II		
Mechanical Engineering	2 hrs.	200
Section II—Conventional Papers		
Mechanical Engineering	3 hrs.	200
Paper-I		
Mechanical Engineering	3 hrs.	200
Paper-II		
TOTAL		1000

Category-III ELECTRICAL ENGINEERING		
Section I Objective Papers	2 hrs.	200
General Ability Test		
(Part A : General English)		
(Part B : General Studies)		
Electrical Engineering Paper-I	2 hrs.	200
Electrical Engineering Paper-II	2 hrs.	200
Section II—Conventional Papers		
Electrical Engineering Paper-I	3 hrs.	200
Electrical Engineering Paper-II	3 hrs.	200
TOTAL		1000

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING		
Section-I—Objective Papers	2 hrs.	200
General Ability Test		
(Part A : General English)		
(Part B : General Studies)		
Electronics and Telecommunication	2 hrs.	200
Engineering Paper I		
Electronics and Telecom		
Imunication		
Engineering Paper II		
Section II—Conventional Papers		
Electronics and Telecommunication	3 hrs.	200
Engineering Paper I		
Electronics and Telecommunication		
Engineering Paper II		
TOTAL		1000

Note: Candidates are advised to read carefully special instructions to candidates for conventional type tests and objective type tests given in Appendix-IV (Part A and Part B) including the procedure regarding filing in the Answer Sheet of objective type tests in the Examination Hall published in the Employment News/Rozgar Samachar dated 20-1-2007.

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English. Question paper will be set in English only.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix minimum qualifying marks in any or all the papers of the examination. The Objective Type papers as contained in Section-I of the Plan of the Examination will be evaluated first and evaluation of the Conventional Type papers contained in Section-II of the Plan of examination will be done only of those candidates who obtain the minimum qualifying marks in Objective Types papers, as fixed by the Commission.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to five per cent of the maximum marks for the written papers will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional papers of the examination.

10. In the question papers, wherever required, SI units will be used.

Note :—Candidates will be supplied with standard tables/charts in SI units in the Examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test booklets). They should not therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5 etc.) while answering question papers.

SCHEDULE TO APPENDIX I.

Standard and Syllabi

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree Examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ABILITY TEST

Part A : General English: The question paper in General English will be designed to test the candidates' understanding of English and workman like use of words.

Part B : General Studies : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

CIVIL ENGINEERING

(for both objective and conventional type papers)

PAPER-I

1. BUILDING MATERIALS

Timber : Different types and species of structural timber, density-moisture relationship, strength in different directions, defects, influence of defects on permissible stress, preservation, dry and wet rots, codal provisions for designs. Plywood.

Bricks : Types, Indian Standards classification, absorption, saturation factor, strength in masonry, influence of mortar strength on masonry strength.

Cement : Compounds of, different types, setting times, strength.

Cement Mortar : Ingredients, proportions, water demand, mortars for plastering and masonry.

Concrete : Importance of W/C Ratio, strength ingredients including admixtures, workability, testing for

strength, elasticity, non-destructive testing, Non-Design methods.

2. SOLID MECHANICS

Elastic constants, stress-strain relationship, principle of superposition, principle of superposition of stress, strains, plane strain, plane stress, pure shear, combined stress; Elastic theories of failure, Stresses bending, shear; Torsion of circular and rectangular sections and simple members.

3. STRUCTURAL ANALYSIS

Analysis of determinate structures—different methods including graphical methods.

Analysis of indeterminate skeletal frames—moment distribution, slope deflection, stiffness and force methods, energy methods, Muller-Breslau principle and application.

Plastic analysis of indeterminate beams and simple frames—shape factors.

4. DESIGN OF STEEL STRUCTURES

Principles of working stress method/Design of connections, simple members, Built-up sections and frames. Design of Industrial roofs. Principles of ultimate load design. Design of simple members and frames.

5. DESIGN OF CONCRETE AND MASONRY STRUCTURES

Limit state design of beams, columns, axial compression and combined forces. Design of slabs, beams, walls and footings. Working stress method of design of R.C. members.

Principles of pre-stressed concrete design, materials, methods of prestressing, types of sections of simple members and the analysis of these. Introduction of prestressing of indeterminate structures.

Design of brick masonry as per R.S. Codes.

6. CONSTRUCTION PRACTICE, PLANNING AND MANAGEMENT

Concreting Equipment:

Weight Batcher, mixer, vibrators, matching plant, concrete pump.

Cranes, hoists, lifting equipment, Earthwork Equipment:

Power shovel, heel, dozer, dumper, trailers and tractor, rollers, sheep foot rollers, pavers.

Construction, Planning and Management:

Bar chart, linked bar chart, work-break down structures. Activity-on-arrow diagrams, Critical path, probabilistic activity durations, Event-based networks, PERT network; Time-cost study, crashing, resource allocation.

PAPER-II

1. (a) FLUID MECHANICS, OPEN CHANNEL FLOW, PIPE FLOW

Fluid Properties, Pressure, Thrust, Buoyancy, Flow kinematics; Integration Flow equations, Flow measurement; Relative Motion, Moment of momentum, Viscosity, Boundary layer and control; Drag, Lift : Dimensional

Analysis. Modelling Cavitation; Flow Oscillations; Momentum and Energy principles in open channel flow. Flow controls. Hydraulic jump. Flow section and properties; Normal flow. Gradually varied flow : Surges, Flow development and losses in pipe flows, Measurement, Siphons, Surges and Water hammer. Delivery of Power, Pipe networks.

(b) HYDRAULIC MACHINES AND HYDRO POWER

Centrifugal pumps, types, performance parameters, scaling pumps in parallel. Reciprocating pumps, air vessels, performance parameters. Hydraulic ram. Hydraulic turbines types, performance parameters/controls, choice, power houses, classification and layout, storage, pondage, control of supply.

2. (a) HYDROLOGY

Hydrological cycle, precipitation and related data analysis, PMP unit and synthetic hydrographs; Evaporation and transpiration; Floods and their management, PMF; Streams and their gauging : River morphology; Routing of floods; Capacity of Reservoirs.

(b) WATER RESOURCES ENGINEERING

Water resources of the globe ; Multipurpose uses of Water: Soil-Plant-Water relationship, irrigation systems, water demand assessment; Storages and their yields; Ground water yield and well hydraulics; Water-logging, drainage design; Irrigation revenue; Design of rigid boundary canals, Lacey's and Tractive force concepts in canal design, lining of canals; Sediment transport in canals; Non-overflow and overflow sections of gravity dams and their design. Energy dissipators and tailwater rating; Design of headworks distribution works, falls, cross-drainage works, outlets; River training.

ENVIRONMENTAL ENGINEERING

3. (a) WATER SUPPLY ENGINEERING

Sources of Supply, yields, design of intakes and conductors; Estimation of demand; Water quality standards. Control of Water-borne diseases; Primary and secondary treatment detailing and maintenance of treatment units; Conveyance and distribution systems of treated water, leakages and control; Rural water supply; Institutional and industrial water supply.

(b) WASTE WATER ENGINEERING

Urban rain water disposal : Systems of sewage collection and disposal; Design of sewers and sewerage systems; pumping. Characteristics of sewage and its treatment. Disposal of products of sewage treatment, stream flow rejuvenation; Institutional and industrial sewage management; Plumbing Systems; Rural and semi-urban sanitation.

(c) SOLID WASTE MANAGEMENT

Source, classification, collection and disposal; Design and Management of Landfills.

(d) AIR AND NOISE POLLUTION AND ECOLOGY

Sources and effects of air pollution, monitoring of air pollution; Noise pollution and Standards; Ecological chain and balance. Environmental assessment.

4. (a) SOIL MECHANIC'S

Properties of soils, classification and inter relationship. Compaction behaviour, methods of compaction and their choice: Permeability and seepage, flownets. Inverted filters; Compressibility and consolidation; Shearing resistance. Stresses and failure; Soil testing in laboratory and in situ; Stress path and applications; Earth pressure, theories. Stress distribution in soils; Soil exploration, samplers, load tests penetration tests.

(b) FOUNDATION ENGINEERING

Types of foundations. Selection criteria, bearing capacity, settlement laboratory and field tests; Types of piles and their design and layout. Foundations on expansive soils, swelling and its prevention foundation on swelling soils.

5. (a) SURVEYING

Classification of surveys scales accuracy; Measurement of distances—direct and indirect methods; optical and electronic devices; Measurement of directions, prismatic compass, local attraction; Theodolites-types; Measurement of elevations-Spirit and trigonometric levelling. Relief representation-Contours; Digital elevation modelling concept; Establishment of control by triangulation and traversing—measurements and adjustment of observations computation of coordinates; Field astronomy. Concept of global positioning system : Map preparation by plane tabling and by photogrammetry. Remote sensing concepts, map substitutes.

(b) TRANSPORTATION ENGINEERING

Planning of highway systems, alignment and geometric design horizontal and vertical curves, grade separation; Materials and construction methods for different surfaces and maintenance; Principles of pavement design; Drainage, Traffic Surveys; Intersection, Signalling; Mass transit System, accessibility networking.

Tunnelling, alignment methods of construction, disposal of muck, drainage lighting and ventilation, traffic control, emergency management.

Planning of railway systems, terminology and designs relating to gauge, track, controls transits, rolling stock, tractive power and track modernisation; Maintenance, Appurtenant works, Constatinnerisation.

Harbours—layouts, shipping lane, anchoring, location identification; Literal transport with erosion and deposition; Sounding methods; Dry and wet docks, components and operations; Tidal data and analysis.

Airports—layout and orientation; Runway and Taxiway; design and drainage management; Zoning laws, Visual aids and air traffic control: helipads, hangers, service equipment.

MECHANICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

PAPER—I

1. Thermodynamics, Cycles and IC Engines, Basic concepts. Open and Closed systems. Heat and work, Zeroth First and Second Law, Application to non-flow and Flow processes. Entropy, Availability, Irreversibility and TDS relations. Clapeyron and real gas equations. Properties of ideal gases and vapours. Standard vapour. Gas power and Refrigeration cycles. Two stage compressor. C.I. and S.I. Engines. Pre-ignition. Detonation and Diesel-knock, Fuel injection and Carburation. Supercharging Turbo-prop and Rocket engines. Engine Cooling. Emission and Control, Fuel gas analysis. Measurement of Calorific values. Conventional and Nuclear fuels. Elements of Nuclear power production.

2. Heat Transfer and Refrigeration and Airconditioning Modes of heat transfer. One dimensional steady and unsteady condition. Composite slab and Equivalent Resistance. Heat dissipation from extended surfaces. Heat exchangers. Overall heat transfer coefficient. Empirical correlations for heat transfer in laminar and turbulent flows and for free and forced Convection. Thermal boundary layer over a flat plate. Fundamentals of diffusive and convective mass transfer. Block, body and basic concepts in Radiation. Enclosure theory. Shape factor. Network analysis. Heat pump and Refrigeration cycles and systems. Refrigerants. Condensers. Evaporators and expansion devices. Psychrometry, Charts and application to airconditioning. Sensible heating and cooling. Effective temperature, Comfort indices. Load calculations. Solar refrigeration. Controls, Duct design.

3. FLUID MECHANICS

Properties and classification of fluids, Manometry. Forces on immersed surfaces. Center of pressure. Buoyancy, Elements of stability of floating bodies. Kinematics and Dynamics, irrotational and incompressible, inviscid flow, velocity potential, Pressure field and Forces on immersed-bodies Bernoulli's equations. Fully developed flow through pipes. Pressure drop calculations. Measurement of flow rate and Pressure, drop. Elements of boundary layer theory. Integral approach. Laminar and turbulent flows. Separations, Flow over weirs and notches. Open channel flows. Hydraulic jump. Dimensionless numbers Dimensional analysis. Similitude and modelling. One-dimensional isentropic flow. Normal shock wave. Flow through convergent—divergent ducts. Oblique shockwave, Rayleigh and Fanno lines.

4. FLUID MACHINERY AND STREAM GENERATORS

Performance, Operation and control of hydraulic Pump and impulse and reaction Turbines. Specific speed Classification. Energy transfer. Coupling Power, transmission. Steam generators. Fire-tube and water-tube boilers. Flow of steam through nozzles and diffusers, Wetness and condensation. Various types of steam and gas turbines Velocity diagrams. Partial admission Reciprocating, Centrifugal and axial flow Compressors, Multi-stage compression, role of Mach Number, Reheat, Regeneration, Efficiency, Governance.

PAPER—II

5. THEORY OF MACHINES

Kinematic and dynamic analysis of planer mechanisms. Cams, Gears and gear trains. Flywheels, Governors, Balancing of rigid rotor and field balancing. Balancing of single and multicylinder engines. Linear vibration analysis of mechanical systems. Critical speeds and whirling of shafts. Automatic Controls.

6. MACHINE DESIGN

Design of Joints: collars, keys, spines, welded joints, threaded fasteners, joints formed by interference fits.

Design of friction drives: couplings and clutches, belt and chain drives, power screws.

Design of Power transmission systems: gears and gear drives, shaft and axle, wire ropes.

Design of bearings, Hydrodynamic bearings and rolling element bearings.

7. STRENGTH OF MATERIALS

Stress and strain in two dimensions. Principal stresses and strains, Mohr's construction, linear elastic materials, isotropy and anisotropy, stress-strain relations, uniaxial loading, thermal stresses. Beams: Bending moment and shear force diagram, bending stresses and deflection of beam. Shear stress distribution. Torsion of shafts, helical springs. Combined stresses, thick-and thin walled pressure vessels. Struts and Columns. Strain energy concepts and theories of failure.

8. ENGINEERING MATERIALS

Basic concepts on structure of solids. Crystalline materials, Defects in crystalline materials. Alloys and binary phase diagrams, structure and properties of common engineering materials. Heat treatment of steels. Plastics, Ceramics and composite materials. Common applications of various materials.

9. PRODUCTION ENGINEERING

Metal Forming: Basic Principles of Forming, drawing and extrusion; High energy rate forming; Powder metallurgy.

Metal Casting: Die casting, investment casting, Shell Moulding, Centrifugal Casting, Gating and Riser design; melting furnaces.

Fabrication Processes: Principles of Gas, Arc, Shielded arc Welding; Advanced Welding Processes; weldability; Metallurgy of Welding.

Metal Cutting: Turning, Methods of Screw Production, Drilling, Boring, Milling, Gear Manufacturing. Production of flat surfaces Grinding and Finishing Processes. Computer Controlled Manufacturing Systems—CNC, DNC, FMS, Automation and Robotics.

Cutting Tool Materials, Tool Geometry Mechanism of Tool Wear, Tool Life and Machinability; Measurement of cutting forces. Economics of Machining. Unconventional Machining. Processes, Jigs and Fixtures.

Fits and tolerances. Measurement of surface texture. Comparators, Alignment tests and reconditioning of Machine Tools.

10. INDUSTRIAL ENGINEERING

Production, Planning and Control: Forecasting—Moving average exponential smoothing. Operations scheduling; assembly line balancing Product development. Break-even analysis, capacity planning, PERT and CPM..

Control Operations: Inventory Control—ABC analysis EOO model. Materials requirement planning Job. design. Job standards. Work measurement. Quality management—Quality analysis and control.

Operations Research : Linear programming — Graphical and Simplex methods. Transportation and assignment models. Single server queuing model.

Value Engineering : Value analysis for cost/value.

11. ELEMENTS OF COMPUTATION

Computer Organisation, Flow charting. Features of Common Computer Languages—FORTRAN, d' Base III. Lotus 1-2-3, C and elementary programming.

ELECTRICAL ENGINEERING

(for both objective and conventional type papers)

PAPER—I

1. KM Theory

Electric and magnetic fields. Gauss's Law and Ampere's Law, Fields in dielectrics, conductors and magnetic materials. Maxwell's equations. Time varying fields. Plane-Wave propagation in dielectric and conducting media. Transmission lines.

2. Electrical Materials

Band Theory. Conductors, Semi-conductors and Insulators. Super-Conductivity. Insulators for electrical and electronic applications. Magnetic materials. Ferro and ferrimagnetism. Ceramics, properties and applications Hall effect and its applications. Special semiconductors.

3. Electrical Circuits

Circuit elements. Kirchoff's Laws Mesh and nodal analysis. Network theorems and applications. Natural response and forced response. Transient response and steady-state response for arbitrary inputs. Properties of networks in terms of poles and zeros. Transfer function. Resonant circuits. Three-phase circuits Two-port network. Elements of two-element network synthesis.

4. Measurements and Instrumentation

Units and Standards, Error analysis. Measurement of current. Voltage Power, Power-factor and energy. Indicating instruments. Measurement of resistance inductance. Capacitance and frequency. Bridge Measurements. Electronic measuring instrument, digital voltmeter and frequency counters. Transducers and their applications to the measurement of non-electrical quantities like temperature, pressure, flow-rate, displacement, acceleration, noise level etc. Data acquisition systems. A/D and D/A Converters.

5. Control Systems

Mathematical modelling of physical systems. Block diagrams and signal flow graphs and their reduction. Time

domain and frequency domain analysis of linear dynamical system. Errors for different types of inputs and stability criteria for feedback systems. Stability analysis using Routh-Hurwitz array, Nyquist plot and Bode plot. Root locus and Nichols chart and the estimation of gain and phase margin. Basic concepts of compensator design. State variable matrix and its use in system modelling and design. Sampled data system and performance of such a system with the samples in the error channel. Stability of sampled data system. Elements of nonlinear control analysis. Control system component, electromechanical hydraulic pneumatic components.

PAPER—II

1. Electrical Machines and power transformers

Magnetic Circuits—Analysis and Design of Power transformers. Construction and testing. Equivalent circuits, losses and efficiency Regulation. Auto-transformer. 3-phase transformer. Parallel operation.

Basic concepts in rotating machines. EMF, torque, basic machine types. Construction and operation, leakage, losses and efficiency.

D.C. Machines Construction. Excitation methods, Circuit models. Armature reaction and commutation. Characteristics and performance analysis. Generators and motors. Starting and speed control. Testing Losses and efficiency.

Synchronous Machines. Construction Circuit model. Operating characteristics and performance analysis. Synchronous reactance. Efficiency. Voltage regulation. Salient pole machine. Parallel operation. Hunting. Short circuit transients.

Induction Machines Construction—Principle of operation. Rotating fields. Characteristics and performance analysis. Determination of circuit model. Circle diagram. Starting and speed control.

Fractional KW motors. Single-phase synchronous and induction motors.

2. Power Systems

Types of power Station Hydro, Thermal and Nuclear Stations. Pumped storage plants. Economics and operating factors.

Power transmission lines. Modelling and performance characteristics. Voltage control. Load flow studies. Optimal power system operation. Load frequency control. Symmetrical short circuit analysis. Z-Bus formulation Symmetrical Components. Per unit representation. Fault analysis. Transient and steady-state stability of power systems. Equal area criterion.

Power system Transients. Power system Protection Circuit breakers Relays. HVDC transmission.

3. Analog and Digital Electronics and Circuits

Semiconductor device physics, PN junctions and transistors, circuits Models and parameters, FET Zener tunnel, Schotky, photo diodes and their applications,

rectifier circuits voltage regulators and multipliers, switching behaviour diodes and transistors.

Small signal amplifiers biasing circuits, frequency response and improvement, multistage amplifiers and feedback amplifiers, D.C. amplifiers, Oscillators, Large signal amplifiers, coupling methods, push pull amplifiers, operational amplifiers, wave, shaping circuits. Multivibrators and flip-flops and their applications. Digital logic gate families, universal-gates-combinational circuits for arithmetic and logic operation sequential logic circuits. Counters Registers, RAM and ROMs.

4. Microprocessors

Microprocessor architecture—Instruction set and simple assembly language programming. Interfacing for memory and I/O. Applications of Microprocessors in power system.

5. Communication Systems

Types of modulation; AM, FM and PM. Demodulators. Noise and bandwidth consideration. Digital communication systems. Pulse code modulation and demodulation. Elements of sound and vision broadcasting. Carrier communication. Frequency division and time division multiplexing. Telemetry system in power engineering.

6. Power Electronics

Power Semiconductor devices, Thyristor, Power transistor, GTOs and MOSFETs. Characteristics and operation. AC to DC Converters. 1-phase and 3-phase DC to DC Converters.

AC regulators. Thyristor controlled reactors, switched capacity networks.

Inverters: Single-phase and 3-phase Pulse width modulation Sinusoidal modulation with uniform sampling. Switched mode power supply.

ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

PAPER—I

1. Materials and components

Structure and properties of Electrical Engineering materials Conductors, Semi-conductors and Insulators, Magnetic, Ferroelectric, piezoelectric Ceramic, Optical and Superconducting materials. Passive components and characteristics Resistors, Capacitors and Inductors: Ferrites, Quartz crystal, Ceramic resonators, Electromagnetic and electro-mechanical components.

2. Physical Electronics, Electron Devices and ICs

Electrons and holes in semiconductors. Carrier Statistics, Mechanism of current flow in a semiconductor, Hall effect. Junction theory; Different types of diodes and their characteristics; Bipolar Junction transistor; Field effect transistors; Power switching devices like SCRs, CTOs, power MOSFETs; Basics of ICs-bipolar, MOS and CMOS types; Basics of Opto-Electronics.

3. Signals and Systems

Classification of signals and systems; System modelling in terms of differential and difference equations; State variable representation; Fourier series; Fourier transforms and their application to system analysis; Laplace transforms and their application to system analysis; Convolution and superposition integrals and their applications; Z-transforms and their applications to the analysis and characterisation of discrete time systems; Random signals and probability, Correlation functions; Spectral density; Response of linear system to random inputs.

4. Network Theory

Network analysis techniques; Network theorems, transient response steady state sinusoidal response; Network graphs and their applications in network analysis; Tellegen's theorem. Two port networks: Z, Y, h and transmission parameters. Combination of two ports analysis of common two ports. Network functions; parts of network functions; obtaining a network function from a given part. Transmission criterion: delay and rise time. Elmore's and other definition effect of cascading Elements of network synthesis.

5. Electromagnetic Theory

Analysis of electrostatic and magnetostatic fields; Laplace's and Poisson's equations; Boundary value problems and their solutions; Maxwell's equations; application to wave propagation in bounded and unbounded media; Transmission lines: basic theory, standing wave, matching applications microstrip lines; basics of waveguides and resonators, Elements of antenna theory.

6. Electronic Measurement and Instrumentation

Basic concepts standards and error analysis; Measurements of basic electrical quantities and parameters; Electronic measuring instruments and their principles of working, analog and digital, comparison characteristics, applications Transducers; Electronic measurements of nonelectrical quantities like temperature, pressure, humidity etc. Basics of telemetry for industrial use.

PAPER—II

1. Analog Electronic Circuits

Transistor biasing and stabilization, small-signal analysis. Power amplifiers Frequency response, Wide banding techniques Feedback amplifiers Tuned amplifier? Oscillators, Rectifiers and power supplies Op Amp PLL other linear integrated circuits and applications Pulse shaping circuits and waveform generator.

2. Digital Electronic Circuits

Transistor as a switching element; Boolean algebra simplification of Boolean functions, Karnaugh map and applications' IC Logic gates and their characteristics; IC logic families: DTL, TTL, ECL, NMOS, PMOS and CMOS gates, and their comparison Combinational logic circuits; Half adder Full adder, Digital components Multiplexer, Demultiplexer, ROM and their applications, Shifters, R-S,

J K., D and T np-nops; Different types of counters and resistors; Waveform generators. A/D and D/A converters. Semi-conductor memories.

3. Control Systems

Transient and steady state response of control systems, Effect of feedback on stability and sensitivity; Root locus techniques; Frequency response analysis Concepts of gain and phase margins; Constant-M and Constant-N Nichols's Chart; Approximation of transient response from Constant-N Nichols Chart; Approximation of transient response from closed loop frequency response; Design of Control systems Compensators; Industrial controllers.

4. Communication Systems

Basic information theory. Modulation and detection in analogue and digital systems; Sampling and data reconstruction Quantization & Coding; Time division and frequency division multiplexing. Equalisation; Optical Communication in free space and fibre optic; Propagation of signals at HF, VHF, UHF and microwave frequency; Satellite Communication.

5. Microwave Engineering

Microwave Tubes and solid state devices, Microwave generation and amplifiers, Waveguides and other Microwave Components and Circuits Microstrip circuits, Microwave Antennas, Microwave Measurements, Masers Lasers; Microwave propagation. Microwave Communication systems—terrestrial and Satellite based.

6. Computer Engineering

Number Systems; Data representation; Programming;

Elements of a high level programming language PASCAL/C. Use of basic data structures; Fundamentals of computer architecture; Processor design; Control unit design; Memory organisation. I/O System Organisation, Micro-processors: Architecture and instruction set of micro-processors 8085 and 8086. Assembly language programming. Micro-processor based system design: typical examples. Personal computers and their typical uses.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard, the regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared Fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

Note: The Medical Board while conducting medical examination of the candidates who have applied against the posts reserved for physically

handicapped category will keep in view the relevant provisions of the Persons with Disabilities (Equal Opportunity, Protection of Right and Full Participation) Act, 1995 wherein the extent of permissible disability has been defined.

2(a) The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

(b) To be passed as fit for appointment, a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties on his/her appointment.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo Indian) race, it is left to the Medical Board to use whether correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be Hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

However, the X-ray of the chest will be done in respect of only such candidates who are directed to appear before the Medical Board for Part II of the medical examination.

(b) However, for certain Services the Minimum standards for height and chest girth, without which candidate cannot be accepted are as follows:—

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal), Central Engineering Service Group A, CES (Roads), Central Electrical & Mechanical Engineering Service Group A in the C.P.W.D. Military Engineering services, CWES.			
(a) For Male Candidates	152cm	84cm	5cm
(b) For Female Candidates	150cm	79cm	5cm

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate, belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribes, etc. whose average height is distinctly lower.

(c) For the Military Engineering Service and Indian Ordnance Factories Service Group A, minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

4. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet, he will stand erect without rigidly and with the heels, caves,

[भाग I—खण्ड I]

buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be repressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetres to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulders blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 83-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighted and his weight recorded in kilograms—fraction of a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

- (i) **General.**—The candidate's eyes will be subjected to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for Service.
- (ii) **Visual Acuity.**—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the conditions of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :

Service	Distant Vision		Near Vision		(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye					
(corrected Vision)			(corrected Vision)						
A. Technical									
1 : Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal)	6/6 OR 6/9	6/12 6/9	J/I	J/II					

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2. Central Engineering Service Group A, Central Electrical and Mechanical Engineering Service	6/6 6/9	6/12 OR 6/9	J/I	J/II
Group A. Central Water Engineering Service Group A. Central Power Engineering Service				
Group A. Central Engineering Service (Roads). Group A Engineer Gr. 'A' in the Wireless Planning and Coordination Wing/ Monitoring Organisation				
Indian Naval Armament Service. Indian Naval Stores Officer Indian Ordnance Factories Service Group A. Border Roads Engineering Service, Group 'A'.				
3. Assistant Executive Engineer (Group 'A') in the Corps of EME	6/6 6/9	6/18 Or 6/9	J/I	J/II
Military Engineer Service Group 'A'.				
B. Non-Technical				
4. Indian Railway Stores Service and Mechanical Engineer (Jr.) Gr. A in G.S.I.	6/9	6/12	J/I	J/II

Note (1): (a) In respect of the Technical Service mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed—400 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +400D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special boards of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is Pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia funds examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

(c) Radial Keratotomy/laser Correction etc. shall be considered as disqualification for appointment in Railway Technical Services (Civil, Mechanical, Electrical and

Electronics). Permitted correction for conforming to prescribed visual standards is spectacles only.

NOTE (2) : The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade of colour perception	Lower Grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16 feet	16 feet
2. Size of aperture	1.3 mm	1.3 mm
3. Time of exposure	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other service connected with the safety of the public, Higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Services posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below:

Technical Services or posts requiring higher grade colour Perception:

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Indian Defence Service of Engineer (IDSE)
- (iii) Central Engineering Service (Roads).
- (iv) Boarder Roads Engineering Service, Group 'A'.
- (v) Assistant Executive Engineer (Group 'A') in the Corps of EME.
- (vi) Survey of India Service Group 'A'.

Technical Service or posts requiring lower grade colour perception :—

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Naval Stores Office.
- (v) Indian Ordnance Factory Service.
- (vi) Central Water Engineering Service.
- (vii) Engineer Group 'A' in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation.
- (viii) Mechanical Engineer (Jr.) Group A in the Geological Survey of India.

Satisfactory colour vision constitutes, recognition with ease and without hesitation of Red, Green and Yellow colours the use of Ishihara's plates, shown in good light

and a suitable lantern like Edrige Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. Both the Ishihara's plates and Edrige Green's lantern shall be used for testing colour vision of candidates for appointment to the technical services.

NOTE (3) : Field of vision—The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) : For Night Blindness—Night blindness need not be tested as a routine but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been therefor 20 to 30 minutes. Candidates own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

NOTE (5) : For Central Engineering Services/CES (Roads)—Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo test for night blindness when considered necessary by the Medical Board for Survey of India Group 'A' service the candidate may be required to pass a 'stereoscopic fusion' test.

NOTE (6) : Ocular conditions, other than visual acuity :—

- (a) Any organic disease or a progressive refractive error, which is likely to result in lowering the visual acuity, should be considered as a disqualification.
- (b) Squint : For technical services presence of binocular vision is essential. The presence of Squint, even if the vision acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification in the absence of binocular vision. For non-technical service the presence of Squint should not be considered as a disqualification if the visual acuity is of the prescribed standards.
- (c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many non-technical posts. The medical board may recommend as fit for non-technical service. Such persons provided the normal eye has—
 - (i) 6/6 distant vision and J/I near vision with or without glasses, provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.
 - (ii) has full field of vision.
 - (iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate

can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will not apply to candidates for Posts/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) : Contact lenses—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed.

NOTE (8) : It is necessary that when considering eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE (9) : It shall be open to Government to relax anyone of the condition in favour of any candidate for special reasons.

8. Blood Pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal, maximum, systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus age.
- (ii) With subject over 25 years of age general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N. B.—1. As a general rule any systolic prescription 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalized by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

2. Method of taking Blood Pressure (II)

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise of excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stand when

soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to be admitted the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the column well heard clear sounds change to soft murmur fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as the pressure falls and reappear at a still lower level. This "Silent Gap" may cause error in reading).

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. When a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the Glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the Glycosuria 'being non-diabetic' and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will use its final opinion fit or unfit. The candidates will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A women candidate who has a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporary unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on the account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services Central Engineering Service Group A, Central Engineering Service (Roads), Central Electrical Engineering Service Group 'A' and Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical

examining authority in this regard :			1	2	3
1	2	3			
(1)	Marked for total deafness in one ears other being normal.	Fit for non-technical job if the deafness is upto 30 decibels in higher frequency.			(ii) Hoarseness of voice of severe degree if Present then temporarily Unfit.
(2)	Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upon 30 decibels in speech frequencies of 1000 to 4000.	(8)	Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.	(i) Benign Tumours Temporarily Unfit. (ii) Malignant Tumours Unfit.
(3)	Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type	(i) One ear normal other ear perforation of tympanic embrance present temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other Perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit, and then he may be considered under 4 (ii), below. (ii) Marginal or attic perforation in both ears unfit. (iii) Central perforation both ears—temporarily unfit	(9)	Otosclerosis	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid Fit
(4)	Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/on both sides.	(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both sides Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	(10)	Congenital defects of ear, nose or throat.	(i) If non- interfering with functions Fit. (ii) Stuttering of severe degree-Unfit.
(5)	Persistently discharging ear operated unoperated.	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.	(11)	Nasal Poly	Temporarily Unfit.
(6)	Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstance of individual cases. If deviated nasal septum is present with Symptoms Temporarily Unfit.			(b) that his/her speech is without impediment; (c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound; (d) that the chest is well formed and his chest expansion is sufficient and that his heart and lungs are sound; (e) that there is no evidence of any abdominal diseases; (f) that he is not raptured; (g) that he does not suffer from hydrocele, varicose, veins or piles; (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints; (i) that he does not suffer from any invertebrate skin disease; (j) that there is no congenital malformation of defect; (k) that he does not bear traces of acute chronic disease pointing to an impaired constitution; (l) that he bears marks of efficient vaccination; and (m) that he is free from communicable disease.
(7)	Chronic inflammatory/ condition of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx-Fit.			12. Radiographic examination of the chest for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination will be restricted to only such candidates who are declared finally successful at the concerned Engineering Services Examination.
					The decision of the Chairman of the Central Standing Medical Board (conducting the medical examination of the concerned candidate) about the fitness of the candidate shall be final.
					13. In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or

unfitness of the candidate for Government Service e. g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

14. The candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 100 in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. Along with, appeal the candidates must, submit a medical certificate by a registered doctor specifically mentioning that he is aware of the candidate having been declared unfit by a Medical Board. The medical fitness certificate submitted by a candidate is only a prerequisite for appealing against the findings of the First Medical Board. Candidates must have a copy of this certificate when, they present themselves before the Medical Board. The appeals should be submitted within 21 days of the days of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate; otherwise request for medical examination by an appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only a candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways (Railway Board) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee within the stipulated time.

15. The decision of the Appellate Medical Board will be final and no appeal shall be against the same.

MEDICAL BOARD'S REPORT

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner:

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance of the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy..... Government or the appointing authority as the case may be that he has no disease, constitutional affliction, or bodily infirmity, unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates

for permanent appointment to prevent early pension or payment in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

It may be noted that a candidate when suffering from a curable disease, can be declared temporarily unfit by the first Medical Board only. The Medical re-examination shall be deemed to be part of the first Medical Examination and candidates may, if they desire, appeal against its decision. The appellate Medical Board has to come to a final decision and state clearly whether a candidate is fit or unfit, a candidate cannot be declared temporarily unfit on the basis of the appellate medical examination.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the declaration 'appended thereto'. Their attention is specially directed to the warning contained in the Note below :

1. State your name in full (in block letters)

2. State your age and birth place

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the tribe race—

3. (a) Have you ever had small pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood asthma, heart disease, lungs disease, fainting attacks rheumatism appendicitis—

or

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

(c) Whether underwent myopic correction (Radial Keratotomy/ Lasik/Excimer etc. etc.) at any time? If yes details thereof.

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other causes?

5. Furnish the following particulars concerning your family:

Father's age if living and state of health and causes of death	Father's age at death	No. of living their ages and state of health	No. of brother dead their ages and causes of death
(1)	(2)	(3)	(4)

Mother's age if living and state of health and causes of death	Mother's age at death	No. of sisters living their ages and state of health	No. of sisters dead their ages and causes of death
(5)	(6)	(7)	(8)

6. Have you been examined by a Medical Board before?

7. If answer to the above is 'Yes' please state what Service (s)/post (s) you were examined for?

8. Who was the examining authority?

9. When and where was the Medical Board held?

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known :

11. All the above-answers are to the best of my knowledge and belief, true and correct and I shall be liable for action under law for any material infirmity in the information furnished by me or suppression of relevant material information. The furnishing of false information or suppression of any factual information would be a disqualification and is likely to render me unfit for employment under the Government. If the fact that false information has been furnished or that there has been suppression of any factual information comes to notice at any time during my service, my services would be liable to be terminated.

Candidate's Signature

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

PROFORMA-I

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate) physical examination.....

1. General development.....

Good.....

.....Fair.....Poor.....Nutrition.....
Thin..... average.....Obese
Height..... (without shoes)
Weight.....Best Weight.....

When?.....Any recent change in weight.....

Temperature :—

Girth of chest :—.....

(1) (After full inspiration).....

(2) (After full expiration).....

2. Skin any obvious disease :—.....

3. Eyes :—

(1) Any disease

(2) Night Blindness

(3) Defect in colour vision.....

(4) Field of vision.....

(5) Visual acuity.....

(6) Fundus Examination.....

Length of glasses

Acuity of vision	Naked eye	With eye glasses	Sph	Cyl.	Axis
Distant	RE				
Vision	LE				
Near	RE				
Vision	LE				
Hypermetropia	RE				
(Manifest)	LE.				

4. Ears: Inspection.....

Hearing: Right Ear.....

Left Ear

5. Glands..... Thyroid.....

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory System: Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?

If yes, explain fully.....

8. Circulatory system :

(a) Heart: Any organic lesions?

Rate Standing.....

After hopping 25 times.....

Two minutes after hopping.....

(b) Blood Pressure: Systolic.....

Diastolic.....

9. Abdomen: Girth.....

Tenderness..... Hernia.....

(a) Palpable: Liver.....

Spleen..... Kidneys.....

Tumours.....

(b) Haemorrhoids..... Fistula

10. Nervous System: Indications of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System: Any abnormality

12. Genito Urinary System: Any evidence of Hydrocele, Varicocele etc. Urine analysis :

(a) Physical Appearance.

(b) Sp. Gr.

(c) Albnnien.....

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells.....

13. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate?

NOTE : In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 9.

14. For which services of following five categories has the candidate been examined and found in all respect qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit :—

- (i) Railway Engineering Services Gr. A (Civil, Electrical, Mechanical and Signal), CES (Gr. A), CE & MES (Gr. A), CWES Gr. A, CES (Roads) Group 'A' and MES Gr. A.
- (ii) INAS Gr. A, INSO Gr. J BRES, Grade 'A', Post of Engineer Gr. 'A' (WP&C/Monitoring Organisation)
- (iii) Assistant Executive Engineer (Group A) in the corps of EME, Ministry of Defence, Survey of India
- (iv) IOFS Gr. A.
- (v) IRSS Gr. 'A' and Mechanical Engineer (Jr) Gr. 'A' in G.S.I.

NOTE: (I) The Board should record their findings under one of the following three categories:

- (i) Fit.....
- (ii) Unfit on account of.....
- (iii) Temporarily unfit on account of
- (iv) Fit only for specified vacancy reserved for physically impaired.

NOTE: (II) The candidate has not undergone chest X-Ray test. In view of this, the above findings are not final and are subject to the report on chest X-Ray test.

Place:

Date:

Signature

Chairman

Member

Member

Seal of Medical Board

PROFORMA II

Candidate's Statement/Declaration

1. State your Name

(in block letter)

2. Roll No.

Candidate's Signature

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

To be filled in by the Medical Board

NOTE : The board should record their findings under one of the following three categories in respect of chest X-Ray test of the candidate.

Name of the Candidate.....

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of
- (iii) Temporarily unfit on account of

Place:

Date:

Signature Chairman

Member Member

Seal of Medical Board

APPENDIX III**BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION.****1. INDIAN RAILWAY SERVICE OF ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF ELECTRICAL****ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF SIGNAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS AND INDIAN RAILWAY STORES SERVICE.**

- (a) **Probation:**-Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in minimum of one year's probation in working post. If the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government.
- (b) **Training:**-All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular service/post at such place and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time.
- (c) **Termination of appointment:**-The appointment of probationers can be terminated by three months notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however required in case of dismissal or removal as disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government however, reserve the right to terminate the services forthwith:

- (i) If in the opinion of the Government the work or conduct of probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become

efficient. Government may discharge him forthwith.

- (ii) Failure to pass the departmental examination may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall be liable to termination of services.
- (d) **Confirmation:**-On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respect.
- (e) Scales of pay:-

 - (i) Junior Scale—Rs. 8000-275-13500/-.
 - (ii) Senior Scale—Rs. 10000-325-15200/-.
 - (iii) Junior Administrative Grade II-Rs. 12000-375-16500/-.
 - (iv) Senior Administrative Grade II-Rs. 18400-500-22400/-.

In addition there are super time scale posts carrying pay between Rs. 18400/- and Rs. 26000/- to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent in probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examination during the period of probation may result in stoppage or postponement of increment.

- (f) **Refund of the cost of training:**-If for any reasons which in the opinion of the Government are not beyond the control of the probationer a probationer wishes to withdraw from training or probation he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other money paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond a copy of which will be enclosed alongwith their offers of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.
- (g) **Leave:**-Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

- (h) **Medical Attendance:**— Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.
- (i) **Passenger Privilege Ticket Orders:**— Officers will be eligible for railway passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.
- (j) **Provident Fund and Pensions:**— Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.
- (k) Candidates recruited to the Services/Posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.
- (l) **Liability to serve in Defence Service:**— The probationer appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any;

Provided that such person:

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. **CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP "A" AND CENTRAL ELECTRICAL AND MECHANICAL ENGINEERING SERVICES GROUP "A"**

- (a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they could be considered for confirmation or continuance in their appointment. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension. They are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

- (b) As things stand at present, all officers appointed in Central Engineering Service Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive

Engineer subject to availability of vacancies and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

- (c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if, so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person:

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after a training the age of forty years.
- (d) The following are the rates of pay admissible:
 - (i) ITS. (A.E.E.) Rs. 8000-275-13500/-
 - (ii) S.T.S(E.E.) Ordinary Scale Rs. 10000-325-15200 Non-functional selection on Grade Rs. 12000-375-16500
 - (iii) Junior Administrative Grade (S.E.); Rs. 14300-400-18300
 - (iv) Senior Administrative Grade (C.E.) Rs. 18400-500-22400/-
 - (v) Super Times Scale Additional D.G.-Rs. 22400-525-24500/- Additional Director General (work special) Rs. 24050-26000

Director General (works)-Rs. 26000 (fixed)

These posts are common to all the three disciplines i.e. Civil, Electrical and Mechanical and Architectural. NOTE- The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provision of F.R 22-B(I).

- (e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).
- (i) Central Engineering Service Group A. Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highway and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Civil) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) Central Electrical and Mechanical/Engineering Service Group A.

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electrical sub-stations and power houses, air-conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

3. INDIAN DEFENCE SERVICE OF ENGINEERS (IDSE)

The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests, as Government may prescribe. If in the opinion of moment the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work of conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

(a) Probationers will be required to undergo departmental Young Officers Basic Works (YOB W) Course during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

(b) The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for period of not less than 4 years including the period spent on training if any :

Provided that such a candidate :

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;
- (iii) The candidates shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field liability) Rules, 1957 Published under No. SRO, 92 dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay :

- (a) Assistant Executive Engineer -Rs.8000-275-13500.

- (b) Executive Engineer—Rs. 10,000-325-15,200.
- (c) Executive Engineer (NESG)—Rs.12,000-375-16,500.
- (d) Superidending Engineer—Rs. 14,800-400-18,300.
- (e) Additional Chief Engineer—Rs. 16,400-450-20,000.
- (f) Chief Engineer Rs. 18,400-500-22,400
- (g) Additional Director General—Rs. 22,400-525-24,500.
- (h) Director General (Pers)—Rs. 22,400-525-24,500.

4. INDIAN ORDNANCE FACTORY SERVICE GROUP-A

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Ordnance Factories and Chairman, O.F. Board. Probationer will undergo such practical training, as shall be provided by the Government and are required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi. On the conclusion of the period of his probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either (discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit).

(b) (i) Selected candidates shall if, so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidate shall be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under No. SRO 92 dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance will the medical standard laid down therein.

(c) The following are Scales of Pay admissible :

Jr. Time Scale—Rs. 8000-275-13500

Sr. Time Scale—Rs. 10000-325-15200

Senior Time Scale (NF)—Rs. 12000-375-16500

Jr. Admin. 'Grade (F) Rs.—14300-400-18300

Sr. Admin. Gr.18400-500-22400

Sr. General Manager—Rs. 22400-525-24500 Addl.
DGOF/Member OFB-Rs. 24050-650-26000 DGOF/
Chairman OFB-26000 (fixed).

NOTE-The pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15 (6)/64/D (Apptd.) 105 D (Civ 1) dated the 25th November, 1965 as amended from time to time.

- (d) Probationers are required to undergo Foundational Training course at National Academy for Defence Production, Ambajhari, Nagapur.
- (e) A probationer shall be liable to refund the entire cost of his training and any other payments made to him during the period of training/probation, if he/she wishes to resign from the service within a period of five years from the date of expiry of training/probation or withdraws from training/probation. A bond to that effect shall be executed by the probationer at the time of appointments.

5. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP-A) SERVICE

- (i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Engineering (Group 'A') Service shall be on probation for a period of two years: Provided that the Government may, where necessary extend the said period of two years for a further period not exceeding one year. If on the expiry of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit. During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such courses or training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.
- (ii) Officer appointed to the service shall be liable to serve anywhere in India or outside.
- (iii) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any:

Provided that such person:—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date

of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iv) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward for promotion to various higher grades in the Service.

(v) The following are the admissible Scales of Pay :

1. Assistant Director/ Assistant Executive Engineer CWC/ Assistant Commissioner, MoWR	Rs. 8000-275-13500
2. Deputy Director/Executive Engineer, CWC/ Deputy Commissioner, MoWR	Rs. 10000-325-15200
3. Director/Superintending Engineer, CWC Sr. Jt. Commissioner, MoWR	Rs. 14300-400-18300
Director, GFCC	
Director/Superintending Engineer, SSCAC Director/ Superintending Engineer, CBA	
4. Chief Engineer, CWC Commissioner, Mo WR Member GFCC Secretary, SSCAC General Manager, FBP Chief Engineer, CBA	Rs. 18400-500-22400
5. Member, Central Water Commission	Rs. 22400-525-24500
Chairman GFCC	
6. Chairman, CWC	Rs. 26000 (fixed).

(vi) Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Central Water Engineering (Group A) Service :—

(a) *At Headquarters*

Central Water Commission (CWC) is primarily responsible for almost all aspects of Water Resources Development. Officers in the headquarters are directly associated with planning, design, appraisal and monitoring of different water resources projects in the country. CWC

through its various specialized Directorates fulfil its obligation towards these aspects. The officers at various levels in Design units are associated with detailed studies in respect of design of various components of the water resources projects under different stages of implementation. There are specialised Directorates on Hydro-civil Design, Concrete and Masonry Dam Design, Earth and Rockfill Dam Design, Barrage and Canal Design and Design of Gates on Hydraulic Structures. The activities relating to water resources assessment, design flood estimation and sediment analysis are carried out through Hydrological Studies Organisations of CWC. CWC has specialised units for Project Appraisal, Project Monitoring and Environmental Management. The Central Mechanical Organisation of CWC is associated with Construction Equipment Planning and Contract Management of almost all the major Water Resources development projects. The activities of CWC at its headquarters also include development of flood forecasting models through its P&D Organisation and the planning and design of various flood management practices through its Flood Management Organisation.

(b) At field formation of CWC

The field organisations of CWC are directly involved with hydrological observation, project investigation, appraisal of medium irrigation projects, monitoring of identified projects and flood forecasting on almost all the major rivers in the country. These activities are carried out through a network of regional offices headed by the Chief Engineer and Circles/Directorates headed by Superintending Engineer/ Director and Executive Engineers. There are Sub-Divisions/Control Room headed by Assistant Executive Engineers which are directly involved with investigation of water resources development projects, hydrological observation and flood forecasting.

6. CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS), GROUP 'A'

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

(b) Any person appointed, on the results of this competitive examination shall if so required, be

liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scales of pay admissible :

Assistant Executive Engineer	Rs. 8000-275-13500
------------------------------	--------------------

Executive Engineer	Rs. 10000-325-15200/-
--------------------	-----------------------

Executive Engineer (Non-Functional Action Grade)	Rs. 12000-375-16500
--	---------------------

Superintending Engineer	Rs. 14300-400-18300
-------------------------	---------------------

Chief Engineer	Rs. 18400-500-22400
----------------	---------------------

Additional Director General	Rs. 22400-525-24500
-----------------------------	---------------------

Director General (Roads Development) and Special Secretary	Rs. 26000/- (fixed)
--	---------------------

Note :—The pay of Government servant who held a permanent post other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probation in the Central Engineering Services, Group 'A' Group 'B' will be regulated subject to the provision of F.R.-22 B(l).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group 'A' .

(i) Civil Engineering Posts :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs. and in the Regional Offices etc. of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, preparing designs and estimates of roads/bridges work and scrutiny of proposals for such work received from the States.

(ii) Mechanical Engineering Posts :—

To assist the Senior Technical Officers Hqrs. and in the Regional Offices etc. of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, procurement, operation and maintenance of roads/bridges construction equipments, to prepare estimates for repairs and maintenance of such equipments and scrutiny of proposals and estimates received from the states.

7. INDIAN NAVAL ARMAMENT SERVICE

(a) Candidate selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service.

- (b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment by competent authority). The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.
- (c) They will be subject to term and conditions of the Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time they will be subjected to Field Service Liability Rules, 1957 as amended from time-to time.
- (d) They will liable for transfer anywhere in India, or abroad.
- (e) Scale of pay of and classification-Group A. Gazetted.
 - (i) Junior Time Scale Grade (Assistant Manager Assistant Director of Naval Armaments) : Rs. 8000-275-13500.
 - (ii) Senior Time Scale Grade (Manager/Deputy Director of Naval Armaments) : Rs. 10000-325-15200.
 - (iii) Junior Administrative Grade (Non-Functional) (Deputy General Manager/Joint Director of Naval Armaments) : Rs. 12000-375-16500.
 - (iv) Junior Administrative Grade (Functional) (General Manager/Additional General Manager/Principal Director/Director of Naval Armaments) Rs. 14300-400-18300.
 - (v) Senior Administrative Grade (Chief General Manager/Addl Director General of Naval Armament) : Rs. 18400-500-22400.
 - (vi) Higher Administrative Grade (Director General of Naval Armament) : Rs. 22400-525-24500.
- (i) Senior Time Scale Grade (Manager/Deputy Director of Naval Armaments) : Officers of INAS Cadre in the Junior Time Scale Grade (Assistant Manager/Assistant Director) with four years regular service in the grade are eligible for promotion to the Senior Time Scale Grade on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only, those officers will be considered for promotion who have passed the Departmental Examination after the Naval Technical Staff Course at the Institute of Armament Technology, Pune or Technical Training Course.
- (ii) Junior Administrative Grade (Non-Functional) (Deputy General Manager/Joint Director of Naval Armaments) : Officers of INAS Cadre in the Senior Time Scale Grade who have completed five years of regular

service in the Senior Time Scale Grade are eligible for appointment to the Junior Administrative Grade (Non Functional).

(iii) Junior Administrative Grade (Functional) (General Manager/Additional General Manager/Principal Director/ Director of Naval Armaments Officers of INAS Cadre in the Senior Time Scale Grade on completion of nine years of regular service in the Grade including service, if any, rendered in Junior Administrative Grade (Non Functional) are eligible for promotion to the Junior Administrative Grade (Functional) in the pay scale of Rs. 14300-18300, failing which, Officers of INAS Cadre in the Senior Time Scale Grade on completion of five years of regular service in the Grade are eligible for promotion to the Junior Administrative Grade (Functional) subject to the condition that officers, so promoted, shall continue to remain 'only in the scale of Rs. 12000-16500 till they become eligible for the scale of Rs. 14300-18300 as above..

(iv) Senior Administrative Grade (Chief General Manager/Addl. Director General of Naval Armament) : Officers of INAS Cadre in the Junior Administrative Functional Grade with three years regular service in the Grade are eligible for promotion to the post of Chief General Manager/Addl. Director General of Naval Armament on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(v) Higher Administrative Grade (Director General of Naval Armament) : Officers of INAS Cadre in the Senior Administrative Grade are eligible for promotion to the post of Director General of Naval Armament on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

The requirements for promotion to next higher grade as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

NOTE : The pay of the Government servant who held a permanent post other than tenure post in a substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F. R. 22B(I) and the Corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

- (a) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Junior Time Scale Grade in the Indian Navy, Ministry of Defence.
- (i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical, electronics and electrical devices and system production and productivity.
- (ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.
- (iii) Development work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.

- (iv) Providing of mechanical, electronics and electrical spares for armaments.
- (v) Periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical, electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedoes, mines and guns) measuring instruments etc.
- (vi) Providing logistic support in respect of armament stores to Fleet and Naval Establishments.
- (vii) Rendering of technical advise to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

8. POSTS OF ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER/ASSISTANT ENGINEER IN THE CORPS OF EME, MINISTRY OF DEFENCE:

- (i) Candidates recruited to these posts through ESE are employed in lieu of Army Officers of the rank of Captain/Lieutenant. They will be appointed on probation for a period of two years. On satisfactory completion of the probation, they would be considered for continuance in their appointment. Govt. may either extend the period of probation of two years or discharge them from service, if their work or conduct, in the opinion of the Govt. has been unsatisfactory.
- (ii) Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.
- (iii) Officers appointed shall be liable to undergo courses of instruction in India or abroad as the Govt. may decide from time to time.
- (iv) Officers appointed shall, if so required, be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training, if any provided that such persons :—
 - (aa) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
 - (ab) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (v) The candidates will be subjected to civilians in Defence Services (field liability) Rules, 1957 published under S.R.O. No. 92 dated 9 March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down therein.
- (vi) The candidates start their service in the department as Assistant Executive Engineer or Assistant Engineer as the case may be and in the course of their service are promoted to various senior grades in the Department subject to availability of vacancies and fulfilling the

prescribed conditions. On line promotions and the scales of pay are as under :—

- (a) Assistant Executive Engineer Rs. (8000-275-13500).
- (b) Executive Engineer Rs. (10000-325-15200)
- (c) Superintending Engineer Rs. (12000-375-16500)
- (d) Additional Chief Engineer Rs. (14300-400-18300)
- (e) Chief Engineer Rs. (16400-450-20000).

(vii) Duties and Responsibilities : Nature of responsibilities attached to the posts of Assistant Executive/Assistant Engineer are as under :—

- (aa) Candidates recruited in the Corps of Electrical and Mechanical Engineers through ESE are employed in production, planning and control and administration in various Army Base/Station workshops.
- (ab) They are responsible for achieving the given production targets such as manufacturing of spares, overhaul/repair of Army equipment, technical efficiency of sections under their control, preventive maintenance of plants and machineries, inventory management etc.
- (ac) Suitably qualified officers are posted as instructional staff in EME training establishments located at Secunderabad, Baroda and Bhopal to train all ranks attending various courses on repair and maintenance of Army equipments.

9. POST OF ASSISTANT NAVAL STORE OFFICER, GRADE-I IN THE INDIAN NAVY:

- (i) Candidates selected for appointment to these posts through ESE will be placed on probation for a period of two years. On satisfactory completion of the probation, they would be considered for continuance in their appointment. Government may either extend the period of probation of two years or discharge them from service if their work or conduct, in the opinion of Government has been unsatisfactory.
- (ii) They will be subject to terms and conditions as applicable to Civilian Government Servants paid by the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.
- (iii) Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.
- (iv) Officers appointed shall be liable to undergo courses of instruction in India or abroad as the Government may decide from time to time.
- (v) The candidates will be subjected to civilians in Defence Services (Field Liability) Rules, 1957

published under SRO No. 92 dated 09 March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down therein.

(vi) The candidates start their service in the department as Assistant Naval Store Officer, Grade- I and in the course of their service are promoted to various grades in the Department subjected to availability of vacancies and fulfilment of the prescribed conditions. The channel of promotions and the scales of pay are as under :—

- (aa) Assistant Naval Store Officer Grade - I Group "A" post (Rs. 8000-275-13500).
- (bb) Naval Store Officer (Rs. 10000 - 325-15200).
- (cc) Senior Naval Store Officer (Rs. 12000-375-16500).
- (dd) Director (Rs.14300-400-18300).
- (ee) Senior Director (Rs. 18400-500-22400).

(vii) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Naval Store Officer, Grad -I in the Indian Navy, Ministry of Defence :—

- (a) Provisioning of all types of Stores.
- (b) Inviting tender inquiry, preparation of comparative statements and placement of orders and monitoring their progress through Integrated Logistics Management System (ILMS).
- (c) Ensure all Material Planning action through ILMS.
- (d) Ensure proper Warehousing and inventory control of all the items stocked in the Depot through ILMS preservation Shipping and Transport, local purchase of items.
- (e) Arranging fueling/de-fueling storing and de-storing of ships.
- (f) Issue receipt and accounting, preservation packing and stock taking of Store Houses under his control.
- (g) Stock/inventory control and depot management.
- (h) Disposal of surplus, scrap and silage oil.

10. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE GROUP 'A'

- (i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.
- (ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field

area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.

(iii) The following are scales of pay admissible to them :—

(a) AEE (Civil)	Rs. 8000-275-13500
Executive Engineer (Civil)	Rs. 10000-325-15200
Superintending Engineers (Civil)	Rs. 12000-325-16500
Superintending (Selection Grade) (Civil)	Rs. 14300-400-18300
Chief Engineer (Civil)	Rs. 18400-500-22400
Addl. DGBR	Rs. 22400-525-24500
(b) AEE (E & M)	Rs. 8000-275-13500
Executive Engineer (E & M)	Rs. 10000-325-15200
Superintending Engineer (E & M)	Rs. 12000-375-16500
Superintending Engineer (E & M) (Selection Grade)	Rs. 14300-400-18300
Chief Engineer (E&M)	Rs. 18400-500-22400

(iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer after fulfilling the prescribed conditions.

The Requirements for promotion to next higher grade, as laid down above are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(v) The officers appointed to the service are entitled special Compensatory Allowance and Special Duty Allowance at prescribed rates when employed in certain specified areas and free ration or allowance in lieu of ration; besides other usual allowances such as HRA, CCA, etc., as admissible to the Central Government employees. They are also entitled to outfit allowance.

(vi) The Officers pointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.

11. ENGINEERS (GROUP 'A' IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/ MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATION AND INFORMATION TECHNOLOGY DEPARTMENT OF TELECOMMUNICATIONS).

- (a) Scale of pay Rs. 8000-275-13500.
- (b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser. Wireless Planning and Coordination Wing/

Engineer-in-Charge, Monitoring Organization (Scale of pay Rs. 10,000-325-15200 plus Rs. 400 per month as special pay for the post of Assistance Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade Promotion to the grade of assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group 'A' posts.

All Assistant Wireless Advisers and Engineers-in-Charge with 5 years' service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser/Deputy Director (Scale Rs. 12000-375-16500). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser/Deputy Director are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group 'A' posts.

The vacancies in the next higher grades of Joint Wireless Adviser/Director (WM) in the pay scale of Rs. 18400-500-24000 and Wireless Adviser to the Government of India in the pay scale of Rs. 22400-525-24500 are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of DPC as constituted for Group 'A' posts.

The requirements for promotion to the next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only:

- (c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.
- (d) Any person appointed to the post of Engineer shall if so required be liable to service in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training if any.

Provided that such a person :

- (i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (e) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Post.
- (f) Supervision, guidance and training of staff in the different units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.
- (ii) Installation, calibration testing and maintenance of various categories of electronic equipment, antennae and ancillaries employed in radio frequency monitoring covering the entire radio

frequency spectrum and various types of Communications.

- (iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/Organisations for different types of the radio communication service.
- (iv) All aspects relating to National and International Coordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit including preparation of allocation plans, establishment of relevant technical standards, type approval of equipment, studies of electromagnetic interference and compatibility etc.
- (v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.
- (vi) Conducting of examination for Certificate of Proficiency/Radio Armatures etc. and issuing of respective Licenses.
- (vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.
- (viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union and appropriate, or other International/Regional Organisations dealing with telecommunications.

12. POSTS IN THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Persons recruited to the posts of Mechanical Engineer(Junior) (Group 'A' posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in time scale of Rs. 8,000-275-13,500. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules.

The persons appointed to the posts of Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India, shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any.

Provided that such a person :

- (i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Drilling Engineer (Junior) Geological Survey of India, and
- (ii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instructions on the subject.

For Mechanical Engineer (Junior)

Group 'A' - 8,000-275-13,500.

(i) Mechanical Engineer (Senior)

Rs. 10,000-325-15200.

(ii) Director (Mechanical Engineering)

Rs. 12000-375-16500.

(iii) Deputy Director General

(Mechanical Engineering)

Rs. 18400-500-22,400.

(iv) Sr. Deputy Director General

(Scientific & Tech. Support Services)

Rs. 22,400-525-24,500.

The officers recruited in Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

Note: The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22 B(I).

Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India.

The nature of duties and responsibilities of Mechanical Engineer (Jr.) in GSI will be (a) fleet management having a strength of approx. 300 vehicles, the deployment of vehicles in field areas with all the connected works concerning Road Transport Authority and upkeep of documents of vehicles fitness etc., (b) Responsibility of the maintenance of vehicles/drill machine equipments and other Mechanical machine tools for their best performance/ preventive and major repairs. (c) Management of manufacturing works of drilling accessories, laboratory equipments, design and fabrication/modifications of special scientific equipments etc. and to take care of a machine shop having general purpose machine tools. (d) Personal management of technicians, supervisors of different trades in the Engineering Stream, (e) Updating of records of equipments/vehicles/machineries and managing the establishment, (f) finalizing technical specification for procurement of vehicles/equipments and also the responsibilities of stock holding & disposal of vehicles / equipment, (g) Spare parts/inventory management involving indents, procurement including procurement of stock maintenance.

NB: The Flexible Complementing Scheme (FCS) is likely to be introduced in GSI shortly. Merger of two Engineering streams viz. Drilling and Mechanical Engineering in GSI in Group 'A' service in the grade of Deputy Director General and below will be implemented after notification of recruitment rules under Flexible Complementing Scheme in GSI.

13. SURVEY OF INDIA GROUP 'A' SERVICE

1. Appointments will be made on probation for a period of two years.

Provided that the Controlling Authority may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time in this regard.

Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken ordinarily within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

On completion of the period of probation or any extension thereof, as the case may be, if the Government is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment, for reasons to be recorded in writing, may discharge or revert the officer to the post held by him prior to his appointment in the service, as the case may be.

During the period of probation, or any extension thereof, candidates may be required by Government to undergo such courses of training and instructions and to pass examinations and tests (including examination in Hindi) as Government may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

2. Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.

3. Officers appointed shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instruction in India or abroad as the Government may decide from time to time.

4. Any person appointed on the result of competitive examination shall if so required be liable to serve in any defence services or posts connected with defence of India for a period not less than 4 years including the period spent on training, if any, provided that such persons shall not be required :—

(i) to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;

(ii) ordinarily to serve as aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. The following are the scales of pay admissible :

Junior Scale	Rs. 8000-275-13500.
Senior Scale	Rs. 10000-325-15200
Junior Administrative Grade	Rs. 12000-375-16500.
Selection Grade	
Junior Administrative Grade	Rs. 14300-400-18900
Senior Administrative Grade	Rs. 18,400-500-22400.
Surveyor General of India	Rs. 22400-525-24500

6. Nature of duties and responsibilities attached to the various posts.

Deputy Superintending Surveyor—Required to carry-out Survey work in the fields of geodesy photogrammetry, cartography and digital mapping as an individual worker, as well as Section Officer/Camp Officer to supervise Sections/Camps. He will also assist Officer-in-Charge (Superintending Surveyor) in both-technical & administrative work of the unit.

Superintending Surveyor—Responsible for the organisation and discipline of the Party, custody, maintenance and accurate accounting of stores, economical expenditure of funds at his disposal, proper training of all his Officers and men in their duties and in the method of Survey best suited to the work execution and supervision of all technical work field verification, fair mapping, photogrammetry and digital mapping etc.

Deputy Director—Assist the functional Director in smooth and efficient functioning of the Directorate, responsible for scrutinising, completion and monitoring of all technical, administrative and financial reports and returns, for arranging trade tests, training circles DPCs, presiding over procurement boards, finalising of tender

and contract and all other matter delegated by the Director.

Director/Deputy Director Selection Grade—Responsible for all surveys and mapping, appointing and disciplinary authority for all Group 'C' staff, technical coordinating guidance, supervision and monitoring of Surveying & Mapping operations including advice to State Govt. Central project Authorities etc. etc., financial management, budgeting monitoring and control of entire expenditure of the Directorate.

Additional Surveyor General—Complete overall responsibility for the efficient performance of the Circles under his charge in respect of Technical, Scientific, Administrative, Human Resources Development, finance and accounts, finalising the training, field, fair-mapping, digital mapping and reprography programmes and printing work for all Circles under his charge, monitoring progress of technical work according to the prescribed norms and ensure requisite standard of accuracy at every stage, responsible for development/adoption of new technical methods of work, advice to State Governments on all surveying matters falling in his Zone.